RNI No.: MPHIN/2022/82783

हमारा देश हमारा अभिमान

कुल पृष्ठ : 52, मूल्य 50 रूपए 28 मई 2025 वर्ष 04, अंक 5 , मासिक पत्रिका

ISO 9001:2015 CERTIFIED

।। हर हर महादेव ।।

दुनिया ने देखी भारत की ताकत

बनारस, काशी, वाराणसी: आप भी जानिए बाबा विश्वनाथ की नगरी के इन तीन नामों की कहानी का रहस्य

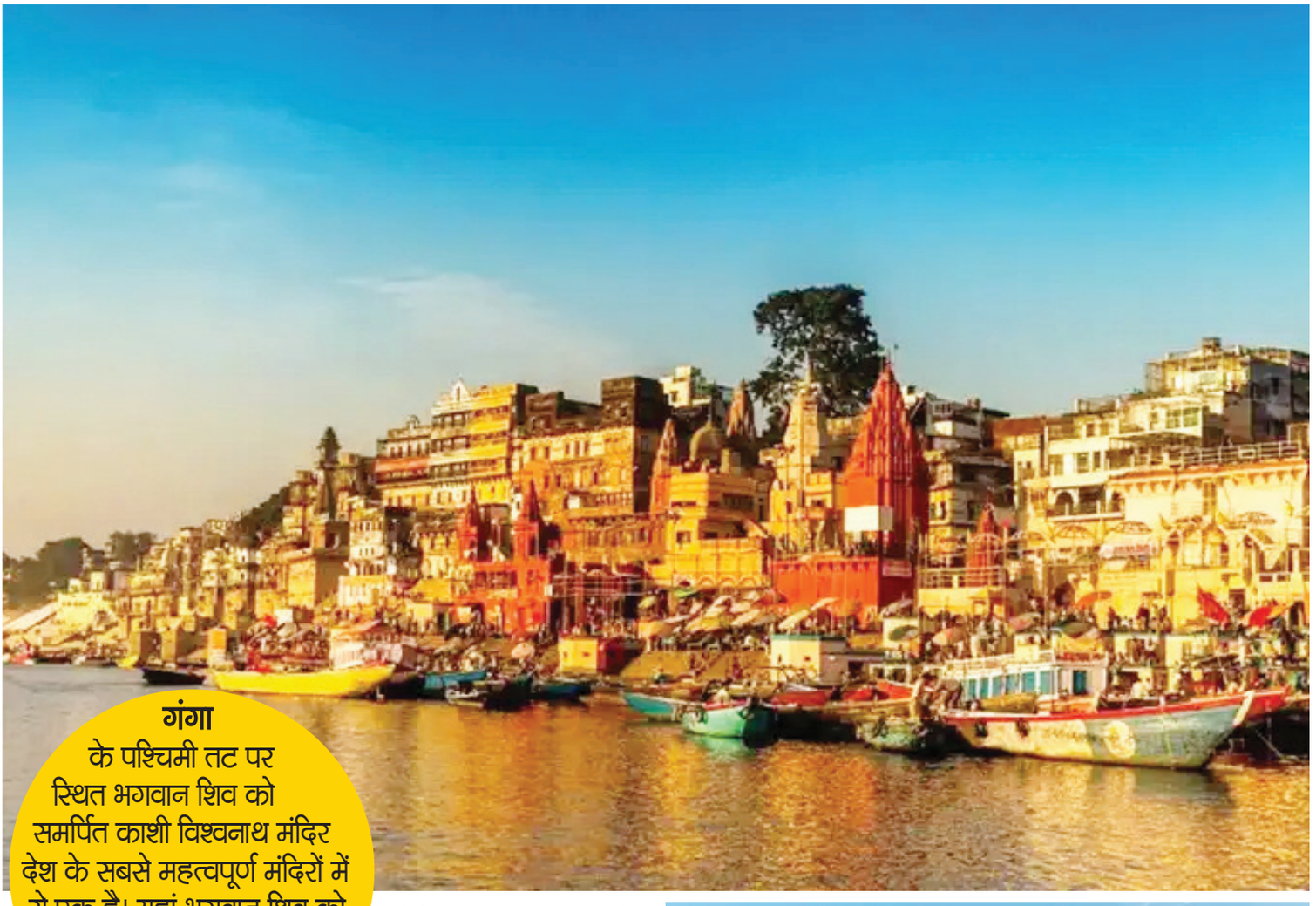

गंगा के पश्चिमी तट पर स्थित भगवान शिव को समर्पित काशी विश्वनाथ मंदिर देश के सबसे महत्वपूर्ण मंदिरों में से एक है। यहां भगवान शिव को ब्रहांड के भगवान के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है।

भारत के प्राचीन मंदिरों और आध्यात्मिक इतिहास के स्मारकों में काशी मंदिर का खास उल्लेख मिलता है। गंगा के पश्चिमी तट पर स्थित भगवान शिव को समर्पित काशी विश्वनाथ मंदिर देश के सबसे महत्वपूर्ण मंदिरों में से एक है। कोई इसे बनारस, कोई वाराणसी और कोई काशी के नाम से भी जाना जाता है। यहां भगवान शिव को ब्रहांड के भगवान के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। काशी को विश्वस्तर पर सबसे पुराना और जीवित शहर माना जाता है। भव्य मंदिर के अलावा दशावहामेधा घाट पर होने वाली गंगा आरती भक्तों को आकर्षित करती है। तो चलिए हम आपको यहां बताते हैं कि बनारस को वाराणासी या काशी क्यों कहा जाता है। जानिए क्या है इन शहरों के नामों की कहानी और क्यों बार-बार इनके नाम बदलते रहते हैं। बता दें कि हर शहर के नाम के पीछे एक कहानी है।

काशी का अर्थ क्या है -

वाराणासी का पुराना नाम काशी है। धार्मिक ग्रंथों में भी काशी के नाम से इस शहर का महिमामंडन किया गया है। आपको जानकर हैरत होगी, लेकिन शहर का ये नाम करीब 3 हजार साल से बोला जा रहा है। काशी को कई बार कशिका भी कहा जाता है। अगर हम इस शब्द के अर्थ की बात करें, तो इसका मतलब होता है चमकना। कहा जाता है कि भगवान शिव की नगरी होने के कारण यह शहर हमेशा चमकता रहता है। वैसे इसका उल्लेख कई धार्मिक ग्रंथों में भी मिलता है। कई रिपोर्टों में भी बताया गया है कि प्राचीन ग्रंथ ऋगवेद में भी काशी का उल्लेख है।

क्या है बनारस की कहानी-

वाराणासी का सबसे प्रसिद्ध नाम तो बनारस ही है। मुगलों और फिर अंग्रेजों के शसन काल में इसका नाम बनारस ही था। दरअसल, इसका नाम पाली भाषा में बनारसी था , लेकिन यह फिर से बनारस हो गया। जहां तक बनारस का संबंध है, यह बनार नाम के राजा से जुड़ा है, जो मोहम्मद गोरी के हमले के दौरान यहां मारा गया था। कहा जाता है कि यहां के जीवन के रंगों को देखकर मुगलों ने यह नाम रखा और इसी नाम से पुकारते रहे।

वाराणासी नाम कहां से आया -

बौद्ध जातक कथाओं और हिंदू पुराणों में वाराणसी का एक प्राचीन नाम भी है। बनारस का नया नाम वाराणसी है, जो दो नदियों वरूण और असी के बाद जो इस शहर से होकर गुजरती हैं। यूं तो कई छोटी और बड़ी नदियां इस शहर से होकर गुजरती हैं, लेकिन इन दोनों नदियों का शहर से अलग लगाव है। बता दें कि 15 अगस्त 1947 से पहले भी बनारस के राजा विभूतिनारायण सिंह थे। आजादी के बाद जब विभिन्न रियायतों का विलय किया जा रहा था, तब महाराजा ने अपनी रियासत के भारत में विलय

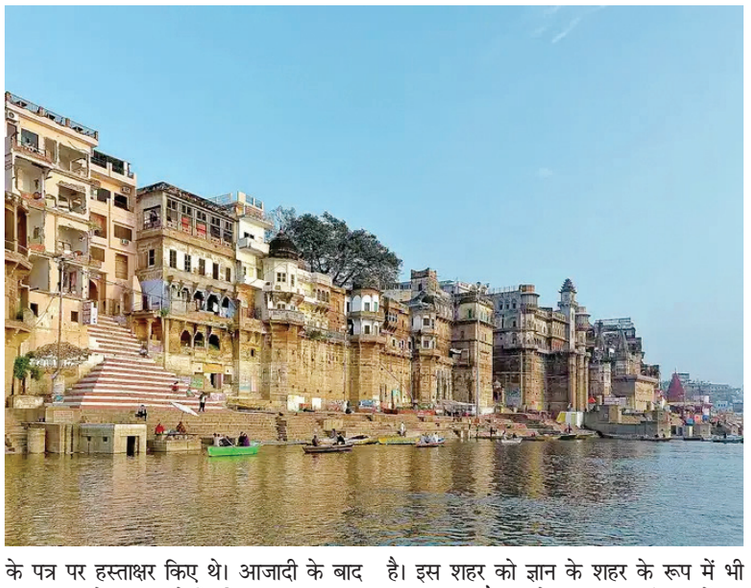

के पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। आजादी के बाद जब उत्तर प्रदेश बना, तो टिहरी गढ़वाल , रामपुर और बनारस की रियासतों को इसमें मिला दिया गया। ऐसे में 24 मई 1956 को शहर का नाम बदल दिया गया।

बनारस के हैं और भी कई नाम -

अब तक आप बनारस के एक या दो नामों से ही परीचित होंगे, लेकिन आपको जानकर हैरत होगी कि इसके बहुत से नाम हैं, जिनके बारे में लोगों को अब तक नहीं पता। इस शहर का नाम आनंदकानन, महासंशन, रूद्रवा, कशिका, मंदिरों का शहर, त्रिपुरारिराजनगरी, तपसः स्थली है। इस शहर को ज्ञान के शहर के रूप में भी जाना जाता है। इसके अलावा कई स्थानों पर इसका नाम शंकरपुरी, जितवारी, आनंदरूपा, श्रीनगरी, गौरीमुख, महापुरी, तपस्थली, धर्मक्षेत्र, अर्लकपुरी, जयंशिला, पुष्पावती, पोटली, हरिक्षेत्र, विष्णुपुरी, शिवराजधानी, कसीनगर, काशीग्राम भी है। भारत में यह एकमात्र ऐसा अनोखा शहर है जिसके 50 से भी ज्यादा नाम हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर भारत के आध्यात्मिक और सांसारिक मूल्यों का प्रतीक है और इसलिए इसे सब से महत्वपूर्ण माना जाता है। जीवन में एक बार हर किसी को बनारस या वाराणासी की यात्रा जरूर करनी चाहिए।

हमारा देश
हमाराअभिमान

28 मई 2025

सुविचार

"कठिन समय के दौरान लिए गए सही निर्णय ही आपको परिपक्व बनाते हैं।"

संपादकीय	04-05
राष्ट्रीय न्यूज	06-07
ग्वालियर	08-11
मध्य प्रदेश	12-28
फैशन	29
कैरियर	30
पर्यटन	31-32
ऑटोमोबाइल	33
सायबर अवेयनेस	34
बिजनेस आईडिया	35
रोजगार	36
कृषि जगत	37-38
खेल जगत	39
वास्तु	40
स्वास्थ्य	41-43
अंतराष्ट्रीय	44
वेल्थ मैनेजमेंट	45-46
बॉलिवुड	47
फैशन	48-49
रैसिपी	50
ट्रेडिंग जॉब	51

वरिष्ठ संरक्षक मंडल

- अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
- श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
- श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी, श्री धूमेस्वर धाम
- श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
- डॉ. श्रीमती शालिनी कौशिक
- श्री नागेंद्रनाथ सुरेंद्र नाथ चौबे

संरक्षक मंडल

- श्री लोकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय
- श्री अरविंद जैन • केशव पांडे जी
- श्री प्रदीप कुमार शर्मा
- श्री शिवदयाल धाकड़
- श्री अरुण कांत शर्मा
- श्री महेश पुरोहित
- श्री विनोद भारद्वाज, अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट,
- श्री मनोज भारद्वाज
- श्री अनिल जैन • श्री निर्मल वासवानी
- श्री विद्याभूषण शर्मा
- श्रीमती अर्चना बाजपेयी
- एडवोकेट श्रीमती रिचा पांडेय (सुप्रीम कोर्ट)
- श्री के.एल.दलवानी
- श्री राकेश कुमार सगर
- श्री जयराज कुबेर
- श्री अभिनव पल्लव
- श्री बृजेश श्रीवास्तव
- श्री दीपक कुमार शुक्ला
- श्रीमति निवेदिता गुप्ता
- श्री विनोद कुमार बांगडे
- श्री विनायक शर्मा
- कमांडो कमल किशोर (पूर्व सांसद)
- श्री के. कान्याल • श्री मधु सुदन मिश्रा
- राजेश कुमार त्रिपाठी
- मुकुल गुप्ता जी

संपादक : मनोज चतुर्वेदी

पंकज दीक्षित
प्रमुख परामर्शदाता

कानूनी सलाहकार -एडवोकेट रिचा पांडे (सुप्रीमकोर्ट)
- एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता, ग्वालियर हाईकोर्ट , रजत रघुवंशी, एडवोकेट इंदौर हाइकोर्ट
- एडवोकेट एस.के. पाठक, ग्वालियर
- दीपेंद्र कुमार पाण्डेय, एडवोकेट, उच्च न्यायालय

ब्यूरो : अविनाश जाजपुरा (उज्जैन संभाग)

छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौरे

मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)
सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

सलाहकार

- श्री डॉ सुनील शर्मा (नेत्र रोग विशेषज्ञ)
- श्री डॉ. मुकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ.दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
- श्री अनिल दुबे
- श्री विकास चतुर्वेदी
- श्री सुरेश शर्मा
- श्री नारायण गुप्ता
- श्री पीयुष श्रीवास्तव
- श्री पंडित चंद्रशेखर शास्त्री
- श्री बृज मोहन आर्य
- श्री विवेक शर्मा
- श्री आनंद कुमार
- श्रीमती रितु मुदगल
- सुश्री पूजा मावई
- श्री संदीप कुमार पांडेय
- श्री मनोज सिंह
- श्री प्रदीप यादव
- श्री निरंजन शर्मा
- श्री विनीत गोयल
- श्री डॉ. सुधीर राजौरिया हड्डी रोग विशेषज्ञ
- श्री आशीष त्रिवेदी
- श्री डॉक्टर अशोक राजौरिया हेमाटोजिस्ट और बोन नेरो ट्रांसप्लांट एक्सपर्ट
- श्री शरद मंगल (गहना ज्वैलर्स)
- श्री विजय शर्मा
- श्री डॉ. कमल कटारिया
- श्री यशवंत गोयल
- दीपक भार्गव
- श्री अमित जैन इंदौर
- श्री सुरजित परमार
- श्री संजू जादौन
- श्री डॉक्टर हिमांशु डेंटिस्ट
- श्री रागिनी चतुर्वेदी
- प्रवेश चतुर्वेदी
- श्री प्रखर चतुर्वेदी
- श्री प्रवेश चतुर्वेदी
- श्री प्रखर सिंह
- श्री प्रदीप भदौरिया
- श्री डॉ दिव्य दर्शन शर्मा
- श्री कुंज मिहारी शर्मा
- श्री अतेन्द्र सिंह रावत
- श्री विजय महाजन

सह सलाहकार

- श्री विजय महाजन
- श्री महेंद्र सिंह राजपुरोहित (जोधपुर मिष्ठान भंडार),
- श्री आर एन नार्वे (सीनियर ऑडिटर),
- श्री विनीत त्रिपाठी जी. एम. लैंडमार्क एनएक्स,
- श्री अतेंद्र रावत • श्री आर.एन. नार्वे (सीनियर ऑडिटर)
- श्री विनीत त्रिपाठी (जी.एम. लैंडमार्क एन एक्स) मंगला चतुर्वेदी, सोनीष वसिष्ठ,
- श्री महेंद्र सिंह राजपुरोहित (प्रो.जोधपुर मिष्ठान भंडार), रुचि चतुर्वेदी,कमल वर्मा अजय चतुर्वेदी,चंचल शर्मा, अनिल शर्मा

विशेष सह सलाहकार - श्री अतेंद्र सिंह रावत

ब्यूरो राजस्थान
सुभाष सोरल (फ़िल्म निर्माता) कोटा

ब्रजेश जैन साक्षात्कार व्यवस्थापक और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर

मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन

मार्केटिंग मैनेजर
• सुनील • हरशूल

सह मार्केटिंग ब्यूरो ग्वालियर एवं सह संवाद दाता: सुनिता कुशवाह, अर्जना खन्ना, अजय चतुर्वेदी (आशु)

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी ।
(सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

साड़ी में नहीं लगेगी गर्मी, अपनाएं ये टिप्स

समर सीजन में केवल फैब्रिक का लाइटवेट होना ही जरूरी नहीं है, बल्कि आपको लाइटवेट वर्क का चुनाव भी करना चाहिए। खासतौर पर बात जब साड़ी की हो तो और भी ज्यादा आपको सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि वर्क जितना हैवी होगा

यदि आप से कोई रिश्वत मांगता हो या आपके के एरिये में कोई प्रशासनिक समस्या हो तो हमें इस नम्बर पर सम्पर्क करें। आप का नाम गुप्त रखा जाएगा और आप की बात उच्च अधिकारियों तक पहुंचाई जाएगी।
हमारा देश हमारा अभिमान सम्पादक
98266 36922

हमारा देश हमारा अभिमान
मासिक पत्रिका के लिए म.प्र. एवं राजस्थान में संवाददाता नियुक्त करना है। इच्छुक व्यक्ति निम्न नम्बर पर सम्पर्क
हमारा देश हमारा अभिमान सम्पादक
98266 36922

संपादक
मनोज चतुर्वेदी

फिजूल का विवाद

आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस पॉलिसी और ऑपरेशन सिंदूर के बारे में दुनिया को बताने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का सरकार का फैसला विवादों में घिर गया है।

आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस पॉलिसी और ऑपरेशन सिंदूर के बारे में दुनिया को बताने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का सरकार का फैसला जितना सराहनीय है, उतना ही दुर्भाग्यपूर्ण है इसका विवादों में घिर जाना। देश की सुरक्षा और विदेश नीति से जुड़े विषय पर राजनीति किसी के हित में नहीं है।

पाक को घेरने की नीतिः

पहलगाम में आतंकियों की नृशंसता के बावजूद जवाब देते हुए भारत ने जिस तरह संयम बरता, उसकी तारीफ सभी कर रहे हैं। पाकिस्तान की तरफ से उकसावे वाले कदमों के बाद भी भारत की प्रतिक्रिया सधी, सटीक और नियंत्रित रही। हिंदुस्तान ने पाकिस्तान को जवाब ही नहीं दिया, उसकी असलियत भी दुनिया के सामने ला दी है। इस्लामाबाद के बचे हुए सपोर्ट सिस्टम को खत्म करने और भारत की चिंता और स्टैंड से दुनिया को वाकिफ कराने के लिए सरकार की ओर से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों में भेजे जाएंगे।

मकसद पर सवालः ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सभी दलों ने सरकार और सेना के प्रति समर्थन जताया था। सरकार ने भी उसी भावना का सम्मान करते हुए सभी दलों से सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है। लेकिन कांग्रेस के सदस्यों, खासकर सांसद शशि थरूर को लेकर हो रहा विवाद बिल्कुल अनचाहा है। इससे एक अच्छा मकसद नकारात्मक खबरों में घिर गया है।

कहां गई एकजुटताः कांग्रेस ने थरूर का नाम नहीं भेजा था, सरकार ने उन्हें अपनी तरफ से शामिल कर लिया। जिनके नाम कांग्रेस ने दिए थे, उनमें से सिर्फ आनंद शर्मा चुने गए। कांग्रेस का आरोप है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मसले पर BJP ओछी राजनीति कर रही है। वहीं, BJP ने कांग्रेस के भेजे नामों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। यह तस्वीर उससे बिल्कुल अलग है, जब सारे दल आतंकवाद के खिलाफ जंग में एकजुट नजर आ रहे थे।

विवाद नहीं, संवाद चाहिएः थरूर पहले संयुक्त राष्ट्र में काम कर चुके हैं, विदेश राज्य मंत्री रह चुके हैं। उनके अनुभव का फायदा निश्चित रूप से डेलिगेशन को मिलेगा। हालांकि कांग्रेस को लगता है कि उसके सांसद को चुनने से पहले उससे पूछा जाना चाहिए था। इस अपेक्षा को गलत नहीं कहा जा सकता। मगर इसे विवाद का मुद्दा बनाने से बचा जा सकता था। अच्छा होता कि सत्ता पक्ष और विपक्ष सार्वजनिक आरोप-प्रत्यारोप के बजाय सीधे आपस में बात करते।

राजनीति से ऊपरः शशि थरूर और कांग्रेस के रिश्ते पिछले कुछ समय से ठीक नहीं रहे हैं। लेकिन यह एक सांसद और उसकी पार्टी के बीच का मसला है। यहां जो मुद्दा सामने है, वह देश से जुड़ा है। इसमें सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सोचना चाहिए।

पाकिस्तान के आतंकी ढांचे और उसकी टेरर पॉलिसी को दुनिया के सामने लाने के लिए कूटनीतिक प्रयास

डॉ. श्रीमन
नारायण मिश्रा
वरिष्ठ संरक्षक

ऑपरेशन सिंदूर के जरिये पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ढांचों को नष्ट करने के बाद अब समय है इस्लामाबाद की हकीकत और भारत के बदले रुख से दुनिया को वाकिफ कराने का। पाकिस्तान तब तक अपनी हरकतों से बाज नहीं आएगा, जब तक उसे कुछ देशों का समर्थन मिलता रहेगा। इस समर्थन को कूटनीति के जरिये ही खत्म किया जा सकता है।

बदली रणनीतिः

पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने देश को आतंकवाद के खिलाफ अपनी रणनीति बदलने पर मजबूर किया है। अभी तक पाकिस्तान अपनी करतूतों को परमाणु बम की ओट में छिपाता रहा था, लेकिन नई दिल्ली ने साफ चेतावनी दे दी है कि यह धमकी अब नहीं चलेगी। अगर पाकिस्तानी सेना ने आतंकियों की आड़ में भारत में अस्थिरता फैलाने की कोशिश की, तो उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

दुनिया के हक में:

ऑपरेशन सिंदूर आतंक के खिलाफ लड़ाई में भारत का न्यू नॉर्मल है और दुनिया को पता होना चाहिए कि पाकिस्तान की टेरर पॉलिसी के चलते यह नौबत आई है। अपने यहां मौजूद आतंकी ढांचों पर एक्शन तो दूर, पाकिस्तान ने उन्हें हमेशा बचाने की कोशिश की। ये अड्डे हिंदुस्तान और बाकी दुनिया के लिए भी बड़ा खतरा बने हुए थे।

झूठ खुलेगाः

पाकिस्तान ने संघर्ष को भड़काने के लिए खूब झूठ फैलाया। उसका यह चेहरा बेनकाब करने की जरूरत है कि भारत से टक्कर की चाहत में वह अपने नागरिकों को भी ढाल बना लेता है, और नई दिल्ली की लड़ाई आम लोगों से नहीं बल्कि आतंकियों और उनके आकाओं से है। हिंदुस्तान ने सिंधु जल संधि को इसलिए निलंबित किया, क्योंकि एक तो इस ट्रीटी में भारतीय हितों का ख्याल नहीं रखा गया था और दूसरे, पाकिस्तान ने कभी पड़ोसी धर्म नहीं निभाया। पाकिस्तान को पानी पर सहानुभूति बटोरने का मौका नहीं मिलना चाहिए।

चीन पर दबावः

पाकिस्तान बार-बार दुस्साहस इसलिए कर पाता है, क्योंकि उसे चीन और तुर्किये जैसे देशों से मदद मिल जाती है। इस बार भी इन दोनों मुल्कों ने अपने निहित स्वार्थ के चलते पाकिस्तान को सपोर्ट किया। भारत की कूटनीतिक पहल से दोनों देशों पर दबाव पड़ेगा और दूसरे देश भी पड़ोसी मुल्क की सच्चाई से वाकिफ होंगे।

एकजुट है देशः

सरकार ने सातों डेलिगेशन में सभी दलों के प्रतिनिधियों को शामिल किया है। यह दिखाता है कि राजनीतिक मतभेदों को भुलाकर राष्ट्रीय हित के मसले पर पूरा देश एक है - आतंकवाद से लड़ाई में सरकार को सभी का समर्थन हासिल है। भारत की एकजुटता संदेश है और चेतावनी भी कि पाकिस्तान से सीमापार आतंक का सच हम सभी देशों के सामने लाने को प्रतिबद्ध हैं।

कोटा शहर में छात्रों की आत्महत्या के मामलों में वृद्धि पर राजस्थान सरकार को लिया आड़े हाथों

सुप्रीम कोर्ट ने कोटा शहर में छात्रों की आत्महत्या के मामलों में वृद्धि पर राजस्थान सरकार को आड़े हाथों लिया और स्थिति को 'गंभीर' बताया. जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा सख्त लहजे में सरकार से पूछा है कि उसने इस मामले में अब तक क्या किया है. उन्होंने कहा कि सिर्फ पांच महीने में 14 छात्रों ने सुसाइड कर लिया और एक ही शहर में. कोर्ट ने चेतावनी दी है कि इसको हल्के में न लें, कोर्ट सख्त रुख भी अपना सकता है. कोर्ट ने इस बात पर भी नाराजगी जताई है कि आईआईटी खड़गपुर के एक छात्र के सुसाइड केस में चार दिन बाद एफआईआर फाइल की गई. जस्टिस पारदीवाला ने राजस्थान राज्य का पक्ष रख रहे वकील से पूछा, 'आप एक राज्य के रूप में क्या कर रहे हैं? ये बच्चे आत्महत्या क्यों कर रहे हैं और केवल कोटा में ही क्यों? क्या आपने एक राज्य के रूप में इस पर विचार नहीं किया?' वकील ने कहा कि आत्महत्या के मामलों की जांच के लिए राज्य में एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया था. सुप्रीम कोर्ट आईआईटी, खड़गपुर में पढ़ने वाले 22 वर्षीय छात्र की मौत के मामले की सुनवाई कर रहा था. छात्र 4 मई को अपने छात्रावास के कमरे में फांसी के फंदे पर लटका हुआ पाया गया था. कोर्ट एक अन्य मामले से भी निपट रहा है, जिसमें नीट परीक्षा की अभ्यर्थी एक लड़की कोटा में अपने कमरे में मृत मिली

थी, जहां वह अपने माता-पिता के साथ रहती थी.

बेंच को पता चला कि आईआईटी खड़गपुर के छात्र की मौत के संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी. सुप्रीम कोर्ट ने 8 मई को दर्ज की गई एफआईआर में चार दिन की देरी पर सवाल उठाया. कोर्ट ने कहा कि इन बातों को हल्के में न लें. ये बहुत गंभीर बातें हैं. बेंच ने सुप्रीम कोर्ट के 24 मार्च के फैसले का हवाला दिया, जिसमें उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या के बार-बार सामने आने वाले मामलों पर ध्यान दिया गया था और छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एक राष्ट्रीय कार्य बल का गठन किया गया था.

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि फैसले के अनुरूप ऐसे मामलों में प्राथमिकी का तुरंत दायर किया जाना आवश्यक है. बेंच ने कोर्ट में मौजूद संबंधित पुलिस अधिकारी से पूछा, 'आपको प्राथमिकी दर्ज करने में चार दिन क्यों लगे?' अधिकारी ने कहा कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच चल रही है.

पीठ ने उनसे कहा, 'आप कानून के अनुसार जांच जारी रखें.' यह बात रिकॉर्ड में आई कि आईआईटी खड़गपुर के अधिकारियों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद आत्महत्या के बारे में उसे पता चला. हालांकि, पीठ आईआईटी खड़गपुर के वकील और पुलिस अधिकारी के स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं थी.

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'हम इस मामले में बहुत सख्त रुख अपना सकते थे.' पीठ ने कहा कि जांच सही दिशा में तेजी से की जानी चाहिए. कोटा आत्महत्या मामले में पीठ ने प्राथमिकी दर्ज न करने को गलत ठहराया. राज्य के वकील ने कहा कि मामले की जांच जारी है और एसआईटी को राज्य में आत्महत्या के मामलों की जानकारी है. पीठ ने वकील से पूछा, 'कोटा में अब तक कितने छात्रों की मौत हुई है?' वकील ने बताया कि 14 मौतें हुईं तो कोर्ट ने कहा, 'ये छात्र क्यों मर रहे हैं?'

बेंच ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित कार्य बल को समग्र रिपोर्ट देने में समय लगेगा. पीठ ने राजस्थान के वकील से पूछा, 'आप हमारे फैसले की अवमानना कर रहे हैं. आपने प्राथमिकी क्यों दर्ज नहीं की?' पीठ ने कहा कि छात्रा संस्थान के आवास में नहीं रह रही थी. उसने नवंबर 2024 में यह छोड़ दिया और अपने माता-पिता के साथ रहने लगी. पीठ ने कोटा मामले में संबंधित पुलिस अधिकारी को 14 जुलाई को स्थिति स्पष्ट करने के लिए तलब किया है.

यूपी में 27 डिप्टी एसपी के तबादले

यूपी में शुक्रवार को 27 डिप्टी एसपी के तबादले हुए हैं। इनमें भ्रष्टाचार में दोषी रहीं दीपशिखा अहिबरन का नाम भी शामिल है। उनका गोंडा से इटावा ट्रांसफर किया गया है। वहीं, मुख्यमंत्री सुरक्षा में तैनात अशोक कुमार सिंह चतुर्थ को मुरादाबाद में पुलिस उपाधीक्षक के पद पर भेजा गया है। वे ढाई साल से मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात थे। इसके अलावा लखनऊ जोन के एडीजी एसबी शिरडकर के स्टाफ आफिसर राकेश प्रताप सिंह को कुशीनगर भेजा गया है। देवेन्द्र सिंह को कानपुर देहात से सुलतानपुर, अमित कुमार पाण्डेय को सहायक पुलिस आयुक्त (सुरक्षा) वाराणसी से पीटीएस, जालौन भेजा गया है। इन पुलिस अधिकारियों में ज्यादातर उनका नाम है, जिनका ट्रांसफर उनके अनुरोध पर किया गया है। इससे पहले गुरुवार शाम को भी 25 डिप्टी एसपी के ट्रांसफर किए गए थे। दीपशिखा अहिबरन मूल रूप से मैनपुरी जिले की रहने वाली हैं। वह 2017 बैच की पीपीएस अधिकारी हैं। बरेली में मीरगंज सीओ रहते हुए दीपशिखा पर ईंट भट्ठे के मालिक से 2 लाख की रिश्वत मांगने का आरोप लगा था।

पीड़ित ने कहा था, सीओ ने मुझसे पैसों की मांग की थी। मेरे मना करने पर उन्होंने कहा था कि कोर्ट में तो तुम्हें चार लाख की फीस देनी होगी, मैं तो तुमसे 2 लाख ही मांग रही हूं। इसके बाद दीपशिखा ने एक ट्रैक्टर और एक जेसीबी को सीज कर दिया था। एसएसपी ऑफिस में पीड़ित के बयान लिए गए। पूरे मामले की जांच में सीओ दीपशिखा का भी बयान दर्ज किया गया

बिहार की राजधानी पटना के सरकारी अस्पताल नालंदा मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एनएमसीएच) में चूहे ने मरीज़ के पैर की उंगलियों को कुतरा

बिहार की राजधानी पटना के सरकारी अस्पताल नालंदा मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एनएमसीएच) का एक मामला सामने आया है, जिसमें एक मरीज़ के पांव की उंगलियों को चूहों ने कुतर लिया. 55 साल के अवधेश प्रसाद नालंदा के रहने वाले हैं और वो दिल्ली में रहकर मज़दूरी किया करते थे. अवधेश मधुमेह के मरीज़ हैं और अपने टूटे हुए दाएं पांव का इलाज कराने वो पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल आए थे. इस घटना के बाद उनकी कुतरी हुई उंगलियों का भी इलाज हो रहा है और रोज़ाना इनकी ड्रेसिंग की जा रही है. पटना के अगमकुआं इलाक़े में स्थित एनएमसीएच के हड्डी वार्ड में भर्ती अवधेश प्रसाद की पहचान इस आधार पर होने लगी है कि उनके पांव की उंगलियों को चूहे ने कुतर लिया है.क़रीब चार साल पहले अवधेश को बाएं पांव में घाव हो गया था, जिसकी वजह से उनका बायां पांव काटना पड़ा था.अवधेश प्रसाद ने बीबीसी हिंदी को बताया, "17 मई की रात मुझे बुख़ार था जिसके बाद मुझे पानी चढ़ाया गया. दो बजे रात तक मेरा बुख़ार उतर गया. उसके बाद हम सो गए, लेकिन अचानक मुझे महसूस हुआ कि मेरे सीने पर कुछ चढ़ा है. मैंने देखा तो वो चूहा था. मेरा पांव और बिस्तर खून से लथपथ था. मैंने बगल में अपनी बीबी को उठाया तो वो रोने लगी. मैं भी उसके साथ रोने लगा. बाद में हम लोगों ने डॉक्टर को बताया तो उन्होंने दवा देकर ड्रेसिंग की."अवधेश प्रसाद की पत्नी शीला देवी बताती हैं, "हम इनका टूटा पैर ठीक कराने आए थे. ऑपरेशन को पंद्रह दिन हो गए हैं. एक पैर कटने के बाद ये विकलांग हो

गए हैं और कोई काम नहीं कर पाते. सरकार को हम लोगों की मदद करनी चाहिए." रश्मि प्रसाद ने बताया, "हम लोगों ने इस घटना पर तुरंत एक्शन लेते हुए जांच कमिटी गठित की. मीटिंग के बाद जो भी जाली, नाला खुला है, उसको ठीक करने का आदेश दिया है. यानी पेस्ट कंट्रोल करवाया जा रहा है. इसके अलावा साफ़ सफ़ाई से जुड़े संबंधित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है." क्या चूहे की वजह से ये घटना घटी, इस सवाल पर रश्मि प्रसाद स्पष्ट जवाब नहीं देती हैं. वो कहती हैं, "चूहे तो सभी जगह हैं. अस्पताल में मरीज़ और उनके परिजन यहां वहां खाना गिराते रहते हैं, इससे चूहे आकर्षित होते हैं. हालांकि ये घटना चूहे के चलते हुई है या नहीं हुई है, मैं इसे सौ फ़ीसदी कंफ़र्म नहीं कर सकती." लेकिन हड्डी रोग विभाग के एक सीनियर डॉक्टर ने बीबीसी से इस बात की तस्दीक की है कि मरीज़ के पांव की उंगलियां चूहे ने कुतर दी हैं. वो कहते हैं, "मरीज़ के पांव में पट्टी बंधी हुई थी. भला पट्टी खोलकर उंगली कौन काटेगा. फ़िर चूहे सभी जगह दौड़ते रहते हैं. कोई ऐसी जगह नहीं है जहां चूहे नहीं है. ऐसे में मरीज़ के दावे पर संदेह की कोई वजह नहीं दिखती." चूहे के कुतरने के बाद मरीज़ ने पांव की जो तस्वीर देखी उसमें उनके दाएं पांव के अंगूठे सहित सभी उंगलियों का एक तरफ़ का हिस्सा लहूलुहान नज़र आया ऐसे में ये सवाल ये भी है कि आख़िर जब चूहे ने मरीज़ का पांव कुतरना शुरू किया तो उन्हें मालूम क्यों नहीं चला? दरअसल अवधेश प्रसाद डायबिटिक न्यूरोपैथी से ग्रसित है.

ग्वालियर के 7 उप स्वास्थ्य एवं 1 प्रा. स्वा.केन्द्र को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों (एनक्यूएएस) में प्रमाणन मिला

इस उपलब्धि पर सीएमएचओ ने दी सभी अधिकारी/कर्मचारियों को बधाई

ग्वालियर - ग्वालियर कलेक्टर श्रीमती रुचिका सिंह चौहान के निर्देशन में ग्वालियर जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक बेहतर बनाया जा रहा है, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला ग्वालियर डॉक्टर सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों (एनक्यूएएस) प्रमाणन के तहत राष्ट्रीय स्तर के बाह्य मूल्यांकन के लिए जिले 7 उप स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 1 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को लिया गया था जिनकी स्वास्थ्य सेवाओं की सुविधाओं का एनएचएसआरसी के पैनल में शामिल एनक्यूएएस मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा बाह्य मूल्यांकन किया गया। मूल्यांकन में उपर्युक्त सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं को एनक्यूएएस कार्यक्रम के तहत गुणवत्ता प्रमाणन प्रदान किया गया है। ग्वालियर जिले के जिन उप स्वास्थ्य केन्द्रों ने 7 एवं 1 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को अनिवार्य सेवा पैकेज सभी मानदंड पूरे किए एवं राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों (एनक्यूएएस) प्रमाणन कर जो अंक दिए गये है वे निम्नानुसार हैं। 1-उप स्वास्थ्य केंद्र -तिघरा कुल अंक 89.23 यहां के सीएचओ डॉक्टर सतीश शर्मा। 2-उप स्वास्थ्य केंद्र - सिरसा न्यू कुल अंक 82.32 सीएचओ कुलदीप कुमार । 3-उप स्वास्थ्य केंद्र - ओडपुरा कुल अंक 86.99 यहां के सीएचओ डॉ.सपना परिहार । 4-उप स्वास्थ्य केंद्र -घाटीगाव कुल अंक 86.99 यहां के सीएचओ श्रीमती पूजा वर्मा। 5-उप स्वास्थ्य केंद्र -आरोन कुल अंक 84.35 यहां के सीएचओ कौशिक कुमार। 6-उप स्वास्थ्य केंद्र - रेहट कुल अंक 89.84 यहां के सीएचओ श्रीमती साक्षी सिंह। 7-उप स्वास्थ्य केंद्र - बरूआ कुल अंक 85.67 यहां के सीएचओ मनीष राठौर। 8-प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र - बिलौआ कुल अंक 90.98 यहां के चिकित्सा अधिकारी डॉ.भवानी सिंह। शासन द्वारा ग्वालियर के 14 उप स्वास्थ्य केन्द्रों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों (एनक्यूएएस) प्रमाणन के लिए लिया था जिसमें से 7 के परिणाम आ चुके हैं और पूरे 7 मानकों में पास हुये हैं अभी 7 के परिणाम शेष हैं, एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मिला था जो की परिणाम उपरांत पास हुआ है। अब ग्वालियर के यह सभी उप स्वास्थ्य केंद्र बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए जाने जायेंगे, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला ग्वालियर डॉक्टर सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि इस सभी उप स्वास्थ्य केन्द्र कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि भविष्य में भी इसी तरह की व्यवस्थाएं बनीं रहे एवं आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलती रहें यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों (एन.क्यू.ए.एस.) प्रमाणन के कार्य जी-जान से लगे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी ।

झालावाड़ में मां समेत जिंदा जले दो मासूम

झालावाड़ कमरे में आग लगने से महिला और उसके दो बच्चों की मौत हो गई। घटना से थोड़ी देर पहले ही महिला ने पुलिस कंट्रोल रूप में पति और ससुर के लड़ाई झगड़े की सूचना दी थी। इस पर मौके पर पहुंची पुलिस महिला के पति को थाने लेकर आ गई। मामला झालावाड़ के कामखेड़ा थाना क्षेत्र के सरेड़ी गांव का है। कामखेड़ा थाना अधिकारी सुनील वर्मा ने बताया-घटना गुरुवार रात 12 बजे की है। जहां सूचना मिली कि सरेड़ी गांव में अनिल साहू के मकान में एक कमरे में आग लग गई है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल अनिल साहू की पत्नी रंजीता (35) और उसके बेटे स्वास्तिक (4) और बेटी सानवी (2) को घायल हालत में अकलेरा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। थाना अधिकारी ने बताया-गुरुवार रात को 11 बजे रंजीता की ओर से पुलिस को सूचना दी गई कि घर में उसका पति अनिल और ससुर गाली गलौज कर झगड़ा कर रहे हैं। इस पर पुलिस मौके पर पहुंची और अनिल को शांति भंग में पकड़कर थाने लेकर आ गई। पुलिस ने बताया-मामले को लेकर रंजीता के पिता घनश्याम निवासी इंदौर ने थाने में रिपोर्ट दी है। जिसमें बताया कि गुरुवार रात को बेटी और उसके दोनों बच्चे कमरे में सो रहे थे। इस दौरान स्विच बोर्ड में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई।

बीजेपी विधायक कंवरलाल की विधायकी खत्म

एसडीएम पर पिस्टल तानने के मामले में 3 साल की सजा पाने वाले बीजेपी विधायक कंवरलाल मीणा की सदस्यता खत्म कर दी गई है। विधानसभा ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। अंता सीट पर उपचुनाव होंगे या नहीं, यह सुप्रीम कोर्ट में कंवरलाल द्वारा लगाई गई रिव्यू पिटीशन पर फैसले के बाद तय होगा। कंवरलाल की विधायकी 1 मई से खत्म मानी जाएगी। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कंवरलाल की विधायकी के बारे में फैसला करने को लेकर राज्य के महाधिवक्ता और सीनियर वकीलों से कानूनी राय मांगी थी। आज ही महाधिवक्ता ने कानूनी राय भेजी थी, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा गया था कि फिलहाल विधायकी खत्म करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। बताया जाता है कि स्पीकर को एजी और सीनियर वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिलने पर कंवरलाल की विधायकी खत्म करने के बारे में ही राय दी है। दो दिन पहले कोर्ट में सरेंडर किया था, कंवरलाल जेल में कंवरलाल मीणा ने सुप्रीम कोर्ट में सजा स्थगित करने की याचिका लगाई थी, जो खारिज हो गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने दो सप्ताह में सरेंडर करने को कहा था। सुप्रीम कोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद 21 मई को कंवरलाल ने अकलेरा कोर्ट में सरेंडर कर दिया, जिसके बाद उन्हें जेल भेज दिया। कंवरलाल अभी जेल में हैं।

सजा पर रोक नहीं लगने से विधायकी खत्म करने के अलावा विकल्प नहीं

विधानसभा सचिवालय ने कंवरलाल को नोटिस जारी कर 7 मई तक जवाब मांगा था। इसमें सजा पर रोक के लिए सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत मिली या नहीं, इस पर जवाब देना था। कंवरलाल की सजा सुप्रीम कोर्ट ने भी स्थगित नहीं की, इसलिए अब स्पीकर के पास विधायकी खत्म करने पर फैसला करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। विधानसभा में अब 199 विधायक हैं। अंता सीट खाली हो गई है।

डोटासरा बोले- आखिर में जीत सत्य की हुई

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने लिखा- कोर्ट के आदेश के 23 दिन बाद भी भाजपा के सजायाफ्ता विधायक कंवरलाल मीणा की सदस्यता विधानसभा अध्यक्ष द्वारा रद्द नहीं की गई। उन्होंने एक अभियुक्त को बचाने के लिए न सिर्फ पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया बल्कि संवैधानिक प्रावधानों एवं कोर्ट के आदेश की अवहेलना की, लेकिन अंततः जीत सत्य की हुई।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा- आज सत्य की जीत हुई है। संविधान की जीत हुई है। जिस संविधान की पालना पहले ही दिन हो जानी चाहिए, इसकी पालना करते-करते इन लोगों ने 23 दिन लगा दिए। कानून के अनुसार जब किसी जनप्रतिनिधि को दो साल या उससे अधिक की सजा होती है, तो उसकी सदस्यता स्वतः समाप्त मानी जानी चाहिए। हालांकि राजस्थान में भाजपा विधायक कंवरलाल को तीन साल की सजा होने के बाद भी कोर्ट के आदेश के 23 दिन बाद तक, विधानसभा अध्यक्ष की ओर से सदस्यता रद्द नहीं की गई। यह न केवल संविधान की अवहेलना थी, बल्कि न्याय व्यवस्था का खुला अपमान भी। कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने राज्यपाल और विधानसभा अध्यक्ष को बार-बार ज्ञापन सौंपे, लेकिन भाजपा सरकार ने टालमटोल की नीति अपनाई। यह लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों और संवैधानिक व्यवस्था के विरुद्ध था। आखिरकार आज सत्य की जीत हुई है। कंवरलाल की सदस्यता रद्द कर दी गई।

ग्वालियर स्वास्थ विभाग में आशा भर्ती अनियमितता की आला अधिकारीयो द्वारा कलेक्टर महोदय के संज्ञान के तीन माह बाद भी जांच नहीं हुई पूरी

ग्वालियर के ब्लॉक डबरा के सिविल अस्पताल में आशा भर्ती अनियमितता की तीन माह बाद भी नहीं हुई जांच पूरी न ही संबंधित कर्मचारी प्रभारी बीसीएम पर कोई कार्यवाही । जिला ग्वालियर के स्वास्थ्य विभाग में अनियमितताओं का दौर चल रहा है। जिसको कोई देख भी नहीं रहा है आला अधिकारी बने बैठे है धृतराष्ट्र। सिविल अस्पताल डबरा में वर्तमान प्रभारी बीसीएम अभी आशा नियुक्ति की जांच कलेक्टर महोदय द्वारा प्रस्तावित होने के तीन माह बाद भी नहीं हुई कार्यवाही । एवं अपात्र आशा कार्यकर्ता को किया जा रहा है लगातार भुगतान के संबंधित खबर भी मासिक पत्रिका हमारा देश हमारा अभिमान के संवादाता द्वारा पूर्व में प्रकाशित की जा चुकी है । अभी तक जांच पूरी भी नहीं हुई एवं आला अधिकारीयो के संरक्षण प्राप्त होने के कारण वर्षों से नियम विरुद्ध अटैचमेंट कर प्रभारी बीसीएम का कार्य कराया जा रहा है। जबकि पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता उप स्वास्थ्य केंद्र सिमरियातल में मूल पद स्थापना हैं। जबकि ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं की स्थिति लाचार हैं। फिर भी प्रभारी बीसीएम अधिकारियों की कृपा पत्र बनकर अपने मूल पद का कार्य वर्षों से न करते हुए प्रभारी बीसीएम का कार्य कर रहे। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है। की कही न कहीं कुछ तो है। श्रीमान मुख्य मंत्री महोदय के तत्कालीन आदेश मुख्यालय पर सार्थक एप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश की धज्जियां उड़ाई जा रही है।एवं अटैचमेंट के द्वारा मूल पद का वेतनमान लेकर निम्न वेतन का कार्य किया जा रहा है। जिसमें आला अधिकारीयो के साथ साथ कहीं न कहीं जिला कम्युनिटी मोबाइलाइजर डी सी एम की भी संलिप्तता दर्शाती हैं। कही कुछ बढ़ा घोटाले के और इशारा करता है। क्योंकि तीन माह बाद भी जांच पूरी नहीं करने से स्पष्ट है कि प्रयासरत है प्रभारी बीसीएम को बचाने में आला अधिकारी । विशेष जानकारी अनुसार भर्ती संबंधित उपलब्ध नहीं है रिकॉर्ड । क्यों की जब तक जांच होगी तब तक प्रभारी बीसीएम हो चुके होंगे रिटायर्ड फिर किस पर होगी कार्यवाही। आशा कार्यकर्ता भर्ती अनियमितता की कार्यवाही व अपात्र आशाओं को भुगतान कर शासन को लाखों की हानि पहुंचा ने वाले से हो सकेगी वसूली । क्या मिलने वाली पेंशन से करेंगे वसूली। हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका के मध्यम से अनियमितताओं के खिलाफ जांच स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से n कराई जा के अन्य विभाग के अधिकारियों से कराई कहा कर कार्यवाही होने तक सच्चाई की आवाज उठती ही रहेगी। जब तक स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों की कुंभकर्णी नींद खुलने तक कानों तक आवाज अवश्य पहुंचा ते रहने की कोशिश जारी रहेगी। न्याय तो होके रहेगा। क्रमश .....

कलेक्टर पहुंचीं सीएमएचओ कार्यालय, नर्सिंग होम, आयुष्मान आदि की,की समीक्षा

कोविड-19 की तैयारियों को लेकर की चर्चा, प्रायवेट एवं शासकीय एम्बुलेंस के सम्बन्ध में भी की चर्चा

ग्वालियर - रविवार दिनांक 25.05.2025 को अचानक ग्वालियर कलेक्टर श्रीमती रुचिका सिंह चौहान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय पहुंची , उन्होंने अस्पतालों/ नर्सिंग होमों में बीएमडब्ल्यू (बायो मेडिकल वेस्ट) का निस्तारण किस तरह से किया जा रहा है यह जानकारी रखी जाये,उन्होंने कहा कि जो कम्पनी बीएमडब्ल्यू (अस्पताल का कचरा) उठाती है उससे हर 15 दिन में जानकारी ली जाये ,साथ ही नर्सिंग होमो से भी ओपीडी एवं इंडोर मरीज की जानकारी ली जाये, उन्होंने कहा कि 5 जून तक सभी नर्सिंग होम की जियो टैगिंग की जाये, उन्होंने कहा कि अस्पताल/ नर्सिंग होम का कोई डॉक्टर नर्सिंग होम छोड़कर जाता है तो उसकी एंट्री पोर्टल पर अनीवार्य रुप से की जाये, सभी अस्पताल/नर्सिंग होम फायर सेफ्टी एनओसी एवं इलेक्ट्रिक ओडिट रिपोर्ट के सम्बन्ध में सीएमएचओ डॉ. सचिन श्रीवास्तव को निर्देश दिए कि जिन नर्सिंग होम की फायर सेफ्टी एनओसी एवं इलेक्ट्रिक प्रमाण अभी तक नहीं आई है उनसे 5 दिन में जमा करायें साथ ही उन्होंने कहा कि अस्पतालों का स्पेसीफिकेशन हो जो अस्पताल जनरल हैं और जो स्पेशलिटी हैं उनकी जानकारी अलग -अलग रखी जाये, डॉक्टर एवं स्टाफ की जानकारी फिजीकली एवं पोर्टल के माध्यम से ली जाये। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सचिन श्रीवास्तव से कहा कि अभी कोविड-19 की संभावना को देखते हुए अभी से ऑक्सीजन बेड संख्या वेंटीलेटर दवाएं आदि की व्यवस्था का प्लान तैयार रखें साथ ही 108 एंबुलेंस एवं प्रायवेट एम्बुलेंस के सम्बन्ध में भी निर्देश दिए, उन्होंने कहा कि 108 एम्बुलेंसों के कर्मचारियों का ईपीएफ कट रहा है कि नहीं यह देखा जाये एवं श्रम विभाग के नियमों का पालन हो रहा है कि नहीं ,108 के सभी

कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण 15 दिवस में कराने के निर्देश दिए।

आयुष्मान योजनाः- आयुष्मान निरामयम योजना के सम्बन्ध में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी आयुष्मान अस्पताल यह सुनिश्चित करें कि जिस बीमारी का उन्होंने आयुष्मान में पंजीयन कराया है वह अपने अस्पताल के सामने फिलैक्स 4 x6 वर्गफीट का बैनर मय फ्रेमिंग के लगायें जिसमें बीमारियों के नाम लिखे हों जिससे मरीज परेशान न हों , साथ ही यह सुनिश्चित करें । समीक्षा के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सचिन श्रीवास्तव के अलावा अन्य स्वास्थ्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।

नगर परिषद कार्यालय शाढौरा का किया निरीक्षण

अशोक नगर कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने बुधवार को तहसील शाढौरा क्षेत्र के भ्रमण के दौरान नगर परिषद शाढौरा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सब इंजीनियर से शहर की साफ सफाई,पेयजल व्यवस्था,पीएम आवास,संबल योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को दिये जाने वाले लाभ के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने सफाई दरोगा को निर्देशित किया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्रातः07 बजे साफ सफाई कराना सुनिश्चित करें। जिससे इलाज हेतु मरीजों को स्वास्थ्य केन्द्र में बेहतर साफ सफाई मिल सके। इस दौरान उन्होंने नगरपालिका अध्यक्ष से क्षेत्र की समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने शहर के तीन मुख्य मार्ग के चौडीकरण एवं पुलियों के निर्माण कार्य में संबंधित एजेंसी द्वारा शीघ्र कार्य कराये जाने की बात कही। इस पर कलेक्टर ने सब इंजीनियर को आवश्यक कार्यवाही कर निर्माण कार्य कराये जाने के निर्देश दिये। शहर में पेयजल की सप्लाई एक दिन छोडकर की जा रही है। इस संबंध में कलेक्टर ने विशेष जानकारी लेकर पानी की सप्लाई हेतु निर्देशित किया।

कलेक्टर ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शाढौरा का निरीक्षण

अशोक नगर कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने बुधवार को तहसील शाढौरा के भ्रमण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्र के विभिन्न वार्डो में पहुंचकर व्यवस्थाओं को देखा। इस दौरान उन्होंने मरीजों से चर्चा कर स्वास्थ्य सुविधा एवं परामर्श के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में पर्याप्त साफ-सफाई रखे जाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि अस्पताल में चिकित्सक समय पर उपस्थित होकर मरीजों को समुचित स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। अनुपस्थित बीएमओ को कारण बताओं सूचना पत्र दिये जाने के निर्देश निरीक्षण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शाढौरा के बीएमओं जयकृत सिंह राजपूत अनुपस्थित मिले। इस पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कारण बताओं सूचना पत्र जारी किये जाने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी कक्ष,दवा वितरण केन्द्र,एएनसी वार्ड,एनआरसी,प्रसूती वार्ड,ड्रेसिंग रूम,लेब का निरीक्षण किया । साथ ही उन्होंने उपस्थित डॉ. नीलेश माहौर से स्वास्थ्य केन्द्र में पेयजल,लेब की ऑनलाईन रिपोर्ट,रोगी कल्याण समितियों की बैठकों के आयोजन संबंध में जानकारी ली।

वरिष्ठ समाज सेवी एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री केशव पांडे जी से हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका के संपादक मनोज चतुर्वेदी से की विशेष चर्चा साथ ही हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका के वरिष्ठ संरक्षक मंडल मै शामिल होने की स्वीकृति प्रदान की।

कविता

अतेंद्र रावत

मन से मन का मेल मिले
बस दोस्त वही बन जाता है..

उम्र का ना हो कोई बंधन
बस साथ उसी का भाता है..

जीवन की हर मुश्किल में
जो भी साथ निभाता है,
बस दोस्त वही बन जाता है...

खुशियों में जो शामिल हो,
गम में भी साथ निभाता है,
बस दोस्त वही बन जाता है...

बिन बोले जो सब कुछ समझे
आंखों के पानी को समझे,
बस दोस्त वही बन जाता है..

जीवन की डगर को आसान बना दे
चेहरे पे मुस्कान को ला दे,
बस दोस्त वही बन जाता है....

राजीव समाधिया एस डी एम घाटीगांव ग्वालियर

कलेक्टर ने किया ग्राम पंचायत दियाधरी एवं सिजावट का निरीक्षण

अशोक नगर कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने बुधवार को भ्रमण के दौरान जनपद पंचायत अशोकनगर की ग्राम पंचायत दियाधरी एवं सिजावट का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत भवन दियाधरी एवं सिजावट बंद मिला। साथ ही ग्राम पंचायत भवन सिजावट की कई वर्षो से साफ-सफाई नही की गई। साथ ही पंचायत भवन में किसी भी प्रकार का रिकार्ड संधारित नही मिला । पंचायत भवन में स्कूली पुस्तकें अनावश्यक रूप से पाई गई। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत सिजावट के सरपंच नीरज प्रजापति के विरूद्ध पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 40 के तहत कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिए गए।

साथ ही सचिव मुंशीलाल यादव एवं रोजगार

ग्वालियर को प्रयागराज के लिए मिली नई ट्रेन

प्रयागराज-झांसी एक्सप्रेस अब ग्वालियर तक चलेगी

ग्वालियर झांसी तक चलने वाली प्रयागराज-झांसी एक्सप्रेस को अब ग्वालियर तक बढ़ा दिया गया है। यह ट्रेन ग्वालियर से पहली बार मंगलवार, 27 मई को सुबह 5 बजे रवाना हुई। ग्वालियर रेलवे स्टेशन से सांसद भारत सिंह कुशवाह ने इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन शाम 6:30 बजे प्रयागराज पहुंचेगी। वहीं, प्रयागराज से सुबह चलने वाली यह ट्रेन रात 9 बजे ग्वालियर पहुंचेगी। यह सेवा ग्वालियर-चंबल अंचल से प्रयागराज जाने-आने वाले यात्रियों के लिए काफी उपयोगी साबित होगी।

सांसद, जिलाध्यक्ष ने दिखाई हरी झंडी

ग्वालियर को एक नई ट्रेन- वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-प्रयागराज एक्सप्रेस की सौगात मिलने मिली है। मंगलवार सुबह 5 बजे ग्वालियर रेलवे स्टेशन से यह ट्रेन प्रयागराज के लिए रवाना हुई, जिसे सांसद भारत सिंह कुशवाह, भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया और अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

ग्वालियर से सुबह 6.05 बजे होगी रवानगी

प्रयागराज-झांसी एक्सप्रेस प्रयागराज से गाड़ी संख्या 11802 की रवानगी पहले की तरह सुबह 6.05 बजे ही होगी, जो वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन पर शाम 5:15 बजे पहुचेंगी। झांसी में दस मिनट के ठहराव के बाद यह ट्रेन ग्वालियर के लिए प्रस्थान करेगी, जो दतिया, सोनागिर और डबरा रुकते हुए रात 9 बजे ग्वालियर पहुंच जाएगी। इस ट्रेन के जरिए डबरा, दतिया और सोनागिर के यात्रियों को भी एक ट्रेन की सुविधा मिलने जा रही है।

ग्वालियर से सुबह 5 बजे होगी रवानगी

गाड़ी संख्या 11801 ग्वालियर से सुबह 5 बजे रवाना होगी। यह झांसी में सुबह 7:35 बजे पहुंचेगी और फिर शाम 6:30 बजे प्रयागराज जंक्शन पहुंचेगी। पहले दिन इस ट्रेन को बैंड-बाजों के साथ विशेष रूप से रवाना किया जाएगा। इसके लिए ग्वालियर स्टेशन पर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

कोच की संख्या बढ़ीः अब होंगे 18 कोच

पहले इस ट्रेन में 14 कोच हुआ करते थे, लेकिन ग्वालियर तक विस्तार होने के बाद अब इसमें कुल 18 कोच होंगे। उत्तर मध्य रेलवे की जनसंपर्क अधिकारी रागिनी सिंह के अनुसार, इनमें 13 कोच सामान्य श्रेणी के होंगे, जबकि स्लीपर और एसएलआर श्रेणी के दो-दो कोच और एक एसी थर्ड श्रेणी का कोच शामिल रहेगा।

कनेक्टिविटी बढ़ने से रोजगार और व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

इस ट्रेन विस्तार का उद्देश्य क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाना और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना है। ग्वालियर तक ट्रेन विस्तार से न केवल व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार और अन्य अवसरों तक पहुंचने में भी सहायता मिलेगी। उत्तर मध्य रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे नई समय-सारिणी की जानकारी रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या स्टेशन हेल्पलाइन से प्राप्त करें।

पिपरौआ निवासी सत्यवती को मिला जमीन का कब्जा मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति जताया आभार

जिले के ग्राम पिपरौआ निवासी श्रीमती सत्यवती को अपनी जमीन का कब्जा मिल गया है। इसके लिये उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया है। कलेक्टर श्रीमती चौहान के निर्देश पर राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुँचकर सत्यवती को विधिवत कब्जा दिलाया। ग्वालियर जिले के ग्राम पिपरौआ निवासी श्रीमती सत्यवती ने कलेक्टर श्रीमती चौहान से भेंट कर फरियाद की थी कि जमीन का कब्जा न मिलने से मुझे काफी परेशानी हो रही है। इस पर कलेक्टर श्रीमती चौहान ने चीनौर तहसीलदार को मौके पर जाकर कब्जा दिलाने के निर्देश दिए। उनके निर्देश पर शुक्रवार को राजस्व टीम पिपरौआ पहुँची और जमीन की नपाई कराई। साथ ही पंचनामा बनाकर सत्यवती की जमीन का कब्जा दिलाया। जमीन का कब्जा मिला तो सत्यवती भावुक हो गईं और सरकार को दुआएँ देतीं अपने घर गईं। शुक्रवार को चीनौर तहसील कार्यालय के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने किसानों की समस्यायें सुनीं और उनकी समस्याओं का मौके पर ही निराकरण कराया। कलेक्टर के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुँची और पक्षकारों की मौजूदगी में समस्याओं का समाधान कराया।

सौर ऊर्जा की जानकारी जन-जन तक पहुँचाना होगी – संभागीय आयुक्त श्री खत्री

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में जन भागीदारी और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री की अध्यक्षता में आयोजित हुई। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में जनभागीदारी बढ़ाने और इसकी जानकारी जन-जन तक पहुँचाने के लिये अभियान के रूप में कार्य करने की बात कही गई। संभागीय आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में राज्य समन्वयक श्रीमती नेहा सिंह सहित ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर प्रतिनिधि, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधकारी जिला पंचायत, लोक निर्माण विभाग, कृषि विभाग, अग्रणी बैंक प्रबंधक, उद्योग विभाग के प्रतिनिधि, नगर निगम के अधिकारीगण के साथ ही उपस्थित थे। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा सौर ऊर्जा के क्षेत्र में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से विशेष कार्य किए जा रहे हैं। सौर ऊर्जा के लिये शासन द्वारा संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी जन-जन तक पहुँचाना जरूरी है। इसके लिये सभी विभागीय अधिकारी अपने-अपने कार्य क्षेत्र में इसकी जानकारी अधिक से अधिक लोगों को दें। उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसियों के माध्यम से भी निर्माण कार्यों की शुरूआत में भी सौर ऊर्जा के कार्य को भी शामिल किया जाना चाहिए।

संभागीय आयुक्त श्री खत्री ने कहा कि प्रदेश भर में विभिन्न निर्माण एजेंसियों के माध्यम से किए जाने वाले निर्माण कार्यों की कार्ययोजना में ही सौर ऊर्जा को अनिवार्य किया जाए। इसके लिये शासन स्तर पर प्रयास किए जाना चाहिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने विभाग में सौर ऊर्जा को प्राथमिकता से लागू कराने के प्रयास करें। इसके साथ ही केन्द्र सरकार द्वारा संचालित पीएम कुसुम योजना एवं सूर्य घर योजना की जानकारी भी जन-जन तक पहुँचाकर इसका व्यापक क्रियान्वयन किया जाना चाहिए। संभागीय आयुक्त श्री खत्री ने कहा कि ग्वालियर-चंबल संभाग में सभी विभागों के माध्यम से सौर ऊर्जा के लिये विभागीय अधिकारी कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन करें। सौर ऊर्ज के क्षेत्र में कार्य कर रहे विभागीय अधिकारी भी अन्य विभागों के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर सौर ऊर्जा से अधिक से अधिक प्रोजेक्ट स्थापित कराएं। उन्होंने यह भी कहा कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में जो बेहतर कार्य किए गए हैं उनको भी अधिक से अधिक प्रचारित किया जाए ताकि लोग प्रेरित होकर अपने घरों, प्रतिष्ठानों के साथ ही शासकीय भवनों में भी इसका उपयोग प्रारंभ कर सकें।

क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में अवैध मादक पदार्थ तस्करों का मुख्य चरस सप्लायर आरोपी कानपुर उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार

पूर्व में आरोपीयो के कब्जे से लगभग करीब 1.049 किलो ग्राम "चरस" एवं 01 हुंडई कार (कुल मशरूका कीमत करीब 7 लाख) जप्त । आरोपी का पुलिस रिमांड प्राप्त कर की जा रही है क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस के द्वारा अग्रिम वैधानिक कार्यवाही।

इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है । इसी अनुक्रम में पूर्व में क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा संदिग्ध की चेकिंग करते इंडस्ट्रियल एरिया लक्ष्मीबाई नगर रोड इंदौर में संदिग्ध कार से आरोपी के द्वारा अपना नाम (1). अब्दुल रईस निवासी जिला बड़वानी, (2). मोहम्मद बाबर निवासी मल्हार पलटन इंदौर को 1.048 किलो ग्राम "चरस" एवं 01 हुंडई कार के साथ गिरफ्तार कर I अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 99/25 धारा 8/20 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध किया गया था । उक्त प्रकरण में पुलिस रिमांड में आरोपी रईस ने बताया था कि मादक पदार्थ चरस कानपुर के साथी आरोपी दिलीप अवस्थी से लाया है जिसपर क्राईम ब्रांच की टीम के द्वारा जिला कानपुर उत्तर प्रदेश से आरोपी (3).दिलीप कुमार अवस्थी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी का पुलिस रिमांड प्राप्त कर गैंग से जुड़े अन्य साथी आरोपियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

दिलीप अवस्थी

आरोपी दिलीप अवस्थी का गिरफ्तारी स्थल- कानपुर (उत्तर प्रदेश)

पूर्व में गिरफ्तार आरोपी का नाम : (1). अब्दुल रईस उम्र 48 वर्ष निवासी जिला बड़वानी (2). मोहम्मद बाबर उम्र 40 वर्ष निवासी मल्हार पलटन इंदौर

वर्तमान में गिरफ्तार आरोपी – (3). दिलीप कुमार अवस्थी उम्र 61 वर्ष निवासी कानपुर (उत्तर प्रदेश) ▪ आरोपी की शर्ट में कांच बटन लगाने के कार्य के साथ साथ चरस का सप्लायर होना कबूला है, उक्त आरोपी के द्वारा पूर्व में गिरफ्तार आरोपी रईस को चरस उपलब्ध कराई गई थी बताया है ।•

पूर्व में जब्त माल का विवरण : - 1.048 किलो ग्राम "चरस" एवं 01 हुंडई कार जप्त ।

सफलता की कहानी ग्वालियर के युवा बॉक्सर प्रिंस यादव का साई में चयन

साई के एक्सीलेंस सेंटर में चयनित होने वाले प्रदेश के पहले बॉक्सर हैं प्रिंस यादव

ग्वालियर के खेल प्रेमियों के लिये गर्व का विषय है। शहर के उदयीमान मुक्केबाज (बॉक्सर) प्रिंस यादव का चयन स्पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) द्वारा रोहतक हरियाणा में संचालित देश की प्रतिष्ठित संस्था नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हुआ है। इस संस्था के लिये चयनित होने वाले प्रिंस यादव मध्यप्रदेश के पहले बॉक्सर हैं। प्रिंस यादव नगर निगम ग्वालियर के खेल प्रसाल के खिलाड़ी हैं। उन्होंने सब जूनियर, स्कूल स्तरीय राष्ट्रीय चैम्पियनशिप सहित प्रदेश व राष्ट्र स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में गोल्ड, सिल्वर व ब्रॉंज मैडल हासिल कर ग्वालियर का नाम रोशन किया है। साई में चयन होने पर नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय सहित उनके कोच एवं शहर के खिलाड़ियों व खेल प्रेमियों ने प्रिंस का शॉल-श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। साथ ही उन्हें स्मृति चिन्ह भी प्रदान किया। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा नगर निगम की ओर से उन्हें हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। सन् 2020, प्रिंस यादव की उम्र 10 वर्ष थी तब से एकलव्य खेल परिसर के बॉक्सिंग रिंग में कोच श्री संतोष अर्गल के अंडर में कोचिंग लेना प्रारंभ किया। वित्तीय स्तिथि ठीक न होने के कारण और सीखने की लगन एकलव्य खेल परिसर के कोच संतोष अर्गल ने बॉक्सिंग किट उपलब्ध करायी जिससे प्रिंस की ट्रेनिंग जारी रही। परिवार की वित्तीय स्तिथि ठीक न होने के कारण प्रिंस यादव को एकलव्य खेल परिसर मैं बॉक्सिंग की ट्रेनिंग भी सहायक नोडल खेल अधिकारी द्वारा खेलने के लिए बिना फ़ीस के उपलब्ध करवायी गई जिससे उसके खेल में निरंतर निखार आया। प्रिंस की माताजी जो कि गृहिणी हैं, पिताजी श्री सुरजीत यादव जो कि पहलवानी करते थे और उसका एक भाई है जो परिवार का एक मात्र मध्यम है घर की व्यवस्था के लिये। प्रिंस यादव का चयन स्पोर्टस अथॉरिटी ऑफ इंडिया, नैशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (NCOE), रोहतक (हरियाणा) में हुआ, जिसमें प्रिंस यादव मध्य प्रदेश का पहला बॉक्सर खिलाड़ी है। साईं सेंटर द्वारा प्रिंस यादव को रहना, खाना, बॉक्सिंग किट, A क्लास बॉक्सिंग ट्रेनिंग के साथ पढ़ाई का भी खर्चा संस्था वहन करेगी।

उपलब्धियाँ

SGFI सब-जूनियर स्टेट गोल्ड मेडलिस्ट, SGFI स्कूल राष्ट्रीय चैंपियनशिप में प्रतिनिधित्व, ओपन सब-जूनियर राष्ट्रीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप ब्रोंज मेडलिस्ट, CBSE वेस्ट जोन चैंपियनशिप गोल्ड मेडलिस्ट एवं CBSE राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व किया।

कलेक्टर एवं एसएसपी ने हाईकोर्ट में प्रतिमा स्थापना से संबंधित विषय पर अधिवक्ताओं से की चर्चा

अधिवक्ताओं से कहा बाहरी व्यक्तियों व संस्थाओं से हस्तक्षेप न करने की करें अपील

ग्वालियर उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर परिसर में बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा स्थापना से संबंधित विषय पर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह ने बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में अधिवक्ताओं के साथ चर्चा की। चर्चा के दौरान उच्च न्यायालय ग्वालियर के बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री पवन पाठक, सचिव श्री महेश गोयल एवं अधिवक्ता श्री शिवजीत रतौनिया व श्री धर्मेन्द्र कुशवाह तथा अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम, एडीएम श्री टी एन सिंह, एसडीएम श्री विनोद सिंह, श्री अतुल सिंह एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्रीमती चौहान एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह ने हाईकोर्ट के अधिवक्ताओं से बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा स्थापना के संबंध में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के मुख्य न्यायाधिपति से हुई चर्चा के संबंध में जानकारी प्राप्त की । अधिवक्ताओं द्वारा बताया गया कि मुख्य न्यायाधिपति ने चर्चा के दौरान कहा कि सेवानिवृत्ति के कारण इस संबंध में नवीन

न्यायाधिपति से चर्चा के उपरांत आगामी निर्णय हो सकेगा ।कलेक्टर श्रीमती चौहान एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने अधिवक्ताओं के प्रतिनिधि मंडल से चर्चा करते हुए कहा कि न्यायालयीन परिसर में प्रतिमा स्थापना का विषय बार एसोसिएशन एवं माननीय न्यायालय परिसर प्रशासन का है । इस विषय में बाहर के किसी भी व्यक्ति, संस्था अथवा दल का दखल नहीं होना चाहिए। सोशल मीडिया एवं अन्य प्लेटफॉर्मों के माध्यम से उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर के परिसर में प्रतिमा स्थापना के संबंध में पृथक-पृथक बयान सामने आ रहे हैं। कलेक्टर एवं एसएसपी ने कहा कि उच्च न्यायालय ग्वालियर के अधिवक्तागण बाहरी व्यक्तियों से इस प्रकरण में हस्तक्षेप न करने की अपील करें।

"जल बचाओ-जीवन बचाओ" का दिलाया संकल्प

ग्वालियर : जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल सहेजने के लिये नई संरचनाओं का निर्माण व पुरानी संरचनाओं के जीर्णोद्धार के साथ-साथ लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के प्रयास भी प्रमुखता से किए जा रहे हैं। इस काम में जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्थायें व ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियां भी सहयोग कर रही हैं। इन समितियों द्वारा बुधवार को भितरवार विकासखंड के अंतर्गत ग्राम छिरेंटा, पचौरा व दुबहा के निवासियों को "जल बचाओ-जीवन बचाओ" का संकल्प दिलाया गया।

इंदौर क्राइम डीसीपी राजेश त्रिपाठी के निर्देशन में तस्करों पर कसा शिकंजा

क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में मादक पदार्थ तस्कर आरोपीगण गिरफ्तार

आरोपीयो के कब्जे से लगभग करीब 1.049 किलो ग्राम "चरस" एवं 01 हुंडई कार (कुल मशरूका कीमत करीब 7 लाख) जप्त ,आदतन आरोपियों के विरुद्ध पहले से पंजीबद्ध है अपराध,आदतन आरोपी नशा बेचने एवं करने के है आदि

इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है । क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा संदिग्ध की चेकिंग करते इंडस्ट्रियल एरिया लक्ष्मीबाई नगर रोड इंदौर में संदिग्ध कार दिखी जिसमें दो व्यक्ति संदिग्ध दिखे जो पुलिस को देख घबराने लगे, जिसे घेराबंदी कर रोका, जिससे पूछताछ पर आरोपी के द्वारा अपना नाम (1). अब्दुल रईस उम्र 48 वर्ष निवासी जिला बड़वानी, (2). मोहम्मद बाबर उम्र 40 वर्ष निवासी मल्हार पलटन इंदौर होना बताया ।आरोपीयो ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि नशा करने का आदि है चरस सस्ते दामों पर लाकर शहर में सप्लाई करने का था इरादा। आरोपीयो के कब्जे से 1.048 किलो ग्राम "चरस" एवं 01 हुंडई कार जप्त कर, आरोपी के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 99/25 धारा 8/20 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं ।

आरोपी का नाम :

(1). अब्दुल रईस उम्र 48 वर्ष निवासी जिला बड़वानी
▪ आरोपी अनपढ़ होकर, शर्ट में कांच–बटन लगाने का कार्य करना बताया और जल्दी रुपए कमाने के इरादे चरस तस्करी करना कबूला एवं एवं आरोपी के विरुद्ध थाना सदर बाजार एवं मल्हारगंज में पहले से पंजीबद्ध है लड़ाई झगड़े, जान से मारने की धमकी, जुआ एक्ट जैसे 02 अपराध।

(2). मोहम्मद बाबर उम्र 40 वर्ष निवासी मल्हार पलटन इंदौर
▪ आरोपी अनपढ़ होकर, भंगार/अटला समान खरीदी–बिक्री का कार्य करना बताया और रुपए कमाने के इरादे चरस तस्करी करना कबूला एवं आरोपी के विरुद्ध थाना सदर बाजार में पहले से पंजीबद्ध है NDPS एक्ट का अपराध।•

जब्त माल का विवरण

1.048 किलो ग्राम "चरस" एवं 01 हुंडई कार जप्त ।

घटना स्थल-

इंडस्ट्रियल एरिया, लक्ष्मी बाई नगर रोड इंदौर

रईस

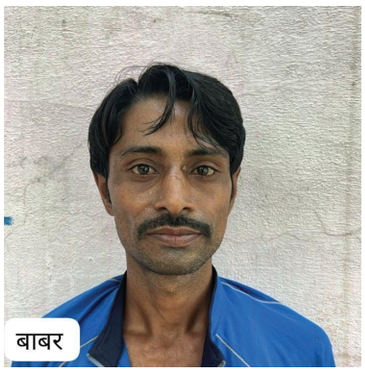
बाबर

क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में हत्या के प्रयास प्रकरण में 10 हजार रूपये का फरार ईनामी आरोपी धराया

न्यायालय से जमानत प्राप्त करने के बाद से ही फरार था शातिर आरोपी।
स्थान बदल–बदलकर छुपते हुए 7 वर्षों से काट रहा था फरारी।

इंदौर। क्राइम ब्रांच की टीम को सूचना मिली की जिला अगर मालवा में बर्डा बरखेड़ा में आरोपी सचिन के द्वारा जमीन विवाद के चलते अपने पिता ओमप्रकाश पर जानलेवा फायर आर्म्स से हमला किया था जिसपर थाना कोतवाली जिला अगर मालवा के अपराध क्रमांक 360/25 धारा 307,341, 294, 120बी, 34 भादवी का अपराध पंजीबद्ध किया गया उक्त प्रकरण में जमानत पर रिहा होने के पश्चात से आरोपी फरार था जिसकी शीघ्र गिरफ्तारी हेतु अगर मालवा पुलिस के द्वारा 10 हजार रूपये इनाम की उद्घोषणा की गई थी। क्राईम ब्रांच के द्वारा मुखबिर सूचना पर आरोपी (1). सचिन पूरी उम्र 34 वर्ष निवासी साईं सिटी इंदौर को पकड़कर संबंधित पुलिस जिला अगर मालवा को सुपुर्द किया जिनके द्वारा उक्त प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

सचिन पूरी

स्थान जहां से आरोपी को पकड़ा –

निरंजनपुर, लसुड़िया थाना क्षेत्र

आरोपी का नाम :–

(1). सचिन पूरी उम्र 34 वर्ष निवासी साईं सिटी इंदौर
▪ आरोपी ग्रेच्युट होकर शराब का नशा करने आदि था और पिछले 7 वर्षों से नाम बदलते हुए पहचान छुपाकर काट रहा था प्रकरण में फरारी।•

मामला सड़क पर सेक्स कांड का

मनोहरलाल धाकड़ को किया जा रहा था ब्लेकमेल

मंदसौर: बीजेपी नेता मनोहर लाल धाकड़ के अश्लील वीडियो के वायरल होने के बाद कार्रवाई जारी है। NHAI ने वीडियो वायरल करने के आरोप में तीन कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। एसपी ने कंट्रोल रूम के मैनेजर को नोटिस भेजा है। आरोप है कि सीसीटीवी कंट्रोल रूम में बैठे कर्मचारियों ने बीजेपी नेता मनोहर लाल धाकड़ को ब्लैकमेल करने की कोशिश की थी। जब 8 दिनों तक बात नहीं बनी, तो उन्होंने वीडियो वायरल कर दिया। पुलिस ने आरोपी की कार जब्त कर ली है और अब महिला की पहचान करने में जुटी है। इस घटना के बाद धाकड़ को युवा संघ के राष्ट्रीय मंत्री पद से भी हटा दिया गया है।

बीजेपी ने कहा कि पार्टी के सदस्य नहीं

हालांकि मनोहर लाल धाकड़ को बीजेपी नेता बताया जा रहा है, लेकिन बीजेपी ने स्पष्ट किया है कि वे पार्टी के प्राथमिक सदस्य भी नहीं हैं। उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से सदस्यता ली थी। भारतीय जनता पार्टी ने मनोहर लाल से किनारा करते हुए कहा कि वे किसी भी आधिकारिक पद पर नहीं हैं। वहीं, मनोहर लाल धाकड़ की पत्नी ग्राम बनी क्षेत्र से जिला पंचायत की सदस्य हैं।

खूब वायरल हुआ था वीडियो

मंदसौर जिले के बीजेपी नेता मनोहर लाल धाकड़ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। इस वीडियो में वे एक महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिखाई दे रहे थे। यह वीडियो दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस वे पर 13 मई 2025 की रात करीब 8 बजे का बताया जा रहा है।

फंदे पर लटका था पिता तो पलंग के पास पड़ा था मासूम का शव

इंदौर: जिले से दुखद घटना सामने आई। यहां एक युवक का शव फंदे पर लटका था। वहीं, 4 साल के बेटे का शव पलंग के बगल में पड़ा था। शहर के तुकोगंज थाना क्षेत्र में रहने वाले बबलू ने बच्चे की हत्या कर फंदे पर झूल गया। पुलिस ने पोस्टमार्ट कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है। दरअसल, बच्चे के परवरिश की चिंता और पत्नी की मृत्यु होने के गम में आकर अपने युवक ने पहले 4 वर्षीय बालक को जहर खिला दिया। फिर खुद फांसी के फंदे पर झूल गया।

क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में MD ड्रग्स तस्कर आरोपी गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से लगभग करीब 22 ग्राम अवैध मादक पदार्थ "MD ड्रग्स (अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 5 लाख रुपए) जप्त । आदतन आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसके विरुद्ध दर्जनों अपराध चोरी , आपकारी, एवं आर्म्स एक्ट के पहले से है पंजीबद्ध। आदतन आरोपी नशा बेचने एवं करने के है आदि ।

इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है । क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा संदिग्ध की चेकिंग करते एमएस कोरल वेली धार रोड इंदौर में संदिग्ध व्यक्ति दिखा जो पुलिस को देख घबराने लगे, जिसे घेराबंदी कर रोका, जिससे पूछताछ पर आरोपी के द्वारा अपना नाम (1). मुस्ताक खान उम्र 45 वर्ष निवासी ग्राम माचल धार रोड इंदौर होना बताया । आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि नशा करने का आदि है MD ड्रग्स सस्ते दामों पर लाकर शहर में सप्लाई करने का था इरादा।आरोपी के कब्जे से 22 ग्राम "MD ड्रग्स"जप्त कर, आरोपी के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 98/25 धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं ।

घटना स्थल- एमएस कोरल वेली धार रोड इंदौर **आरोपी का नाम** : (1). मुस्ताक खान उम्र 45 वर्ष निवासी ग्राम माचल धार रोड इंदौर ▪ 3 कक्षा तक पढ़ा है और ट्रक ड्राइवरी का कार्य करना कबूला है। आदतन आरोपी के विरुद्ध पहले से है पंजीबद्ध है कई अपराध।

जब्त माल का विवरण 22 ग्राम "MD ड्रग्स" ।

पूर्व अपराधिक रिकॉर्ड

क्र.	आरोपी का नाम	क्र	थाना	अपराध क्र	धारा	दिनांक/समय
1	मुस्ताक पिता छोटे खां निवासी- ग्राम माचल इन्दौर	1	सदर बाजार	307/05	294,323,34,506 भादवि	01.10.2005
		2	मल्हारगंज	109/06	379 भादवि	09.03.2006
		3	मल्हारगंज	146/06	379 भादवि	24.03.2006
		4	राजेन्द्र नगर	378/06	379,511 भादवि	01.06.2006
		5	अन्नपूर्णा	333/06	379 भादवि	09.07.2006
		6	सेन्ट्रल कोतवाली	318/06	379 भादवि	07.10.2006
		7	चंदननगर	928/06	379 भादवि	20.11.2006
		8	चंदननगर	929/06	25 आर्म्स एक्ट	20.11.2006
		9	बेटमा, इन्दौर	279/07	379 भादवि	24.07.2007
		10	बेटमा, इन्दौर	185/07	34 आबकारी एक्ट	03.06.2007
		11	बेटमा, इन्दौर	311/07	136 एमपीईबी एक्ट	09.08.2007
		12	बेटमा, इन्दौर	312/07	379 भादवि	10.08.2007
		13	बेटमा, इन्दौर	313/07	379 भादवि	10.08.2007
		14	बेटमा, इन्दौर	470/07	379 भादवि	04.12.2007
		15	राजेन्द्र नगर	377/08	379 भादवि	21.06.2008
		16	अन्नपूर्णा	554/08	379 भादवि	03.12.2008
		17	भंवरकुआं	19/09	379 भादवि	06.01.2009
		18	भंवरकुआं	34/09	379 भादवि	11.12.2009
		19	चंदननगर	146/09	379 भादवि	21.02.2009
		20	तुकोगंज	171/09	379 भादवि	03.03.2009
		21	जूनी इन्दौर	102/09	379 भादवि	14.03.2009
		22	बेटमा, इन्दौर	253/11	456 भादवि	09.06.2011
		23	बेटमा, इन्दौर	254/11	25 आर्म्स एक्ट	11.06.2011
		24	किशनगंज, इन्दौर	485/11	25,27 आर्म्स एक्ट, 399,402 भादवि	07.09.2011
		25	पीथमपुर, धार	392/12	25 आर्म्स एक्ट	22.08.2012
		26	पंढरीनाथ	315/12	379 भादवि	05.12.2012
		27	महू, इन्दौर	79/14	49क आबकारी एक्ट	01.02.2014
		28	बेटमा, इन्दौर	304/15	34(2) आबकारी एक्ट	13.06.2015
		29	पीथमपुर, धार	335/15	379 भादवि	18.06.2015
		30	पीथमपुर, धार	188/15	379 भादवि	02.04.2015
		31	पीथमपुर, धार	189/15	379 भादवि	02.04.2015
		32	राऊ	09//16	379 भादवि	08.01.2016
		33	बेटमा, इन्दौर	486/16	394 भादवि	15.12.2016
		34	पीथमपुर, धार	446/21	25(2) आर्म्स एक्ट	20.08.2021
		35	पीथमपुर, धार	514/21	25,27 आर्म्स एक्ट	28.09.2021
		36	बेटमा	251/23	34(1),49(क) आबकारी एक्ट	17.04.2023
		37	बेटमा	530/23	25(2) आर्म्स एक्ट	16.08.2023
		38	सेक्टर नं 01 पीथमपुर, धार	12//24	380,457 भादवि	09.01.2024

ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य अभियान नहीं, यह बदलते भारत की तस्वीर है: मन की बात में PM मोदी

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक मन की बात रेडियो संबोधन में कहा कि पूरा देश "गुस्से से भरा हुआ है", उन्होंने दोहराया कि भारत आतंकवाद को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित है.

ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, "आज पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है, गुस्से से भरा हुआ है, लेकिन दृढ़ संकल्पित हैऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमारे सशस्त्र बलों द्वारा दिखाई गई बहादुरी ने हर भारतीय को गौरवान्वित किया है. जिस सटीकता और सटीकता के साथ हमारे सशस्त्र बलों ने सीमा पार आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया, वह असाधारण है."

22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई, जिसमें ज्यादातर पर्यटक थे, इसके जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसके तहत सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी बुनियादी ढांचे पर सटीक हमले किए.

ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह मोदी का पहला मन की बात संबोधन था. उनके संबोधन में भारत की सैन्य प्रतिक्रिया, नष्ट किए गए आतंकी शिविरों और पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करते हुए विरोध प्रदर्शन की तस्वीरें और वीडियो दिखाए गए. अप्रैल में अपने आखिरी मन की बात संबोधन में, जो पहलगाम आतंकी हमले के कुछ दिनों बाद और ऑपरेशन सिंदूर से पहले प्रसारित हुआ था, मोदी ने कहा था कि पीड़ितों के परिवारों को न्याय मिलेगा और हमले के "षड्यंत्रकारियों और दोषियों" को कड़ी से कड़ी सज़ा देने का आश्वासन दिया.

प्रधानमंत्री ने रविवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया भर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में नया आत्मविश्वास और उत्साह भी पैदा किया है. भाजपा द्वारा सशस्त्र बलों और उनकी सरकार की उपलब्धियों को उजागर करने के लिए निकाली गई तिरंगा यात्रा का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि बड़ी संख्या में युवा नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक के रूप में नामांकन कर रहे हैं.

प्रधानमंत्री ने कहा, "साथियों, ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य अभियान नहीं है, यह हमारे दृढ़ संकल्प, साहस और बदलते भारत की तस्वीर है और इस तस्वीर ने पूरे देश को तिरंगे के रंगों में रंगी देशभक्ति की भावना से भर दिया है. आपने देखा होगा, देश के कई शहरों, गांवों और कस्बों में तिरंगा यात्रा निकाली गई. हज़ारों लोग तिरंगा लेकर देश की सशस्त्र सेनाओं का सम्मान और सलामी देने निकले."

उन्होंने कहा, "कई शहरों में बड़ी संख्या में युवा नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक बनने के लिए एकत्र हुए और हमने चंडीगढ़ के वीडियो देखे जो वायरल हुए. सोशल मीडिया पर कविताएं लिखी जा रही थीं, दृढ़ संकल्प के गीत गाए जा रहे थे. छोटे बच्चों ने महत्वपूर्ण संदेश देने वाली पेंटिंग बनाईं." उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में बीकानेर की उनकी यात्रा के दौरान, बच्चों ने उन्हें ऐसी ही एक पेंटिंग भेंट की थी. मोदी ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने भारत के लोगों को इतना प्रभावित किया है कि कई परिवारों ने अपने बच्चों का नाम 'सिंदूरी' रखकर इसे अपने जीवन का हिस्सा बना लिया है. "बिहार के कटिहार, उत्तर प्रदेश के कुशीनगर और कई अन्य शहरों में उस अवधि के दौरान पैदा हुए बच्चों का नाम सिंदूर रखा गया है."

उन्होंने सशस्त्र बलों के "अदम्य साहस" की भी सराहना की. "हमारे सैनिकों ने आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया, यह उनका अदम्य साहस है और इसमें भारत में बने हथियारों, उपकरणों और तकनीक की शक्ति शामिल थी. इसमें आत्मनिर्भर भारत के प्रति प्रतिबद्धता भी शामिल थी. हमारे इंजीनियरों, तकनीशियनों और सभी की कड़ी मेहनत ने इस जीत में योगदान दिया." उन्होंने कहा, "इस अभियान के बाद, पूरे देश में 'वोकल फॉर लोकल' के प्रति उत्साह की एक नई लहर देखी जा रही है. कुछ उदाहरण वाकई दिल को छू जाते हैं. एक मां और पिता ने एक बार कहा था 'हम अपने बच्चों के लिए भारत में बने खिलौने ही खरीदेंगे'. इससे उनमें बचपन से ही देशभक्ति की भावना पैदा होगी. कुछ परिवारों ने प्रतिज्ञा की 'हम अपनी अगली छुट्टियां देश में ही किसी खूबसूरत जगह पर बिताएंगे'."

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि कई युवाओं ने तो "भारत में ही शादी करने" का भी संकल्प लिया है. "वे देश में ही शादी करेंगे. किसी ने तो यहाँ तक कह दिया, 'जो भी उपहार दिया जाएगा, वह किसी भारतीय कारीगर द्वारा हाथ से बनाया जाएगा'. मित्रों, यही भारत की असली ताकत है – लोगों का भावनात्मक जुड़ाव और भागीदारी. मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि इस अवसर पर आएं और प्रतिज्ञा लें कि अपने जीवन में जहां भी संभव हो, हम भारत में बने उत्पादों को प्राथमिकता देंगे. यह केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता के बारे में नहीं है, यह राष्ट्र निर्माण में योगदान की भावना है. हमारा एक कदम भारत की प्रगति में बहुत बड़ा योगदान बन सकता है."

क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में रतलाम जिले के MD ड्रग्स तस्कर आरोपी गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से लगभग करीब 22.06 ग्राम अवैध मादक पदार्थ "MD ड्रग्स (अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 5 लाख रुपए) जप्त, आरोपियों का, ड्रग्स का नशा करने वाले लोगों को अधिक दामों पर MD ड्रग्स बेचना का था इरादा ।

इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है । क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा संदिग्ध की चेकिंग करते भंडारी ब्रिज के नीचे MR 4 रोड इन्दौर में दो(पुरुष व महिला) संदिग्ध व्यक्ति दिखे जो पुलिस को देख घबराने लगे, , जिससे पूछताछ पर आरोपी के द्वारा अपना नाम (1). अमजद खान उम्र 46 वर्ष निवासी जावरा,रतलाम, एवं महिला आरोपी (2). अंजुम बी निवासी निवासी– जावरा, रतलाम का होना बताया । आरोपी अमजद ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि नशा करने का आदि है MD ड्रग्स सस्ते दामों पर लाकर शहर में सप्लाई करने का था

इरादा।आरोपी के कब्जे से 22 ग्राम "MD ड्रग्स"जप्त कर, आरोपीयो के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 101/25 धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक

कार्यवाही की जा रही हैं ।

घटना स्थल– भंडारी ब्रिज के नीचे MR 4 रोड इन्दौर

आरोपी का नाम : (1). अमजद खान उम्र 46 वर्ष निवासी जावरा,रतलाम

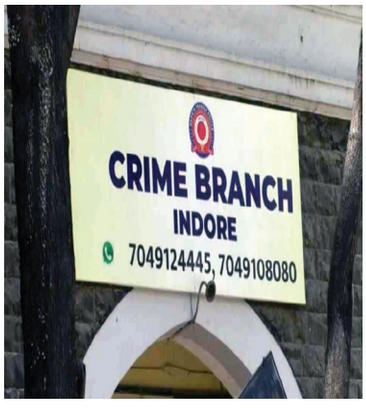

▪ 3 कक्षा तक पढ़ा है और ट्रक ड्राइवरी का कार्य करना कबूला है

महिला आरोपी (2). अंजुम बी निवासी निवासी– जावरा, रतलाम

जब्त माल का विवरण : - 22.06 ग्राम "MD ड्रग्स" एवं 02 मोबाइल।

छोटी नदियों के संरक्षण से बड़ी नदियाँ रहेगी अविरल प्रवाहित: मंत्री श्री पटेल

पानी की व्यवस्था बेहतर हो जाने से खुशहाली और समृद्धि आएगी-सांसद श्री लोधी, सांस्कृतिक अमूर्त धरोहर में नर्मदा परिक्रमा को किया गया शामिल,

ब्रोशर का हुआ विमोचन, मजदूरों का हुआ सम्मान,दमोह जिले के किशन तलैया में जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम में मंत्री श्री पटेल हुए शामिल

भोपाल पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि हमारा लक्ष्य सिर्फ जल को संरक्षित करना नहीं, जल स्त्रोतों को बचाना भी है। उन्होंने कहा कि बड़ी नदियों को बचाने के लिए छोटी नदियों को बारहमासी करने का मौका अभी हमारे पास हैं। हमारे पूर्वजों ने बावड़ियां बनाई, कुएं बनाए है, उन्हें सहजने का कार्य हमें करना होगा। उन्होंने कहा कि उद्देश्य बड़ा साफ है, छोटी नदियों को हमने अगर बारहमासी करदिया तो बड़ी नदियों का अस्तित्व बचा रहेगा। मंत्री श्री पटेल गुरुवार को दमोह जिले के किशन तलैया में जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री श्री धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी, सांसद दमोह श्री राहुल सिंह लोधी, विधायक एवं पूर्व मंत्री दमोह श्री जयंत कुमार मलैया, विधायक हटा श्रीमती उमादेवी खटीक, सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, अधिकारी-कर्मचारीगण, नागरिक मौजूद रहे। मंत्री श्री पटेल ने कहा जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून तक चलेगा। विगत वर्ष 32 नदियों को जोड़ने का संकल्प लिया था इस बार संकल्प है, मध्यप्रदेश में नर्मदा बेसिन, गोदावरी बेसिन, गंगा बेसिन उसमें जाने वाली किसी भी नदी का उद्गम स्थल मध्यप्रदेश में है, उस तक पहुँचने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा सीधे नदी से पानी लेते है, तो एक भी बूँद पानी नही बचता ओर बाद में हम मवेशियों के लिये ट्यूबवेल से भरते है। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता से जल संरक्षण कार्य किया जायेगा, सरकार इसकी अगुवाई कर रही हैं।

मंत्री श्री पटेल ने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का अभारी हूँ कि सांस्कृतिक अमूर्त धरोहर के रूप में नर्मदा परिक्रमा को शामिल किया गया है। आने वाले समय में यूनेस्को की लिस्ट में भी नर्मदा परिक्रमा शामिल हो। दमोह सांसद श्री राहुल सिंह लोधी ने कहा जल गंगा संवंधन अभियान प्रदेश सरकार की एक अभिनव पहल है। इस पहल में हम सबको जुड़ना है। सांसद श्री लोधी ने कहा मंत्री श्री पटेल पूरे प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग जिलों में जा रहे हैं और जो नदियाँ 12 महीने पानी देती थी पर किन्हीं कारणों से मिट्टी भरने, पत्थर भरने या हमने वहाँ नाले, पुल, पुलिया बना दिया, स्टॉप डेम बना दी और बहुत सी अन्य प्रकार की गतिविधियों के कारण से वो नदियाँ अब जो बारहमासी नदियाँ थी, वो 6 महीने, 5 महीने में ही उनका पानी समाप्त हो जाता है। सांसद श्री लोधी ने जल संरक्षण की पहल के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मंत्री श्री पटेल को धन्यवाद और साधुवाद दिया।

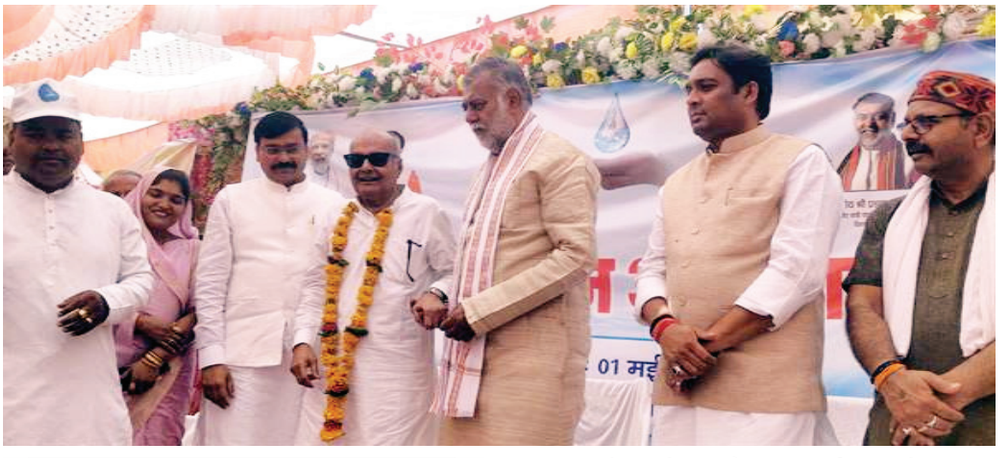

ब्रोशर का हुआ विमोचन, श्रमिकों का हुआ सम्मान

मंत्री श्री पटेल और अन्य जनप्रतिनिधियों ने अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के उपलक्ष में भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की संचालित योजनाओं संबंधी जानकारी ब्रोशर का विमोचन किया। इस अवसर पर मजदूरों का सम्मान शॉल-श्रीफल से सम्मान कर उपहार भी दिए।

जिले में आपात स्थिति में आपदा प्रबंधन के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करें- श्री चंद्रा

सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखी जाए- एसपी

नीमच जिले में किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में आपदा प्रबंधन के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित कर लिए जाए। सभी विभाग आपदा प्रबंधन के नजरिए से आवश्यक संसाधन, साधन, उपकरण, मशीनरी आदि को सूचीबद्ध कर, उनकी आवश्यकता पड़ने पर तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित हो। ऐसी व्यवस्थाएं कर लें।

यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में शुक्रवार को जिले में पुलिस, कार्यपालिक मजिस्ट्रेटो, राजस्व अधिकारियों और जिला अधिकारियों की संयुक्त बैठक में जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था संबंधी बैठक में सभी अधिकारियों को दिए गए। बैठक में कलेक्टर ने आपदा प्रबंधन का जिला स्तरीय ग्रुप बनाने के निर्देश भी दिए। उन्होने सभी अस्पतालों में आवश्यक दवाईयों और स्टॉप की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होने आपात स्थिति में अस्पतालों और अन्य अत्यावश्यक सेवाओं वाले कार्यालयों में बिजलीकी वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने नगरीय निकायों को शहरों में पब्लिक उनाउंस सिस्टम की व्यवस्था करनेतथा नीमच में एयर सायरन स्थापित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने जिले के संवेदनशील क्षेत्रों में सूचना तंत्र को विकसित करने के निर्देश भी कार्यपालिक मजिस्ट्रेटो को दिए। उन्होने आपदा प्रबंधन साधनों, उपकरणों की चेकलिस्ट तैयार कर, उनकी आपदा की स्थिति में तत्काल उपलब्धता

सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल ने आपदा प्रबंधन के लिए आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता की पूर्व तैयारियां करने , शस्त्र लायसेंसियों और शस्त्र दुकानों का सत्यापन, विस्फोटक भंडार ग्रहों का सत्यापन कर, उन्हें बगैर सूचना के विस्फोटक सामग्री का किसी को भी विक्रय नहीं करने के लिए पाबंद करने, पेट्रोल पम्पों से खुले बोतलों में पेट्रोल का विक्रय नहीं करने के लिए पाबंद करने, पेट्रोल पम्पों, बैंक एटीएम आदि पर सुरक्षा गार्ड, फायर सेफ्टी के संसाधनों को सूचीबद्ध कर आपदा की स्थिति में उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने, कम्यूनिकेशन प्लान बनाने, होटल, लॉज, धर्मशाला, मेरिज गार्डन पर संदिग्ध व्यक्तियों का सत्यापन करवानेके संबंध में विस्तार से निर्देश दिए। उन्होने सोशल मीडिया के लिए पुलिस विभाग द्वारा जारी एडवाईजरी का पालन करने की सभी से अपील भी की और अधिकारियों से सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने और आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित होना पाये जाने पर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करने के निर्देश भी संबंधितों को दिए।बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवल सिह सिसोदिया, सभी एसडीएम, एसडीओपी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, थाना प्रभारी एवं अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

पशुपालक डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना का लाभ उठावें

नीमच। पशु पालन एवं डेयरी विभाग के उप सचांलक द्वारा बताया गया कि सभी वर्ग के किसान पशुपालक डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना में दुधारू पशुओं की डेयरी इकाई की स्थापना बैंक ऋण की सुविधा के साथ शासकीय अनुदान से कर सकते है। आवेदक की पात्रता हितग्राही मध्यप्रदेश राज्य का निवासी होना चाहिए। योजना सभी वर्ग के पशुपालकों के लिए है।

हितग्राही को ऑनलाईन पोर्टल www.mpdah.gov.in के माध्यम से आवेदन करना होगा। हितग्राही के पास न्यूनतम 3.50 एकड कृषि भूमि होना आवश्यक है। योजनांतर्गत 25 दुधारू पशुओं की इर्का स्थापित की जाएगी। एक इकाई में समस्त गौवंश या समस्त भैंसवंश ही होगें। एक इकाई की समस्त गाय/भैंस एक ही प्रजाति की होगी। योजना में भारतीय मूल की देशी गाय की नस्लों में साहिवाल, गिर, थारपारकर, रेड सिंधी, संकर नस्लो में एच.एफ.जर्सी, भैंसो में मुर्रा, भदावरी, सूरती, मेहसाना शामिल की जा सकेंगी। लाभार्थी को किसी शासकीय प्रशिक्षण संस्थान/महाविद्यालय/शासन द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण संस्थान से प्रशिक्षण लेना अनिवार्य होगा। आवेदक को योजना की स्वीकृति हेतु प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। अनुदान राशि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के हितग्राहियों के लिए निर्धारित परियोजना लागत का 33 प्रतिशत तथा अन्य श्रेणी के हितग्राहियों के लिए निर्धारित परियोजना लागत का 25 प्रतिशत होगी। अधिक जानकारी के लिए पशुपालन विभाग मंदसौर से संपर्क करें।

नारायणगढ़ के नगर परिषद के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण प्रदेश के डिप्टी सीएम देवड़ा ओर सांसद गुप्ता के हाथों संपन्न

यह भवन जनता की सेवा और नगर के समुचित विकास का केंद्र बनेगा – देवड़ा

मंदसौर। मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र के नारायणगढ़ नगर को सोमवार को एक नई सौगात मिली, जब नगर परिषद के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण प्रदेश के डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, मंदसौर सांसद सुधीर गुप्ता तथा भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने भवन परिसर का निरीक्षण किया और परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान नगर में उत्सव जैसा माहौल रहा। नगर परिषद भवन के निर्माण को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नगरवासियों में उत्साह देखा गया। उपस्थित अतिथियों ने भवन की गुणवत्ता और सुविधाओं की सराहना की, साथ ही जनता से इस भवन का अधिकतम उपयोग करने का आह्वान किया। जगदीश देवड़ा ने अपने उद्बोधन में कहा, "यह भवन जनता की सेवा और नगर के समुचित विकास का केंद्र बनेगा। सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक नगर में बेहतर प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।" सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि "यह भवन नगर की गरिमा को बढ़ाएगा और नागरिकों को एक सुविधाजनक स्थान मिलेगा, जहाँ वे अपने कार्यों को सुगमता से निपटा सकेंगे।" भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित ने नगर परिषद के अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को सराहना देते हुए कहा कि "समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य किसी भी विकास की पहचान होते हैं।" इस कार्यक्रम में भाजपा के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी,

कार्यकर्ता, नगर परिषद के अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने परिसर में वृक्षारोपण कर स्वच्छ और हरित नारायणगढ़ का संकल्प लिया।

आर्थिक रूप में सम्पन्न हो रहा है मध्यप्रदेश-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि उद्योग समागम : 2025 को किया संबोधित सीतामऊ मंदसौर में हुआ कार्यक्रम

मंदसौर आर्थिक रूप में सम्पन्न हो रहा है मध्यप्रदेश - मुख्यमंत्री डॉ. यादव हम उन्नत खेती को उद्योग का दर्जा दिलाने के उद्देश्य से कार्य कर रहे हैं बिजली में आत्मनिर्भर होंगे किसान : सौर ऊर्जा से बनाएंगे स्वयं की बिजली 10 प्रतिशत राशि पर सौर पम्प उपलब्ध कराए जाएंगे खेती को लाभदायक बनाने के लिए विदेशी तकनीक से लेकर स्थानीय जुगाड़ तक को प्रोत्साहित कर रही है राज्य सरकार अपना जीवन बेहतर बनाने के लिए, किसान खेत की एक-एक इंच जमीन को बेहतर बनाएं किसानों को उन्नत कृषि, बागवानी, फलोद्यान, प्रसंस्करण व अन्य गतिविधियां अपनाते हुए सम्पन्न बनने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहने का दिलाया संकल्प

संतरे-केले जैसे प्रदेश के अन्य कृषि उत्पादों की मध्यप्रदेश के नाम पर हो ब्रांडिंग नरवाई जलाने से बचें किसान : मशीनों से होगा नरवाई का निष्पादन मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि उद्योग समागम : 2025 को किया संबोधित सीतामऊ मंदसौर में हुआ कार्यक्रम मंदसौर 3 मई 25/ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश आर्थिक रूप से सम्पन्न हो रहा है। नीति आयोग के अनुसार मध्यप्रदेश, देश में सबसे तेज गति से प्रगति करने वाला राज्य है। आने वाले समय में प्रगति की गति ओर तेज होने वाली है। राज्य सरकार कृषकों को बिजली में आत्मनिर्भर बनाने जा रही है। अब किसान सौर ऊर्जा से स्वयं बिजली बनाएंगे और पम्प चलाएंगे। उनके द्वारा अपनी आवश्यकता से अधिक बिजली पैदा करने पर राज्य सरकार किसानों से बिजली खरीदेगी और उसका भुगतान भी करेगी। किसानों को मात्र 10 प्रतिशत राशि पर सौर पम्प उपलब्ध कराए जाएंगे। पांच, तीन, दो हार्स पॉवर तक के सौर पम्प के लिए मात्र 10 प्रतिशत राशि जमा कराने पर शेष राशि राज्य सरकार द्वारा किसानों को उपलब्ध कराई जाएगी। इस योजना से किसानों को बिजली के बिल से मुक्ति मिलेगी। तीन साल के अंदर 32 लाख सोलर पम्प उपलब्ध कराए जाएंगे। किसान, कृषि पम्प चलाने, घर में बिजली के उपयोग या अन्य प्रयोजनों के लिए अपनी बिजली स्वयं बना सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सीतामऊ मंदसौर में कृषि उद्योग समागम : 2025 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मंदसौर, नीमच क्षेत्र के किसानों द्वारा ली जा रही विविधतापूर्ण उपजों के लिए उनकी सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा इसे प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ही सीतामऊ में उन्नत कृषि पर केन्द्रित यह आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विदेशी तकनीक से लेकर स्थानीय जुगाड़ तक को प्रोत्साहित करते हुए खेती को फायदेमंद बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। हम उन्नत खेती को उद्योग का दर्जा दिलाने के उद्देश्य से कार्य कर रहे हैं। इसीलिए कृषि उत्पादों के उचित मूल्य, लंबे समय तक संधारण और स्थानीय स्तर पर खाद्य प्रसंस्करण की सुविधा उपलब्ध कराकर किसानों का लाभ सुनिश्चित करने के लिए प्रयास जारी हैं। मध्यप्रदेश में संतरा, केला सहित कई महत्वपूर्ण उत्पाद बड़ी मात्रा में होते हैं। इनकी ब्रांडिंग भी हमारे प्रदेश के नाम पर हो, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी किसानों को उन्नत कृषि अपनाने और बागवानी, फलोद्यान, प्रसंस्करण सहित कृषि से जुड़ी अन्य गतिविधियां अपनाते हुए सम्पन्न बनने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहने का संकल्प दिलाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नरवाई जलाने की जानकारी सेटेलाइट के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है। गेहूं की फसल के बाद बचे कचरे में आग लगाने से खेत की ताकत कमजोर होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से नरवाई जलाने से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस स्थिति के निराकरण के लिए मशीनें उपलब्ध कराई जा रही है और उन पर अनुदान की व्यवस्था भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गौपालन को प्रोत्साहित कर दुग्ध उत्पादन की क्षमता बढ़ाई जा रही है। गौमाता हमारी संस्कृति की प्रतीक हैं, गाय-भैंस पालन को प्रोत्साहित करने के लिए 25 गाय-भैंस पालने पर 25 प्रतिशत की सब्सिडी उपलब्ध कराई जाएगी। देश के कुल दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश का उत्पादन वर्तमान में 9 प्रतिशत है, इसे हमें 20 प्रतिशत तक ले जाना है। अतः किसानों को 200 गाय-भैंस पालन अर्थात 8 यूनिट तक सब्सिडी उपलब्ध कराई जाएगी। दूध-दही हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है, "जिसके घर गाय वह गोपाल और जिस के घर गाय का कुल वह घर गोकुल" का भाव हमारा परिवेश में रचा-बसा है। अच्छी खेती के साथ-साथ दूध उत्पादन, बागवानी, फलोद्यान जैसी गतिविधियां बढ़ाने के लिए भी राज्य सरकार अनुदान उपलब्ध करा रही है। अपना जीवन बेहतर बनाने के लिए, किसान खेत की एक-एक इंच जमीन को बेहतर बनाएं। प्रदेश के हर जनपद में एक-एक वृंदावन गांव विकसित किया जाएगा, जहां उन्नत कृषि के लिए विशेष प्रोत्साहन के साथ-साथ स्कूल-कॉलेज सहित सभी अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। आवरा, लावारिस, अपाहिज गौमाता की देख-रेख के लिए 20 रूपए के स्थान पर 40 रूपए प्रति गाय माता की दर से अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। राज्य सरकार ने आपदा में तत्काल मदद करने के उद्देश्य से एयर एम्बुलेंस सेवा का संचालन आरंभ किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हाल ही में गांधी सागर क्षेत्र में चीते छोड़े गए हैं। इससे पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा और स्थानीय निवासियों को होम-स्टे सहित अन्य पर्यटन गतिविधियों के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। कृषि, बागवानी, उद्योग-धंधों, धार्मिक सहित सभी प्रकार की पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित करते हुए प्रदेशवासियों की आय बढ़ाना राज्य सरकार का उद्देश्य है और इस दिशा में प्रतिबद्धतापूर्वक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। महिला, गरीब, युवा और किसान सभी का जीवन बेहतर बनाने के लिए राज्य शासन द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सीएम राईज स्कूल अब सांदीपनि विद्यालय के नाम से जाने जाएंगे। भगवान श्रीकृष्ण राजस्थान से होते हुए अध्ययन के लिए उज्जैन आए थे, अतः पूरे मार्ग में भगवान श्रीकृष्ण जिस-जिस गांव से गुजरे और जहां-जहां लीलाएं हुईं, उन सभी स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में गीता भवन बनाएं जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंदसौर जिले के लिए चार सांदीपनि विद्यालय और एक तहसील भवन की स्वीकृति प्रदान की तथा कृषि उद्योग समागम की सभी प्रदर्शनियों की अवधि एक दिन और बढ़ाए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंदसौर, नीमच क्षेत्र की समृद्ध पुरातत्व सम्पदा का उल्लेख करते हुए कहा कि इनके संरक्षण के लिए राज्य सरकार संवेदनशीलता पूर्वक प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसान कल्याण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सिंचाई का रकबा बढ़ाने, बिजली की उपलब्धता को सुगम बनाने के साथ ही किसान सम्मान निधि देते हुए किसान की मेहनत का सम्मान किया गया है। नदी जोड़ो अभियान के माध्यम से प्रदेश में सिंचाई के रकबे में और अधिक विस्तार होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सीतामऊ में 95 करोड़ के निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने 33 करोड़ 14 लाख से निर्मित (सीएम राइज स्कूल) महर्षि सांदीपनी विद्यालय भवन का चंदवासा एवं 33 करोड़ 49 लाख की लागत से निर्मित महर्षि सांदीपनी विद्यालय भवन का लदुना का लोकार्पण किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने 19 करोड़ 31 लाख रुपए की लागत से निर्मित सुवासरा रूनिजा गुराडिया कला मार्ग का लोकार्पण एवं 9 करोड़ 10 लाख की संयुक्त तहसील कार्यालय भवन कयामपुर का भूमिपूजन किया। मध्यप्रदेश सरकार ने राज्य में सर्वसुविधायुक्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए वर्ष 2022-23 में सीएम राइज विद्यालय की स्थापना की है। जो अब महर्षि सांदीपनि विद्यालय के नाम से पहचानें जा रहे हैं। सांदीपनि विद्यालय परियोजना मध्यप्रदेश शासन की एक महत्वाकांक्षी पहल है जो गरीब वर्ग के विद्यार्थियों को भी विश्व स्तरीय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के विजन के साथ प्रारंभ की गई है। सांदीपनि विद्यालयों में सर्व संसाधन युक्त अधोसंरचना विकसित की गई है। इन विद्यालयों में पूर्ण विकसित स्टीम प्रयोगशाला, वोकेशनल प्रयोगशाला, आईसीटी. प्रयोगशाला, केफेटेरिया, मल्टी परपस कोर्टस, एनसीसी., स्काउट कक्ष, डान्स कक्ष, म्यूजिक कक्ष, स्मार्ट अध्यापन कक्ष, सर्व सुविधायुक्त पुस्तकालय, इन्डोर जिम्नासियम, प्री प्रायमरी कक्षाओं के लिए विशेष प्रकार के कक्ष, फर्नीचर व समस्त प्रकार की खेलकुद की सामग्री आदि की सुविधा प्रदान की गई है। इस विद्यालय में 1 कि.मी. से 15 कि.मी. दूरी से आने वाले बच्चों के लिए परिवहन सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई है। विद्यार्थियों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विषयवार शिक्षकों के साथ-साथ संगीत शिक्षक, नृत्य शिक्षक, कम्प्यूटर शिक्षक, खेल शिक्षक, मनोवैज्ञानिक, केरियर काउंसलर आदि भी नियुक्त किये गये है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कृषक हितग्राहियों को ऋण एवं अनुदान का लाभ प्रदान किया मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कृषि, उद्यानिकी, उद्योग से जुड़ी विभिन्न योजनाओं में अलग-अलग हितग्राहियों को ऋण प्रदान किया तथा उनको अनुदान का लाभ दिया। श्रीमती कृष्णा कुंवर को 4 लाख 95 हजार 450 रुपए का ऋण स्वीकृत कर हितलाभ प्रदान किया। श्री दीपक पाटीदार को 38 लाख का ऋण स्वीकृत कर हितलाभ प्रदान किया। श्री ओमलेश मोधिया को 22 लाख का ऋण एवं 6 लाख 44 हजार अनुदान प्रदान किया। श्री दीपक पाटीदार को 18 लाख का ऋण एवं 18 लाख का अनुदान प्रदान किया। श्री जीवन भील को 23 लाख का ऋण एवं 8 लाख 24 हजार का अनुदान प्रदान किया।

इधर पीएम मोदी ने दिया अल्टीमेटम, उधर पाकिस्तान को लगी मिर्ची, बोला- 'हमें खतरा हुआ तो...'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात दौरे पर हैं. वे मंगलवार को गांधी नगर पहुंचे. पीएम इससे पहले वडोदरा, भुज और दाहोद भी पहुंचे थे. उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बाद अपने गृह राज्य का दौरा किया है. प्रधानमंत्री ने यहां से पाकिस्तान को अल्टीमेटम दे दिया. पीएम मोदी के बयान के बाद पाकिस्तान को मिर्ची लग गई. वह शांति का राग अलापने लगा. पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि पीएम मोदी के बयान से क्षेत्रीय शांति को खतरा है. पाकिस्तान ने पीएम मोदी के बयान पर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने एक्स पर अपना बयान जारी किया है. पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा, ''पाकिस्तान ने भारत के प्रधानमंत्री के गुजरात से दिए गए बयान को नोट किया है. उनके बयान से क्षेत्रीय शांति को खतरा है. हम शांति चाहते हैं, लेकिन अगर हमें खतरा हुआ तो उसका जवाब देंगे.''

पाकिस्तान ने खुद को बताया शांति का समर्थक

पाकिस्तान ने अपने बयान में खुद को शांति का समर्थक बताया है. पाक विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह यूएन मिशन में सबसे आगे रहा है और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में उसने अहम भूमिका निभाई है.

पीएम मोदी ने पाक को दिया सख्त मैसेज

प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात से पाकिस्तान सख्त मैसेज दिया है. वे मंगलवार को गांधी नगर पहुंचे. पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा, ''6 मई की रात जो लोग मारे गए, पाकिस्तान में उन जनाजों को स्टेट ऑनर दिया गया. उनके ताबूतों पर पाकिस्तान के झंडे लगाए गए, वहां की सेना ने उनको सैल्यूट किया.'' पीएम ने कहा, ''ये सिद्ध करता है कि आतंकवादी गतिविधि प्रॉक्सी वॉर नहीं है, ये आपकी (पाकिस्तान) सोची-समझी युद्ध की रणनीति है, आप वॉर ही कर रहे हैं, तो उसका जवाब भी वैसे ही मिलेगा.''

बता दें कि भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया था. इसमें उसने कई आतंकी ठिकानों को तबाह किया था.

पीएम मोदी का गुजरात से पाकिस्तान को सख्त मैसेज, कहा - 'कांटे को निकालकर रहेंगे'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार गुजरात दौरे पर हैं. वे मंगलवार सुबह गांधी नगर पहुंचे. पीएम ने यहां रोड शो किया और इसके बाद जनता को संबोधित किया. प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात से पाकिस्तान को सख्त मैसेज देते हुए कहा कि हम कांटे को निकालकर रहेंगे. उन्होंने कहा कि ईंट का जवाब पत्थर से देना चाहिए. पीएम ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर का भी जिक्र किया. प्रधानमंत्री मोदी ने जनता को संबोधित करते हुए कहा, ''मैं दो दिन से गुजरात में हूं. कल वडोदरा, दाहोद, भुज, अहमदाबाद और आज गांधीनगर, मैं जहां-जहां गया, ऐसा लग रहा है कि देशभक्ति का ज्वार, मातृभूमि के प्रति अपार प्रेम, और ये सिर्फ गुजरात में नहीं हिन्दुस्तान के कोने में है. हर हिन्दुस्तानी के दिल में है. शरीर कितना ही स्वस्थ क्यों न हो, लेकिन अगर एक कांटा चुभता है तो पूरा शरीर दुखता है, हमने तय कर लिया है कि उस कांटे को निकाल कर रहेंगे.''

भारत ने पाकिस्तान को तीन बार चटाई धूल - पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा, ''सरदार पटेल की इच्छा थी कि जब तक पीओके वापस नहीं आता तब तक सेना रुकनी नहीं चाहिए, लेकिन सरदार साहब की बात नहीं मानी गई. ये मुजाहिदीन जो लहू चख गए थे, यह सिलसिला 75 साल से चला है. पहलगाम में भी इसी का विकृत रूप देखने को मिला. हम 75 सालों से झेलते रहे और पाकिस्तान के साथ जब युद्ध की नौबत आई, तीनों बार भारत की सैन्य शक्ति ने पाकिस्तान को धूल चटा दी. पाकिस्तान यह समझ गया है कि

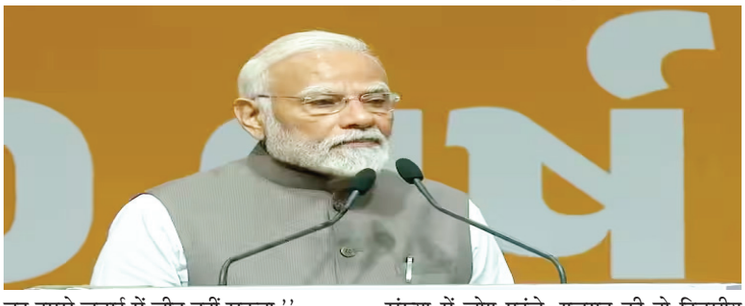

वह हमसे लड़ाई में जीत नहीं सकता.''

गांधी नगर में प्रधानमंत्री मोदी ने किया रोड शो

प्रधानमंत्री ने मंगलवार की गांधीनगर में रोड शो किया और इस दौरान उनके स्वागत में भारी संख्या में लोग पहुंचे. गुजरात की दो दिवसीय यात्रा के दौरान पीएम का यह चौथा रोड शो है. पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारत की सैन्य कार्रवाई के तहत शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह मोदी की अपने गृह राज्य की पहली यात्रा है.

लाड़ली लक्ष्मी उत्सव में बालिकाओं की प्रतिभा को मिला सम्मान
सात सेक्टर मुख्यालयों पर हुआ आयोजन, 125 पौधों का रोपण

मध्य प्रदेश शासन के अंतर्गत परियोजना बाणगंगा द्वारा शुक्रवार को लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन विभिन्न सेक्टर मुख्यालयों—केन्द्र क्रमांक 717 वल्लभ नगर, वंजारा बस्ती, सूरज नगर, अन्नानगर पार्षद कार्यालय, वार्ड 59, केन्द्र क्रमांक 765 राहुल नगर, 783 कोलाज, 1034 पिपलियाँ पेंदे खां, तथा 684 न्यू एम.एल.ए कॉलोनी बाणगंगा पर किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक कन्या पूजन से हुई। इसके पश्चात 'अपराजिता' अभियान के अंतर्गत बालिकाओं द्वारा मार्शल आर्ट का प्रदर्शन किया गया।

बालिका आयुषी ने मार्शल आर्ट से जुड़ी आत्मरक्षा की विधियों का प्रदर्शन करते हुए उसकी उपयोगिता को रेखांकित किया। इस अवसर पर शिक्षा, खेल, नृत्य एवं संगीत के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 45 बालिकाओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इनमें कु. रागिनी प्रजापति (कबड्डी, स्टेट स्तर) और कु. रिशिका सातनकर (संगीत, स्टेट स्तर) विशेष रूप से उल्लेखनीय रहीं। इसके अतिरिक्त 35 लाभार्थी बालिकाओं को लाड़ली लक्ष्मी योजना के आश्वासन प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। 'एक पेड़ लाड़ली के नाम' अभियान के तहत 125 पौधों का रोपण किया गया जिसमें आँवला, अमरूद, नीबू, आम, मुनगा, संतरा और पपीता जैसे फलदार पौधे शामिल थे। इस आयोजन में सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती उषा शर्मा, श्रीमती रीना भांगरे, श्रीमती नीलम शर्मा, श्रीमती नीलोफर अली, श्रीमती पूनम सोनी, श्रीमती वरूणलता मिश्रा, श्रीमती चन्द्रावती अमरूते, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं, शौर्य दल सदस्य, आरंभ संस्था से श्रीमती रेनू कश्यप, उदय संस्था, मुस्कान संस्था, निपसिड बचपन के प्रतिनिधि, मार्शल आर्ट प्रशिक्षु बच्चे एवं बड़ी संख्या में हितग्राही शामिल हुए। यह आयोजन बालिकाओं के सशक्तिकरण और जागरूकता की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल रहा।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों के विरूद्ध धारा-163 के तहत कार्यवाही की जाएगी - पुलिस आयुक्त भोपाल श्री मिश्र

पुलिस आयुक्त भोपाल श्री हरिनारायणचारी मिश्र ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों के विरूद्ध एवं भोपाल में जन सुरक्षा तथा लोक परिशांति बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए है। जारी आदेश अनुसार कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, हाईक, एस.एम.एस. टेलीग्राम एवं अन्य सोशल मीडिया साइट आदि का दुरुपयोग कर धार्मिक, सामाजिक, जातिगत भावनाओं एवं विद्वेष को भड़काने के लिए किसी भी प्रकार के संदेशों का प्रसारण नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म में किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक एवं उन्माद फैलाने वाले संदेश, फोटो, वीडियो, ऑडियो इत्यादि जिससे धार्मिक, सामाजिक, जातिगत आदि भावनाएं भड़क सकती हैं या सांप्रदायिक विद्वेष पैदा हो सकता है उसे प्रसारित नहीं करेगा। सोशल मीडिया के किसी भी पोस्ट जिसमें धार्मिक, सांप्रदायिक एवं जातिगत भावना भड़कती हो, को कमेंट, लाइक, शेयर या फॉरवर्ड नहीं करेगा। ग्रुप एडमिन की यह व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी कि वह ग्रुप में इस प्रकार के संदेशों को रोके। कोई भी व्यक्ति सामुदायिक, धार्मिक, जातिगत विद्वेष फैलाने या लोगों अथवा समुदाय के मध्य घृणा, वैमनस्यता पैदा करने या दुष्प्रेरित करने या उकसाने या हिंसा फैलाने का प्रयास उपरोक्त माध्यमों से नही करेगा और न ही इसके लिए किसी को प्रेरित करेगा। कोई भी व्यक्ति अफवाह या तथ्यों को तोड़ मरोड़कर भड़काकर उन्माद उत्पन्न करने वाले संदेश जिससे लोग या समुदाय विशेष, हिंसा या गैर कानूनी गतिविधियों में शामिल हो जाएं, को प्रसारित नहीं करेगा और न ही लाइक, शेयर या फारवर्ड करेगा और न ही ऐसा करने के लिए किसी को प्रेरित करेगा। कोई भी व्यक्ति, समुदाय ऐसे संदेशों को प्रसारित नहीं करेगा, जिसमें किसी व्यक्ति, संगठन, समुदाय आदि को एक स्थान पर एक राय होकर जमा होने और उनसे कोई गैरकानूनी गतिविधियां करने के लिए आव्हान किया गया हो, जिससे कानून एवं शांति व्यवस्था भंग होने की प्रबल संभावना विद्यमान हो। भोपाल शहर की सीमा में किसी भी साइबर कैफे के स्वामी संचालक द्वारा किसी भी अनजान व्यक्ति जिसका परिचय किसी विश्वसनीय प्रमाण-पत्र जैसे परिचय पत्र, मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड, ड्राइविंग लायसेंस, पासपोर्ट फोटोयुक्त, पैन कार्ड या ऐसे ही अन्य साक्ष्य से प्रमाणित न हो को साइबर कैफे का उपयोग नहीं करने दिया जायेगा। साइबर कैफे के स्वामी/संचालक द्वारा समस्त आगंतुकों/प्रयोगकर्ताओं का रजिस्टर रखा जाना आवश्यक है जिसमें उनका हस्तलिखित नाम, पता, दूरभाष नम्बर तथा परिचय का प्रमाण पत्र अंकित हो इसके बिना सायबर कैफे का प्रयोग वर्जित होगा। साइबर कैफे में बिना वेब कैमरा लगाये जिसमें प्रत्येक आगंतुक /प्रयोगकर्ताओं की फोटो खींची जा सके तथा उसका अभिलेख सुरक्षित रखा जाना आवश्यक होगा। भोपाल नगर की सीमा में उपरोक्त गतिविधियों को प्रतिबंधित किया जाता है। चूंकि यह आदेश जन सामान्य के जानमाल की सुरक्षा तथा भविष्य में लोकशांति भंग होने की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए जारी किया गया है तथा इतना समय उपलब्ध नहीं है कि जन सामान्य व इससे सम्बंधित सभी पक्षों को उक्त सूचना की तामीली की जा सके। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा- 163 (2) के अंतर्गत एक पक्षीय पारित किया जाता है। आदेश से व्यथित व्यक्ति भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के अंतर्गत अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत कर सकेगा। अत्यंत विशेष परिस्थितियों में अधोहस्ताक्षर कर्ता संतुष्ट होने पर आवेदक को किसी भी लागू शर्तों से छूट दे सकेगा। यह आदेश तत्काल प्रभावी होगा और यदि बीच में वापस ना लिया गया तो आगामी दो माह तक लागू रहेगा।

नीट यूजी परीक्षा केंद्रों पर चिकित्सा व्यवस्था के लिए तैनात रहेगी मेडिकल टीम

कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय,भोपाल द्वारा परीक्षा केंद्रों पर चिकित्सा सम्बन्धी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए मेडिकल टीम की ड्यूटी लगाई गई है। मेडिकल कॉलेज में स्नातक प्रवेश के लिए 4 मई को आयोजित नेशनल एलिजिबिलिटी एंट्रेंस टेस्ट-2025 परीक्षा राजधानी के 35 केंद्रों पर आयोजित होगी। परीक्षा में 14 हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल होंगे। परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए कलेक्टर भोपाल श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए थे। आकस्मिक चिकित्सा हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक परीक्षा केंद्र के लिए एक चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ की व्यवस्था की गई है। विभाग द्वारा 50 टीमों की तैनाती की गई है, जिसमें चिकित्सक एवं पैरामेडीकल स्टाफ सेवाएं देंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि परीक्षार्थियों की लिए आवश्यक चिकित्सा व्यवस्थाएं की गई है। समन्वय के लिए जोनल मेडिकल टीम तैयार रहेगी। 108 एम्बुलेंस वाहन भी क्विक रिस्पांस

कस्टम हायरिंग सेंटर बनाकर किसानों को कृषि उपकरण किराए पर उपलब्ध कराएं : श्री सिंह

संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने अधिकारियों को ग्राम स्तर पर कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को आवश्यक कृषि उपकरण किराए पर उपलब्ध कराए जा सकें। इससे किसान पराली जलाने के बजाय वैकल्पिक तकनीकों का उपयोग करने के लिए प्रेरित होंगे। संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने पराली जलाने की समस्या से निपटने एवं नरवाई प्रबंधन को लेकर आज आयुक्त कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

पिपलिया मंडी चौकी परिसर में सिम और मोबाइल विक्रेताओं की बैठक आयोजित

पिपलियामंडी। चौकी परिसर में शुक्रवार श्याम को मोबाइल एंड सिम व्यापारियों के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का उद्देश्य सिम वेरिफिकेशन प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाना और मोबाइल विक्रेताओं को साइबर सुरक्षा एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी देना रहा। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी श्री विक्रम सिंह इनवे ने की, वहीं चौकी प्रभारी धर्मेश सिंह सहित पुलिस बल के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस दौरान व्यापारियों को बताया गया कि सिम कार्ड जारी करते समय ग्राहक की सही पहचान (KYC) सुनिश्चित करना अनिवार्य है। फर्जी दस्तावेजों या बिना सत्यापन के जारी की गई सिम का दुरुपयोग बढ़ते साइबर अपराधों में किया जा सकता है, जिससे दुकानदार भी कानूनी कार्रवाई के दायरे में आ सकते हैं। चौकी प्रभारी धर्मेश सिंह ने कहा कि पुलिस प्रशासन का उद्देश्य व्यापारियों के साथ मिलकर समाज में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना है। उन्होंने सभी दुकानदारों से अपील की कि वे ग्राहकों का पूरा सत्यापन कर ही सिम जारी करें और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। व्यापारियों ने भी बैठक में सहयोग कर आश्वासन दिया और इस प्रकार की जागरूकता बैठकों के आयोजन की सराहना की।

आचार्य शंकर का जीवन समाज कार्य की प्रेरणा देता है - श्री मोहन नागर

आचार्य शंकराचार्य जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद भोपाल द्वारा शुक्रवार को व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा) श्री मोहन नागर, विशिष्ट अतिथि कार्यपालक निदेशक डॉ. बकुल लाड, संभाग समन्वयक श्री वरुण आचार्य प्रतिज्ञा समाज कल्याण सेवा समिति के संचालक एवं समाजसेवी श्री अनिल उपाध्याय थे। कार्यक्रम का शुभारंभ आदिगुरु शंकराचार्य के चित्र पर पूजन अर्चन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर जी ने अपने उदगार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की सांस्कृतिक एकता के लिए वातावरण निर्माण का कार्य आदिगुरु शंकराचार्य जी ने किया। आचार्य शंकर ने सभी वेदों के भाष्य लिखकर उनका सरलीकरण कर समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया। अद्वैतवाद के सिद्धांत के बारे में भी विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि आदिगुरु शंकराचार्य जी ने उपनिषदों और ब्रह्मसूत्र की व्याख्या करते हुए अद्वैत वेदांत दर्शन की स्थापना की, जो सभी प्राणियों की आत्मा की ब्रह्म से एकता पर बल देता है। आदि शंकराचार्य के योगदान ने भारतीय संस्कृति, धर्म और दर्शन को आकार दिया है। उनके दर्शन और शिक्षाएं आज भी लोगों को प्रेरणा और मार्गदर्शन देती हैं। मुख्य अतिथि डॉ. बकुल लाड ने सभी को आदिगुरु शंकराचार्य जी के जीवन से प्रेरणा लेकर सभी को समाज कार्य करने और उनके मार्ग पर चलने हेतु प्रेरित किया। संभाग समन्वयक श्री वरुण आचार्य द्वारा सभी श्रोताओं को जल

गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल संरक्षण का संकल्प दिलाया। जिला समन्वयक श्रीमती कोकिला चतुर्वेदी ने कार्यक्रम के उद्देश्य से सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन परामर्शदाता श्री आयुष दुबे एवं आभार श्री अनिल उपाध्याय द्वारा किया गया। इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक श्री नंदकिशोर मालवीय, श्री मुकेश गौर, सुश्री टीना शर्मा सहित बड़ी संख्या में परिषद से जुड़ी नवांकुर संस्थाएं, सीएमसीएलडीपी परामर्शदाता एवं छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए।

नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन, 4257 प्रकरणों का हुआ निपटारा

नीमच। इस वर्ष की दूसरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन शनिवार को जिले में भव्य रूप से किया गया। सुबह 10 बजे से नवीन न्यायालय भवन में लोक अदालत की कार्यवाही शुरू हुई, जिसका उद्घाटन मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया।जिले भर में कुल 17 खंडपीठें स्थापित की गईं, जिनमें नीमच मुख्यालय पर 10, मनासा में 4 और जावद में 3 खंडपीठें शामिल रहीं। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्रसिंह राजपूत की उपस्थिति में सभी न्यायाधीशों ने कार्यवाही में भाग लिया।इस लोक अदालत में कुल 4257 प्रकरणों का समाधान राजीनामे के माध्यम से किया गया। इनमें से 1757 प्रकरण न्यायालय में लंबित थे, जबकि 2500 प्रकरण प्री-लिटिगेशन श्रेणी के थे।बैंक, बीमा और नगरीय निकायों से संबंधित आपराधिक व प्री-लिटिगेशन मामलों की सुनवाई नए कोर्ट परिसर में की गई, जबकि पारिवारिक विवादों की सुनवाई पुराने कोर्ट भवन स्थित कुटुंब न्यायालय में संपन्न हुई।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव शोभना मीणा और जिला विधिक सहायता

अधिकारी प्रवीण कुमार ने बताया कि आमजन को न्यायालयीन शुल्क में विशेष छूट प्रदान की गई है। इसके साथ ही पक्षकारों की काउंसलिंग के लिए सामाजिक कार्यकर्ताओं को सदस्य बनाया गया है।नगर पालिका द्वारा कुल 130 प्रकरण प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 50 जलकर और 80 संपत्तिकर के बकायादार शामिल थे। सभी को नोटिस जारी कर दिए गए हैं और टैक्स जमा करने वालों को शुल्क में राहत का लाभ दिया जाएगा।

नृसिंह चतुर्दशी पर नीमच-मनासा में हुए भव्य आयोजन

नीमच। भक्त प्रहलाद की भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने सिंह का अवतार रूप लिया और भगवान नृसिंह के रूप में खंभे से प्रकट हुए। प्रकट होने के बाद उन्होंने राक्षस हिरण्य कश्यप का वध किया और भक्त प्रहलाद को दर्शन किए। मनासा में नृसिंह भगवान के दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु उमड़े। मनासा के बद्री विशाल मंदिर पर भव्य नृसिंह जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भगवान नृसिंह के प्रकाटोत्सव के स्वरूप के देखने के लिए हजारो श्रद्धालु मंदिर के बाहर कतारबद्ध दिखे। भगवान नृसिंह प्रकट हुए तो पूरा मनासा जय नृसिंह भगवान से गूंज उठा। नीमच के घंटाघर स्थित नृसिंह मंदिर पर नृसिहं जंयती के अवसर पर भव्य आयोजन किया गया। भगवान नृसिंह ने प्रकटोत्सव हुआ और दर्शन दिए।

मंदिर की ध्वजा नास्तिक को भी बना देती है आस्तिक

साध्वी स्मित दर्शिता श्री जी महाराज साहब, शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर पर12वीं ध्वजारोहण में उमड़े श्रद्धालु भक्त

नीमच जो व्यक्ति मंदिर में ध्वजा चढ़ाने का धर्म लाभ लेता है उसकी वंश परंपरा कभी नहीं रुकती है उसके वंश परिवार जन सभी धर्म कर्म करते हुए आनंद के साथ जीवन जीते हैं। मंदिर की धर्म ध्वजा आस्तिक को भी नास्तिक बना देती है।यह उद्गार साध्वी स्मित दर्शिता श्री जी महाराज साहब ने व्यक्त किए।वे पार्श्वनाथ राजेंद्र सूरी जैन मंदिर जैन कॉलोनी नीमच पर वैशाख सुदी पूर्णिमा सोमवार को 12वें ध्वजा महोत्सव पर आयोजित धर्म सभा में बोल रही थी। इस अवसर पर सरल स्वभावी स्मित दर्शिता श्री जी महाराज साहब आदि ठाना 4 महाराज साहब के पावन सानिध्य में संघवी राजमल सुशील कुमार राजेंद्र प्रसाद तन्मय जयवर्धन इवान डूंगरवाल परिवार द्वारा ध्वजा चढ़ाई गई। सुबह 6:30 बजे मंदिर जी पर स्नात्र पूजन, सुबह 7 बजे सत्तर भेदी पूजन किया गया।इस अवसर पर विधिकारक पंकज जैन झारडा ने वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ पूजा करवाई। संघवी डूंगरवाल परिवार के निवास स्थान दशहरा मैदान से ध्वजा का जुलूस मंदिर जी पर पहुंचने के बाद 9 बजे ध्वजारोहण डूंगरवाल परिवार द्वारा किया गया। ।इस अवसर पर पार्श्वनाथ राजेंद्र सूरी राजमल पानबाई डूंगरवाल चैरिटेबल ट्रस्ट नीमच के अध्यक्ष संघवी राजेंद्र डूंगरवाल, सचिव अरुण चौरडिया, कोषाध्यक्ष प्रकाश चोरडिया , वरिष्ठ भाजपा नेता संतोष चोपड़ा, श्री जैन श्वेतांबर भीडभंजन पार्श्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष अनिल नागोरी, सचिव मनीष कोठारी, प्रेम चन्द्र कोठारी ,मनोहर सिंह लोढ़ा बाबूलाल लोढ़ा, दिगंबर जैन

समाज केअध्यक्ष विजय विनायका जैन ब्रोकर्स, विमल सकलेचा, विकास रुंगरेचा,चन्दू पामेचा, अनिल बैगानी, भारत जारोली, राजेंद्र जारोली, राजेश जैन, राजेश मानव, राहुल जैन, प्रकाश बडोला, शिखर चंद पगारिया,अनिल नाहटा,सुनिल कटारिया,मनिष मारु, सहित बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित थे।

नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन, 4257 प्रकरणों का हुआ निपटारा

नीमच। इस वर्ष की दूसरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन शनिवार को जिले में भव्य रूप से किया गया। सुबह 10 बजे से नवीन न्यायालय भवन में लोक अदालत की कार्यवाही शुरू हुई, जिसका उद्घाटन मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया।जिले भर में कुल 17 खंडपीठें स्थापित की गईं, जिनमें नीमच मुख्यालय पर 10, मनासा में 4 और जावद में 3 खंडपीठें शामिल रहीं। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्रसिंह राजपूत की उपस्थिति में सभी न्यायाधीशों ने कार्यवाही में भाग लिया।इस लोक अदालत में कुल 4257 प्रकरणों का समाधान राजीनामे के माध्यम से किया गया। इनमें से 1757 प्रकरण न्यायालय में लंबित थे, जबकि 2500 प्रकरण प्री-लिटिगेशन श्रेणी के थे।बैंक, बीमा और नगरीय निकायों से संबंधित आपराधिक व प्री-लिटिगेशन मामलों की सुनवाई नए कोर्ट परिसर में की गई, जबकि पारिवारिक विवादों की सुनवाई पुराने कोर्ट भवन स्थित कुटुंब न्यायालय में संपन्न हुई।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव शोभना मीणा और जिला विधिक सहायता अधिकारी प्रवीण कुमार ने बताया कि आमजन को न्यायालयीन शुल्क में विशेष छूट प्रदान की गई है। इसके साथ ही पक्षकारों की काउंसलिंग के लिए सामाजिक कार्यकर्ताओं को सदस्य बनाया गया है।नगर पालिका द्वारा कुल 130 प्रकरण प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 50 जलकर और 80 संपत्तिकर के बकायादार शामिल थे। सभी को नोटिस जारी कर दिए गए हैं और टैक्स जमा करने वालों को शुल्क में राहत का लाभ दिया जाएगा।

नीमच में होगा राजपूत समाज का महासम्मेलन

कार्यक्रम में शामिल होने कई बड़ी हस्तियां पहुंचेंगी नीमच

नीमच। शहर में 2 जून को राजपूत समाज का ऐतिहासिक महासम्मेलन और शौर्य यात्रा का आयोजन होने जा रहा है, जिसे लेकर पूरे शहर में उत्साह और तैयारी जोरों पर है। इस विराट आयोजन में मेवाड़ और राजसमंद के सांसद जी हुजूर विश्वराज सिंह मेवाड़ बतौर मुख्य अतिथि नीमच पहुंचेंगे | राजपूत समाज इस आयोजन को अपनी एकता, स्वाभिमान और शौर्य का प्रतीक बनाने के लिए पूरी ताकत से जुटा हुआ है। रविवार को इस आयोजन की तैयारियों को आज नई दिशा मिली जब विधायक दिलीप सिंह परिहार ने महाराणा प्रताप चौराहा स्थित ग्वालटोली रोड पर मुख्य कार्यालय का फीता काटकर शुभारंभ किया। विधायक परिहार ने समाजजनों से तन-मन-धन से सहयोग की अपील करते हुए कहा, यह आयोजन नीमच के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा।अखिल भारतीय राजपूत महासभा के जिला अध्यक्ष हिम्मत सिंह ने बताया कि इस महासम्मेलन में महाराजा भिंडर, महाराजा सलूंबर, रविंद्र सिंह भाटी, चित्तौड़ विधायक चंद्रभान सिंह आकया, पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, शिव प्रताप सिंह, समेत कई बड़ी हस्तियां शामिल होंगी।2 जून को सुबह महाराणा प्रताप चौराहा से शौर्य यात्रा वाहन रैली के रूप में निकलेगी, जो नीमच सिटी के प्रमुख मार्गों से होते हुए दशहरा मैदान पहुंचेगी। यहीं पर महासम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

दिव्यांगजनों के प्रमाण पत्र बनाने,विशेष शिविर 14 को जीरन में आयोजित

नीमच मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा.दिनेश प्रसाद ने बताया, कि कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में दिव्यांगजनों की समस्याओं के निराकरण के लिये विशेष शिविर का आयोजन वर्ष में दो बार किया जा रहा है। प्रथम चरण के सफल आयोजन के पश्चात द्वितीय चरण में शिविर का आयोजन जारी है। इसी कडी में 14 मई को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जीरन में दिव्यांगजनों की सहायता हेतु शिविर का आयोजन किया गया है।

इस शिविर में दिव्यांगजनों के दिव्यांगता की जाच की जाकर, उनके दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाए जाऐंगे। साथ ही उनकी स्वास्थ्य से जुडी समस्याओं का निराकरण भी किया जावेग।

साथ ही आवश्यकतानुसार रेल्वे में छुट हेतु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु भी पंजीयन किया जावेगा।डा.प्रसाद ने बताया, कि इस शिविर में आवश्यकतानुसार रतलाम एवं मंदसौर के चिकित्सक भी उपस्थित रहेंगे। जिससे समस्त प्रकार की दिव्यांगता से संबन्धित प्रमाण पत्र बनाए जाऐंगे।

स्वामी विवेकानंद की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा इंदौर में होगी स्थापित : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

नीमच। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में इंदौर के सिरपुर स्थित देवी अहिल्या सरोवर उद्यान में स्वामी विवेकानंद की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा स्थापना के लिए भूमि-पूजन किया। महापुरुषों के जीवन दर्शन को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के उद्देश्य से यह एक ऐतिहासिक पहल की जा रही है। यह भव्य प्रतिमा स्वामी जी की शिक्षाओं और दर्शन को जन-जन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बनेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत में संत परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है और उनमें से स्वामी विवेकानंद विलक्षण संत थे। उन्होंने निराकार ईश्वर के उपासक के रूप में मानवता की सेवा को अपने जीवन का उद्देश्य बनाया। स्वामी विवेकानंद का मानना था कि "मैं देखूंगा तो ही मानूंगा" जो उनके तर्कशील और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने शरीर के माध्यम से जीवन सेवा का मंत्र दिया और आत्मनिर्भरता का आशीर्वाद प्राप्त कर मृत्यु पर विजय प्राप्त की। उन्होंने दुर्बलता और हीनता को जीवन का हिस्सा मानने से इनकार करते हुए इसे मृत्यु के समान बताया। उनका विश्वास था कि साहस, सामर्थ्य और आत्मबल के सहारे व्यक्ति सभी कमजोरियों को पार कर सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का संपूर्ण जीवन त्याग, सेवा और आत्मबोध का प्रतीक था। शिकागो धर्म संसद में दिया गया उनका ऐतिहासिक भाषण 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना का जीवंत उदाहरण है, जिसने विश्व पटल पर भारत की संस्कृति और अध्यात्म का ध्वज लहराया। उन्होंने जीवन को अंदर से बाहर की ओर विकसित करने का मंत्र दिया और कर्म को ही साधना बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आह्वान किया कि स्वामी विवेकानंदजी के सिद्धांत और विचार आज भी अत्यंत प्रासंगिक हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवनिर्मित अपोलो हॉस्पिटल का किया अवलोकन कैंसर यूनिट और पेट स्कैन मशीन का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अपोलो हॉस्पिटल, जबलपुर सहित मध्य भारत के लिए स्वास्थ्य जगत के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने संस्कारधानी को मिली अपोलो हॉस्पिटल की श्रृंखला की सौगात को संपूर्ण महाकौशल के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को जबलपुर पाटन बायपास स्थित नवनिर्मित अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल के कैंसर यूनिट के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हॉस्पिटल में पेट स्कैन मशीन का शुभारंभ करने के साथ हॉस्पिटल का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल के प्रबंधक बड़ेरिया परिवार की प्रशंसा की। उन्होंने ने कहा कि कोरोना काल में स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनके द्वारा दी गई सेवाएं अविस्मरणीय हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस हॉस्पिटल में स्थापित राधाकृष्ण जी की प्रतिमा की पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना की। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, सांसद श्री आशीष दुबे, महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक पनागर श्री सुशील तिवारी इंदु, जबलपुर केंट के विधायक श्री अशोक रोहाणी, जबलपुर उत्तर के विधायक डॉ. अभिलाष पांडे, विधायक सिहोरा श्री संतोष वरकड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोटिया, भाजपा के नगर अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर, भाजपा के ग्रामीण अध्यक्ष श्री राजकुमार पटेल, पूर्व महापौर श्री प्रभात साहू, पूर्व विधायक श्री नीलेश अवस्थी, डॉ. जितेंद्र जामदार, कलेक्टर दीपक सक्सेना, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव, अस्पताल प्रबंधन के सौरभ बड़ेरिया, डॉ. राजीव बड़ेरिया, शोभित बड़ेरिया एवं डॉ. सुनील मिश्रा सहित अस्स्पताल के चिकित्सक, स्टॉफ व आमजन उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी को मंत्रि-परिषद ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए दी बधाई

कम समय में तकनीकी श्रेष्ठता के साथ सेना द्वारा तीव्र गति से की गई कार्रवाई ने विश्व को भारत के बदलते दौर के नेतृत्व क्षमता से परिचित करवाया मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की साझी ऐतिहासिक-सांस्कृतिक विरासत पर गतिविधियां होंगी संचालित मध्यप्रदेश के 2 और महाराष्ट्र के 3 ज्योतिर्लिंगों को मिलाकर सर्किट किया जाएगा विकसित मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक के पहले सदस्यों को किया संबोधित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पाकिस्तान के विरुद्ध संचालित ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की ओर से बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी, रक्षा मंत्री, केंद्रीय गृहमंत्री, भारतीय सेना और अर्ध सैनिक बलों के सभी जवानों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि तकनीक का उपयोग करते हुए, कम समय में तीव्र गति से की गई कार्रवाई से विश्व, भारत के बदलते दौर के नेतृत्व की क्षमता से परिचित हुआ है, यह सभी भारतवासियों के लिए सौभाग्य का विषय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में मंत्रीगण को प्रदेश में गेहूं उपार्जन की स्थिति, महाराष्ट्र के साथ नदी जोड़ो अभियान के लिए हुए एमओयू, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश द्वारा परस्पर समन्वय से आगामी दिनों में की जाने वाली सांस्कृतिक-धार्मिक व इतिहास केंद्रित गतिविधियों, प्रदेश में निवेश संवर्धन और औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के लिए बेंगलुरु और इंदौर में होने वाले आयोजनों तथा 20 मई को इंदौर में होने वाली मंत्रि-परिषद की बैठक तथा विजन डॉक्यूमेंट@2047 पर चर्चा के संबंध में अवगत कराया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गेहूं उपार्जन में 5 मई तक प्रदेश के 3475 केंद्रों पर उपार्जन हुआ, इसमें 9 लाख किसानों की फसल का उपार्जन हुआ। प्रदेश में 77.74 लाख मैट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया गया, जिसमें से 74.42 लाख मीट्रिक टन भंडारण में आ गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि किसानों को अब तक 18 हजार 471 करोड़ रुपए का भुगतान भी किया जा चुका है। अब मात्र 400 करोड़ रुपए का भुगतान शेष है, जो शीघ्र कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस के साथ 10 मई को तापी बेसिन मेगा रिचार्ज योजना के संबंध में हुए एम.ओ.यू. की मंत्रि-परिषद को बधाई दी। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि यह नदी जोड़ो अभियान का राज्य सरकार का तीसरा एम.ओ.यू. है। इस परियोजना से बुरहानपुर व खण्डवा जिले में भूजल में सुधार होगा। मध्यप्रदेश को 1 लाख 23 हजार हैक्टेयर और महाराष्ट्र को 2 लाख 37 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। इस परियोजना को राष्ट्रीय स्तर पर अंतर्राज्यीय योजना के रूप में भारत सरकार से स्वीकृत कराने के लिए त्रिपक्षीय समझौते पर सहमति बनी है। इसकी विशेषता यह होगी कि प्रदेश को परियोजना की मात्र 5 प्रतिशत राशि देनी होगी,

शेष लागत केन्द्र सरकार द्वारा वहन की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र का साझा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भ रहा है। दोनों राज्यों द्वारा बाजीराव पेशवा, तात्या टोपे, रानी लक्ष्मीबाई, अप्पाजी भोंसले इत्यादि के गौरवशाली अतीत की घटनाओं के इतिहास लेखन, दस्तावेज संकलन, डिजिटाइलिजेशन, मोढ़ी लिपि के संरक्षण, लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर के धार्मिक-प्रशासनिक अवदानों के संरक्षण के लिए कार्य करने पर सहमति हुई है। मध्यप्रदेश में उज्जैन और ओंकारश्वर के ज्योतिर्लिंग तथा महाराष्ट्र के 3 ज्योतिर्लिंग का सर्किट विकसित करने पर भी सहमति हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि शेगांव के गजानन ट्रस्ट द्वारा इच्छुक व्यक्तियों को सेवा का प्रशिक्षण देकर स्वयं सेवकों को सेवा और प्रबंधन के कार्य में लगाया जाता है। उनकी इस प्रणाली का लाभ महाकाल मंदिर प्रबंधन के लिए लेने पर भी विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि शुक्रवार 16 मई को इंदौर में रीजनल ग्रोथ कॉन्क्लेव मैन मेड टेक्निकल टेक्सटाइल एक्सपो का आयोजन होने जा रहा है। इसी प्रकार 14 मई को बैंगलोर में निवेश संवर्धन के संबंध में संवाद होगा।

वर्ष 2025 की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन

लोक अदालत में राजीनामा के आधार पर कुल 17130 गामलों का हुआ निराकरण* 59 करोड़ 68 लाख रूपये से अधिक की राशि पारित

नेशनल लोक अदालत का आयोजन शनिवार को आयोजित लोक अदालत में कुल निराकृत प्रकरणों की संख्या 17130, लंबित टेकन अप प्रकरणों की कुल संख्या 2775, निराकृत लंबित प्रकरणों की कुल संख्या 2258, प्री-लिटिगेशन टेकन अप प्रकरणों की कुल संख्या 16087, निराकृत प्री-लिटिगेशन प्रकरणों की कुल संख्या 14872,चेक बाउंस से संबंधित निराकृत कुल प्रकरणों की संख्या 423,मोटर दुर्घटना दावा से संबंधित निराकृत कुल प्रकरणों की संख्या 308, आपराधिक राजीनामा योग्य प्रकरणों की संख्या 554, पारिवारिक प्रकरणों की संख्या 116, बैंक रिकवरी के प्रकरणों की संख्या 396, व्यवहार वाद के प्रकरणों की संख्या 925, विद्युत अधिनियम के प्रकरणों की संख्या 1369, श्रम विभाग से संबंधित प्रकरणों की संख्या 5, यातायात नियमों के उल्लघन संबंधी ई-टैफिक चालान 61,जलकर एवं सम्मपति कर संबंधी प्रकरणों की संख्या 12655 अन्य प्रकरणों की संख्या 318 को आयोजित नेशनल लोक अदालत में अभी तक प्राप्त आकंड़ो के अनुसार कुल निराकृत प्रकरणों की संख्या 17130, नेशनल लोक अदालत में कुल अवार्ड राशि 42,53,13,166, नेशनल लोक अदालत के माध्यम से प्रीलिटिगेशन के ट्रैफिक ई-चालान जमा करने की सर्वप्रथम शुरुआत की गई जिसे प्रदेश के सभी महानगरों में ट्रैफिक ई चालान के प्रीलिटिगेशन प्रकरण नेशनल लोक अदालत में रखे जाने लगे। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव, सचिव श्री सुनीत अग्रवाल एवं न्यायाधीशगण, पुलिस उपायुक्त श्रीमती श्रृद्धा तिवारी, अपर कलेक्टर श्रीमती निधि चौकसे, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री दीपक खरे एवं अन्य कार्यकारिणीय सदस्यों, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री बी.एम. सिंह, अधिवक्तागण की उपस्थिति में माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण कर नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया गया एवं लोक अदालत का निरीक्षण किया।नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया जिसमें कुल 60 खण्डपीठों का गठन किया गया। लोक अदालत के सफल आयोजन में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण, कर्मचारीगण का भरपूर

सहयोग रहा। सफल स्टोरी बिदु देहरिया की सड़क दुर्घटना में 28 मार्च 2023 को वाहन ट्रेलर क्रमांक NL01 Q 7151 से जलगाव ठाणे के पास सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने के कारण उनकी पत्नी ममता डहरिया एवं उनकी परिजनों द्वारा दावा आवेदन पत्र मोटर यान अधिनियम के तहत माननीय ग्यारहवें अतिरिक्त मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण भोपाल के समक्ष क्षतिपूर्ति राशि रूपए पिच्चासी लाख प्राप्त करने के लिए प्रस्तुत किया गया है। बीमा कंपनी टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा आज नेशनल लोक अदालत के माध्यम से रूपसे तैतीस लाख में समझौता किया गया है। उक्त समझौता माननीय ग्यारहवें अतिरिक्त मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण भोपाल श्रीमती सुचिता श्रीवास्तव के समक्ष हुआ। आवेदक की ओर से अधिवक्ता श्रीमती शशि जोशी एवं बीमा कम्पनी की ओर से अधिवक्ता अजय कुमार पाण्डेय उपस्थित रहे। उभयपक्ष का विवाह 13 दिसम्बर 2015 को हुआ था, विवाह के पश्चात कुछ समय अच्छे से रहने के उपरांत पति पत्नी के मध्य परस्पर जीवन यापन की व्यवहारिक समस्यों और विचारधारा को लेकर विवाद होने पर पत्नी अपने माता-पिता के घर पर वर्ष 2025 में चली गई पत्नी द्वारा पत्नी को वापस लाने का प्यार किया गया परन्तु विफल रहा परिणाम स्वरूप पति ने पत्नी के विरूद्ध विवाह विच्छेद की याचिका प्रस्तुत की गयी जिसका प्रकरण न्यायालय श्री समीर कुलश्रेष्ठ के न्यायालय में प्रकरण क्रमांक RCS HM 1108/2019 दर्ज किया गया।नेशनल लोक अदालत में उभयपक्ष के मध्य सुलह के प्रयास करने पर सफल हुआ और पति पत्नी संयुक्त रूप से जीवन यापन करने के लिये तैयार हो गये।

चिकित्सा आपदा की तैयारियों को लेकर सीएमएचओ ने ली नोडल अधिकारियों और संस्था प्रभारियों की बैठक

पड़ोसी देश के साथ मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए आपातकालीन चिकित्सा तैयारियों के संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल द्वारा शनिवार को विभागीय नोडल अधिकारियों, अस्पताल अधीक्षकों, खंड चिकित्सा अधिकारियों की बैठक ली गई। बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन के निर्देशों की जानकारी देकर तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में संभावित चिकित्सा आपात स्थितियों के लिए उच्च अलर्ट पर रहने और व्यापक तैयारी सुनिश्चित करने के लिए बिंदुवार चर्चा की गई। सीएमएचओ ने नोडल अधिकारियों और संस्था प्रभारियों को अधीनस्थ स्वास्थ्य संस्थाओं में आपातकालीन स्थिति के दौरान मास कैजुअल्टी प्रबंधन के लिए विद्युत व्यवस्था , जनरेटर, पानी, ऑक्सीजन, अग्निशमन यंत्रों की जांच कर उन्हें सक्रिय अवस्था में रखने के निर्देश दिए गए। सभी बड़े अस्पतालों में लैंडलाइन नंबर को एक्टिव कर संस्था में आने वाले मरीजों को इसकी जानकारी दी जाएगी ताकि इंटरनेट सेवा बाधित होने पर इन नंबरों पर संपर्क किया जा सके। अस्पतालों में ड्रग स्टोर के साथ साथ सभी आवश्यक दवाइयां वार्ड में भी रखी जाएंगी। इमरजेंसी की स्थिति में जनरेटर, इन्वर्टर के साथ साथ ड्राई बैटरी टॉर्च की व्यवस्था भी की जाएगी। उपकरणों और दवाइयों की नियमित मॉनिटरिंग चेकलिस्ट बनाकर की जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए सभी बिंदुओं पर तैयारियों का परीक्षण किया जा रहा है। पूर्व से भर्ती मरीजों के अलावा आपदा की स्थिति में आने वाले मरीजों के तत्काल उपचार के लिए स्टाफ को चिह्नांकित कर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आपातकालीन चिकित्सा आपदा में सहायता के लिए सीएमएचओ कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित किया जा रहा है।

विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध घुमन्तु समुदाय की प्रतिभाओ को करें प्रोत्साहित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध घुमन्तु जातियों के पुनर्वास कार्यों को दें प्राथमिकता पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को शैक्षणिक सत्र के दौरान ही छात्रवृत्ति वितरण सुनिश्चित करें मुख्यमंत्री ने की पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण तथा विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध घुमन्तु विभाग के कार्यों की समीक्षा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध घुमन्तु समुदायों की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करें। समुदाय के अनेक विद्यार्थियों ने लोक सेवा आयोग जैसी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में इनका निवास है। इनकी पुरानी पृष्ठभूमि अथवा पूर्व धारणा के आधार पर इन जातियों के सभी लोगों को अपराधी ना माना जाए। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में भी जातिगत संबोधन से संबोधित ना किया जाए। अपराधियों की जानकारी में जातियों का उल्लेख नहीं किया जाएं। इस तरह की असम्मानजनक शब्दावली से बचा जाना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में विभाग की बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिला स्तर पर पुलिस प्रशासन द्वारा इन जातियों के ऐसे लोगों को अपराधों से विमुख करने के लिए प्रयास किया जाए जो विभिन्न कारणों से अपराधों से जुड़ जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजगढ़ जिले में पुलिस प्रशासन द्वारा सांसी जाति के कल्याण के लिए किए गए कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पिछड़ा वर्ग के कल्याण के कार्यों को प्रभावी रूप से संपादित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न छात्रवृतियों की राशि शैक्षणिक सत्र के दौरान ही वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध घुमन्तु कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि आगामी शिक्षण सत्र में विभिन्न जिलों में पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति वितरण के कार्य तय समय में किया जाएगा। इस बारे में विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रावासों में मेस सुविधा संचालन की स्वीकृति दिए जाने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रावासों में मेस संचालन शुरू होगा। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि दिल्ली छात्र गृह योजना में वर्तमान में स्वीकृत 50 सीट की वृद्धि कर 150 सीट किया जाना प्रस्तावित किया गया है। उन्होंने कहा कि विभिन्न कन्या छात्रावास में बाउंड्री वॉल का निर्माण पूर्ण होने तक कांटेदार फेंसिंग की जाए। वक्फ सम्पत्तियों के डिजिटलाइजेशन में मध्यप्रदेश बन रहा है मॉडल राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने बताया कि प्रदेश की वक्फ समितियों का डिजिटलाइजेशन राजस्व विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश वक्फ समितियों के डिजिटलाइजेशन सहित अन्य कार्यों में मध्यप्रदेश मॉडल के रूप में कार्य कर रहा है। बैठक में प्रमुख सचिव श्री ई. रमेश कुमार ने अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण के विद्यार्थियों के लिए छात्रावासों के निर्माण, छात्रवृत्ति राशि के वितरण और अन्य योजनाओं की जानकारी दी। संचालक विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध घुमन्तु कल्याण श्री नीरज वशिष्ठ ने जानकारी दी कि प्रदेश में विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध घुमन्तु समुदाय की 51 जातियां हैं। इन जातियों में 14 जातियां अनुसूचित जाति वर्ग, 10 जातियां अन्य पिछड़ा वर्ग और 27 जातियां सामान्य वर्ग की श्रेणी में आती हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी जातियों को विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध घुमन्तु समुदाय की जाति का प्रमाण पत्र दिया जाता है और विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध घुमन्तु समुदाय के लिए संचालित योजनाओं से लाभान्वित भी किया जा रहा है। बैठक में अन्य पिछड़ा वर्ग के संचालित विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं और सामुदायिक विकास कार्यक्रमों पर भी चर्चा की गई। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) डॉ. राजेश राजौरा, आयुक्त अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण श्री सौरभ सुमन तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

खनिज साधन विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में 10 हजार 290 करोड़ से अधिक का राजस्व प्राप्त

मध्यप्रदेश खनिजों की खोज एवं भण्डारण प्रमाणन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में खनिज साधन विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। विभाग द्वारा 10 हजार 290 करोड़ से अधिक का राजस्व प्राप्त किया गया है, जो अभी तक प्राप्त खनिज राजस्व में सबसे अधिक है। मध्यप्रदेश खनिजों की खोज एवं भण्डारण प्रमाणन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य है।

खनिज साधन विभाग द्वारा खनिजों की खोज के लिये पूर्वेक्षण कार्य के अंतर्गत प्रदेश में 76 क्षेत्रों पर खनिजों की खोज एवं भण्डारण प्रमाणन के लिये अन्वेषण कार्य किया जा रहा है। मध्यप्रदेश अन्य राज्यों की तुलना में इस क्षेत्र में अग्रणी राज्य है। इन क्षेत्रों में से 30 क्षेत्रों में स्ट्रेटेजिक एवं क्रिटिकल मिनरल्स में रॉक-फास्फेट, ग्रेफाइट, ग्लूकोनाइट, प्लेटिनम और दुर्लभ धातु के अन्वेषण का कार्य किया जा रहा है। अन्वेषण के बाद खनिज भण्डारण प्रमाणित होने पर इन क्षेत्रों को नीलामी में रखा जायेगा।

खनिज साधन विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 में 31 मुख्य खनिज ब्लॉक सफलतापूर्वक नीलाम किये गये, जो कि पूर्व में किसी वित्तीय वर्ष में किये गये खनिज ब्लॉक की नीलामी से सर्वाधिक हैं। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2015 में किये गये नीलामी प्रावधान के बाद प्रदेश में 100 खनिज ब्लॉकों की नीलामी की गयी। यह संख्या देश में सर्वाधिक है। भारत सरकार द्वारा जनवरी-2025 में आयोजित स्टेट माइनिंग मिनिस्टर कॉन्फ्रेंस में वित्तीय वर्ष 2023-24 में खनिज ब्लॉकों की नीलामी में अनुकरणीय कार्य किये जाने के लिये खनिज साधन विभाग को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

माइनिंग कॉन्क्लेव-2024 भोपाल में विभाग द्वारा खनिज आधारित उद्योगों में निवेश को प्रोत्साहित करने एवं खनन क्षेत्र में उपयोगी नवीन तकनीक को साझा करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर की माइनिंग कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। इस कॉन्क्लेव में खनन क्षेत्र की 33 कम्पनियों तथा 1500 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

खनिज साधन विभाग द्वारा रेत खदानों का निवर्तन के अंतर्गत ई-निविदा सह नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जिलों में 38 रेत समूहों के संचालन के लिये माइन डेवलपर एवं ऑपरेटर का चयन किया गया। मध्यप्रदेश राज्य खनिज निगम द्वारा 728 रेत खदानों के संचालन के लिये आवश्यक वैधानिक अनुमतियाँ प्राप्त की गयीं। विभाग द्वारा जिला खनिज प्रतिष्ठान के अंतर्गत प्राप्त राशि से खनन प्रभावित जिलों में विभिन्न विकास कार्यों के लिये वित्तीय वर्ष 2024-25 में 478 करोड़ रुपये के 4208 कार्य स्वीकृत किये गये। इसी वित्तीय वर्ष में पूर्व से चल रहे 2120 कार्यों, जिनकी लागत 653 करोड़ रुपये थी, के कार्य पूर्ण किये गये।

खनिज साधन विभाग के वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रस्तावित कार्य-योजना

खनिज विभाग द्वारा खनिज राजस्व प्राप्ति के लिये वित्तीय वर्ष 2025-26 में 13 हजार करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। नीलाम किये गये 24 मुख्य खनिज ब्लॉक तथा 9 अकार्यशील खदानों का संचालन प्रारंभ किया जायेगा। वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिये खनिज साधन विभाग के लक्ष्य निर्धारित कर लिये गये हैं।

खनिज साधन विभाग द्वारा 100 मुख्य खनिज ब्लॉकों की नीलामी के लिये ई-निविदा जारी की जायेगी। समेकित अनुज्ञप्ति के 8 खनिज ब्लॉकों में पर्यवेक्षण कार्य प्रारंभ किया जायेगा। साथ ही 10 खनिज ब्लॉकों में समेकित अनुज्ञप्ति के स्वीकृति आदेश जारी किये जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 4 मुख्य खनिज ब्लॉक में समस्त वैधानिक अनुमतियाँ प्राप्त कर नीलाम किये जाने की योजना बनायी गयी है।

खनिज साधन विभाग द्वारा भारत सरकार द्वारा आवंटित 4 कोयला ब्लॉकों का संचालन प्रारंभ किया जाना है। पर्यवेक्षण कार्य 20 क्षेत्रों में पूर्ण कर खनिज उपलब्धता प्रमाणित होने पर इन क्षेत्रों पर खनिज ब्लॉक की नीलामी की जायेगी। साथ ही 82 नवीन क्षेत्रों पर खनिज की खोज के लिये पर्यवेक्षण कार्य प्रारंभ किया जायेगा। अवैध उत्खनन एवं परिवहन की रोकथाम के लिये प्रदेश में खनिज परिवहन के लिये चिन्हित मार्गों के 41 स्थानों पर ई-चेकगेट की स्थापना की जा रही है।

भगवान बुद्ध के आदर्शों का अनुसरण करने वाला एकमात्र देश है भारत : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

समता मूलक समाज, प्रेम ,करुणा और सत्य की आधारशिला पर ही समाज की तरक्की संभव मुख्यमंत्री ने बुद्ध पूर्णिमा पर भगवान बुद्ध को नमन कर अर्पित किये पुष्प

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगवान बुद्ध के जीवन से ज्ञान लेकर हम सारे भारतीय आगे बढ़ रहे हैं और विश्व बंधुत्व को अपनाते हुए प्रेम ,करुणा, सत्य, समता के भाव को आगे बढा रहे हैं। भगवान बुद्ध राज-पाट छोड़कर जब ज्ञान की खोज मे निकले थे और कठिन तप के बाद जो ज्ञान विश्व को दिया, उसका अनुसरण ही हम सबका उदेश्य होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि समता मूलक समाज से हम उन्नति, विकास और सबके कल्याण के मार्ग प्रशस्त कर सकते है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन के अशोक बुद्ध विहार में बुद्ध पूर्णिमा के पावन पर्व पर भगवान गौतम बुद्ध की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर भारती बौद्ध महासभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी को भगवान बुद्ध जयंती पर शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मप्र में सांची, बुद्ध धर्मावलंबियों के लिए महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। उनके लिए सांची आना सौभाग्य की बात है। बुद्ध सर्किट में सांची का प्रमुख स्थान है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय खगोल विज्ञान के अनुसार निर्धारित की गई तिथि, पूर्णिमा अपने आप में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। पूर्णिमा पर भगवान बुद्ध और संत रविदास जी के साथ ही अन्य बड़े संत, महात्माओं का जन्म हुआ है। पूर्णिमा पर जब चंद्रमा की 16 कलाएं पूर्ण हो जाती हैं तो एक दिव्य प्रकाश निकलता है। ऐसे महापुरुषों ने पूर्णिमा के दिन जन्म लेकर अपने ज्ञान के प्रकाश से विश्व को रौशन किया है।

विश्व में भारतीय ज्ञान परंपरा ही ऐसी परंपरा है, जो ऐतिहासिक काल से लेकर वर्तमान समय तक अक्षुण्ण है। सबसे बड़ी बात है कि समाज के लिए आज भी प्रासंगिक है। 5000 साल से भी अधिक पुराने हमारे ज्ञान को आज भी कोई चैलेंज नहीं कर पाया है। भारत विश्व गुरु है, विश्व गुरु रहेगा। इस अवसर पर सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक श्री अनिल जैन कालुहेड़ा, विधायक श्री सतीश मालवीय, सभापति श्रीमति कलावती यादव, जनप्रतिनिधि श्री संजय अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

जंगली हाथियों के प्रबंधन के लिए 47 करोड़ 11 लाख रुपये से अधिक की योजना की स्वीकृति

हाथी मित्र दल के गठन की मंजूरी मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश में मानव-हाथी द्वंद को कम करने और जंगली हाथियों के प्रबंधन के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 और वर्ष 2026-27 अर्थात आगामी 2 वर्षों सहित कुल 4 वर्षों (वर्ष 2023-24 से 2026-27 तक) के लिए राशि 47 करोड़ 11 लाख 69 हजार रुपये की योजना क्रमांक 9854 की सैद्धांतिक स्वीकृति दी गयी है। योजना अंतर्गत हाथियों की सुरक्षा एवं अनुश्रवण के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं वर्ष 2024-25 में कुल राशि रूपये एक करोड़ 52 लाख 54 हजार रूपये व्यय की गयी है। निर्णय अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना में राशि 20 करोड़ रूपये और वर्ष 2026-27 में 25 करोड़ 59 लाख 15 हजार रूपये का प्रावधान किया गया। इस तरह आगामी 2 वर्षों सहित कुल 4 वर्षों (वर्ष 2023-24 से 2026-27 तक) के लिए योजना का आकार राशि 47 करोड़ 11 लाख 69 हजार रुपये निर्धारित किया गया है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के ऐसे संरक्षित क्षेत्र जहाँ हाथियों का आवागमन या उपस्थिति है उनमें एवं संरक्षित क्षेत्रों के बाहर जंगली हाथियों की सुरक्षा एवं अनुश्रवण, रहवास प्रबंधन तथा विकास के लिए योजना बनाई गयी है। जंगली हाथियों की निगरानी के लिए कंट्रोल रूम, वन्यजीव मानव द्वंद को रोकने के लिए

विभिन्न संरचनाएं बनाई जाएंगी। ई-आई सर्विलेंस की स्थापना और संचालन किया जाएगा। वन्य-प्राणियों के रेस्क्यू और पुनर्वास के लिए कार्य किया जाएगा। योजना अंतर्गत प्रभावित क्षेत्रों में मानव-हाथी द्वंद से निपटने के लिए ग्रामीणों, वन विभाग और अन्य विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। विभिन्न प्रकार की फेसिंग कार्य किया जाएगा, जिसमें सोलर फेंसिंग भी शामिल है। मानव-हाथी द्वंद के लिए रैपिड रिस्पांस टीम का गठन किया जाएगा और आवश्यक उपकरण क्रय किए जाएंगे। निगरानी और ट्रेकिंग कार्य के लिए पेट्रोलिंग वाहन और रेडियो कॉलर क्रय किए जाएंगे। साथ ही हाथी मित्र दल का गठन किया जाएगा।

भोपाल में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक पंजीयन शिविर आज

भोपाल में नागरिक सुरक्षा के लिए इच्छुक युवाओं के लिए 11 मई को एक विशेष पंजीयन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर होमगार्ड एवं सिविल डिफेंस कार्यालय, होमगार्ड लाइन, महिला थाने के पास, प्रातः 11 बजे से आयोजित किया जाएगा। शिविर में भाग लेने के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों को प्रातः 11 बजे उपस्थित होना है। पंजीयन के लिए दो पासपोर्ट साइज फोटो एवं आधार कार्ड की फोटो कॉपी साथ लाना आवश्यक है। शिविर के दौरान नागरिक सुरक्षा के अंतर्गत स्वयंसेवक के रूप में कार्य करने की प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी दी जाएगी। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए श्री शरद यादव, प्लाटून कमांडर, होमगार्ड भोपाल से मोबाइल नंबर- 9456945723 पर संपर्क किया जा सकता है। शिविर का उद्देश्य शहर में नागरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करना एवं आपातकालीन स्थितियों में सहायता के लिए प्रशिक्षित जनशक्ति तैयार करना है।

जागेश्वरनाथ धाम कॉरीडोर बनने से मंदिर क्षेत्र की बढ़ेगी भव्यता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने बांदकपुर में रखी देवश्री जागेश्वरनाथ लोक की आधारशिला
बुंदेलखंड के किसानों की जिंदगी बदलेगी केन-बेतबा नदी जोड़ो परियोजना से

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दमोह जिले के जागेश्वरनाथ मंदिर के नवनिर्माण का आज हम संकल्प ले रहे है। आज भगवान देवश्री जागेश्वरनाथ का अभिषेक देश की पवित्र नदियों के जल और पवित्र धार्मिक स्थलों की मिट्टी से शिवलिंग का पूजन हुआ है। देवश्री जागेश्वरनाथ मंदिर में 100 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले कॉरिडोर से भगवान श्री जागेश्वरनाथ मंदिर की भव्यता बढ़ेगी। मंदिर के कॉरिडोर बनने से मंदिर सहित क्षेत्र की भव्यता बढेगी, सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दमोह जिले के सुप्रसिद्ध देवश्री जागेश्ववरनाथ मंदिर में 10 करोड़ की लागत से बनने वाले प्रथम चरण के कॉरिडोर के भूमिपूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी वैश्विक नेता हैं। उनके नेतृत्व में बनारस में बाबा विश्वनाथ का धाम भव्य रूप ले चुका है। अयोध्या में भी भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बना है। सनातन संस्कृति में 7 प्रमुख नगरियां हैं। जब अयोध्या का फैसला आया तो यह लोकतंत्र के गौरव का अवसर था, जिसका सभी धर्म के लोगों ने मिलकर स्वागत किया और एकजुटता दिखाई थी। इसी प्रकार आज जब सेना शौर्य दिखा रही है, तब भी देश एकजुट है। यही भारतीय लोकतंत्र की ताकत है, जिसे देखकर दुनिया अचंभित है। कार्यक्रम में पहलगाम आतंकी हमले के शिकार पर्यटकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में विकसित हो रहे धार्मिक पर्यटन केन्द्र युवाओं के लिए रोजगार के केन्द्र बनकर उभरेंगे। यहां आध्यात्म के साथ, शैक्षणिक और रोजगार मूलक गतिविधियां भी संचालित की जाएंगी। इन कार्यों के लिए राज्य सरकार बजट की कोई कमी नहीं आने देगी। प्रदेश में जल संरक्षण और संवर्धन के लिए अभियान चल रहा है। बुंदेलखंड के किसानों की स्थिति बेहतर करने और पेयजल संकट को दूर करने के लिए केन्द्र सरकार के सहयोग से केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना को मंजूरी दी गई है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मना रही है। मंदसौर में 3 मई को किसानों के लिए हुए कृषि मेले के ऐतिहासिक और सफल आयोजन के बाद अब 26 मई को नरसिंहपुर में कृषि मेला आयोजित किया जाएगा। यहां खेती के आधुनिक उपकरण और खाद्य प्र-संस्करण की इकाइयों की जानकारी किसानों को मिलेगी। दमोह एवं निकटवर्ती जिलों के किसान बंधु भी नरसिंहपुर के कृषि मेले में आमंत्रित हैं। किसानों की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने दूध उत्पादन बढ़ाने का संकल्प लिया है। अब घर-घर गाय होंगी और हर घर गोकुल होगा। प्रदेश के हर ब्लॉक में एक गांव को आदर्श वृंदावन ग्राम बनाने का संकल्प लिया गया है। भगवान श्रीकृष्ण के आदर्श और ज्ञान का प्रकाश चहुंओर फैलाने के लिए राज्य सरकार ने प्रत्येक नगरीय निकाय में गीता भवन के निर्माण का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गूगल पर सबसे ज्यादा पढ़ा जाने वाला ग्रंथ पवित्र गीता है। निश्चित ही गीता एक अद्वितीय ग्रंथ है। पंचायत, ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा प्रसिद्ध तीर्थ स्थल जागेश्वर धाम धार्मिक आस्था का केन्द्र है। कॉरिडोर की सौगात से क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग आज पूरी हुई है। लगभग 10 करोड़ की लागत से बनने वाले कॉरीडोर की नींव आज मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रखी है। उन्होंने प्रदेश एवं जिले के आम नागरिकों, श्रद्धालुओं को बधाई और शुभकामनायें दी।

संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक व धर्मस्य विभाग राज्य मंत्री श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने कहा देवश्री जागेश्वरनाथ धाम बहुत ही दिव्य और भव्य बनेगा। कॉरिडोर में दुकान, फूड कोर्ट, संस्कृत विद्यालय और 12 ज्योतिर्लिंगों की प्रतिकृति भी बनेगी। पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्य मंत्री श्री लखन पटेल ने कहा सहज और सरल स्वभाव के धनी हमारे मुख्यमंत्री डॉ. यादव से कुछ मांगने की आवश्यकता नहीं पड़ती, बिना मांगे ही डॉ. यादव इच्छा पूरी कर देते हैं। उन्होंने देव श्री जागेश्वर धाम कॉरिडोर के लिए 100 करोड़ रुपए स्वीकृत करने के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया।

दमोह सांसद श्री राहुल सिंह लोधी ने कहा देवश्री जागेश्वरनाथ लोक की देश के 13 वें ज्योतिर्लिंग के रूप में पहचान है। प्रथम चरण में लोक के लिए 10 करोड़ रुपए की लागत से आवश्यक कार्य शुरू होगा। उन्होंने कहा कि अभी तक बुंदेलखंड की पहचान खजुराहो से थी आज से 5 साल बाद बुंदेलखंड देवश्री जागेश्वर नाथ धाम के नाम से जाना जायेगा। बुंदेलखंड अब खजुराहो के साथ बांदकपुर धाम के नाम से भी जाना जाएगा।

पूर्व वित्त मंत्री एवं दमोह विधायक श्री जयंत मलैया ने कहा कि देवश्री जागेश्वर नाथ लोक बनने से सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत भी मजबूत होगी। साथ ही रोजगार व व्यापार के नए अवसर का सृजन होगा।

मुख्यमंत्री ने भगवान जागेश्वरनाथ का किया पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बांदकपुर में देवश्री जागेश्वर नाथ की पूजा अर्चना कर प्रदेश की समृद्धि की कामना की। उन्होंने माता पार्वती का आशीर्वाद लिया। मंदिर कमेटी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत कर स्मृति चिन्ह भेंट किया।

मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश भर में पवित्र स्थलों पर बनाये गये कॉरीडोर की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर बांदकपुर कॉरीडोर मॉडल को भी सराहा।

मुख्यमंत्री ने साधु संतों का आशीर्वाद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में साधु संतों का पुष्प वर्षा कर अभिनन्दन किया। उन्होंने संतो का आशीर्वाद भी प्राप्त किया।

प्रदेश के सभी शहरों में कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल उपलब्ध कराएं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बच्चों के पोषण और सही शारीरिक विकास के लिए महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य और आयुष विभाग परस्पर समन्वय से करें कार्य,कुपोषण मुक्त झाबुआ के लिए चलाए गए मोटी आई नवाचार की हुई सराहना,मुख्यमंत्री ने की महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कामकाजी महिलाओं की सुविधा के लिए प्रदेश के सभी शहरों में हॉस्टल सुविधा उपलब्ध कराई जाए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन शक्ति के अंतर्गत संचालित "सखी-निवास" सुविधा का विस्तार उन औद्योगिक क्षेत्रों में भी किया जाए, जहां महिला कर्मचारी अधिक संख्या में हैं। बालिकाओं और महिलाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने तथा उनके कौशल उन्नयन के लिए विभागीय समन्वय से गतिविधियां संचालित की जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, शारीरिक विकास और पोषण की उचित उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य और आयुष विभाग निश्चित कार्य योजना बनाकर उसका क्रियान्वयन करें। आंगनवाड़ी भवनों की उपलब्धता और रख रखाव के लिए नगरीय निकायों और पंचायतराज संस्थाओं से भी आवश्यक समन्वय सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को महिला एवं बाल विकास विभाग की गतिविधियों की मंत्रालय में समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। बैठक में कुपोषण मुक्त झाबुआ के लिए चलाए गए "मोटी आई" अभियान पर लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। नवाचार को अनुकरणीय बताया गया। समीक्षा में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, विभागीय प्रमुख सचिव श्रीमती रश्मि अरूण शमी, आयुक्त महिला बाल विकास श्रीमती सूफिया फारूखी बली सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आंगनवाड़ियों में पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराने की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए एक माह में कार्य योजना प्रस्तुत की जाए। प्रोटीन युक्त भोजन सामग्री उपलब्ध कराने के लिए चना और अन्य प्रोटीन स्रोत अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। दुग्ध संघों से आंगनवाड़ी के बच्चों को दूध भी आवश्यक रूप से उपलब्ध कराया जाए। गर्भवती तथा धात्री महिलाओं को भी सम्पूर्ण पौष्टिक आहार उपलब्ध करायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की सामाजिक संस्थाओं, औद्योगिक इकाइयों के साथ मंदिरों में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग भी आंगनवाड़ियों की बेहतरी के लिए किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सुरक्षित प्रसव के लिए प्रसव की संभावित तिथि से पहले सुदूरवर्ती ग्रामों तथा अन्य स्थानों से अस्पताल पहुंचने वाली गर्भवती महिलाओं के रहने तथा उनकी देखरेख के लिए आवश्यक व्यवस्था विकसित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समय-सीमा निर्धारित कर यह सुनिश्चित किया जाए की सभी जिलों में आंगनवाड़ियां शासकीय भवनों में संचालित हों। इसके लिए स्कूल शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास और जनजातीय कार्य विभाग सहित अन्य विभागों के उपलब्ध भवनों का भी उपयोग किया जाए। जिला स्तर पर पंचायत राज संस्थाओं, नगरीय निकायों के सहयोग तथा सांसद-विधायक निधि, डीएमएफ एवं अन्य संसाधनों से प्राथमिकता के आधार पर आंगनवाड़ियों के लिए भवनों का निर्माण कराया जाए। भवनों में जहाँ पर्याप्त स्थान और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हों, वहीं आंगनवाड़ियों का संचालन हो। मिशन शक्ति में हिंसा से पीड़ित महिलाओं की सहायता के लिए प्रदेश में संचालित 57 वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से वर्ष 2024-25 में 31 हजार 726 महिलाओं को सहायता उपलब्ध कराई गई। महिला हेल्प लाइन-181 से इस वर्ष 82 हजार 552 महिलाओं को सहायता दी गई। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में गर्भवती महिलाओं को मजदूरी की हानि की आंशिक क्षतिपूर्ति के रूप में 58 लाख 70 हजार हितग्राहियों को एक हजार 878 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया। सशक्त वाहिनी नवाचार में 11 हजार 321 युवतियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया और 156 युवतियां विभिन्न शासकीय विभागों में चयनित हुईं। बैठक में मिशन वात्सल्य, पूरक पोषण आहार कार्यक्रम, सक्षम आंगनवाड़ी केन्द्रों के उन्नयन, पोषण भी पढ़ाई भी, लाड़ली लक्ष्मी योजना और लाड़ली बहना योजना की समीक्षा भी हुई।

भोपाल में हुआ आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल और ब्लैक आउट का अभ्यास

प्रशासनिक एजेंसियों ने तत्परता और नागरिकों ने प्रदर्शित की जागरूकता

भोपाल में बुधवार को सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल और ब्लैक आउट का अभ्यास हुआ। आपदा प्रबंधन की दृष्टि से हुए इस व्यापक पूर्वाभ्यास का उद्देश्य नागरिकों को आपातकालीन परिस्थितियों के प्रति जागरूक करना और प्रशासनिक एजेंसियों की तैयारी को परखना था। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह के निर्देशन में सम्पन्न इस मॉक ड्रिल में शहर के 5 प्रमुख स्थलों पर प्रभावी रेस्क्यू ऑपरेशन का अभ्यास किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य आपदा प्रबंधन कक्ष भोपाल से प्रदेश के 5 जिलों में आयोजित मॉक ड्रिल का वर्चुअली अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने सभी 5 जिलों के कलेक्टरों से चर्चा कर ड्रिल संबंधी जानकारी भी प्राप्त की। डीबी मॉल में फायर ड्रिल के दौरान आगजनी की स्थिति में त्वरित अग्निशमन और घायलों की सुरक्षित निकासी का अभ्यास किया गया। सरोजनी नायडू महाविद्यालय में स्थापित अस्थायी अस्पताल में घायलों को प्राथमिक उपचार प्रदान करने की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया गया। न्यू मार्केट में लोगों की सुरक्षित निकासी कर पुलिस लाइन तक पहुँचाने का सफल अभ्यास किया गया, जहाँ भीड़ प्रबंधन और राहत कार्यों में उत्कृष्ट समन्वय देखने को मिला। भेल क्षेत्र में सर्च एवं रेस्क्यू ऑपरेशन के तहत मलबे में फँसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। कोकता मल्टी में भवन ध्वस्तीकरण के दौरान फँसे व्यक्तियों की प्रभावी रेस्क्यू प्रक्रिया को अंजाम दिया गया। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि इस मॉक ड्रिल से आपात परिस्थितियों में विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय और नागरिकों की सहभागिता की प्रभावशीलता सिद्ध हुई है। उन्होंने सभी प्रतिभागी दलों की कार्य कुशलता की सराहना की । शाम 7:30 से 7:42 बजे तक ब्लैक आउट का अभ्यास भी सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। रेड अलर्ट सायरन की ध्वनि के साथ नागरिकों ने घरों, दुकानों, कार्यालयों एवं संस्थानों की सभी रोशनियाँ बंद कर दीं। वाहन चालकों ने अपने वाहन रोककर हेडलाइट और बैकलाइट बंद रखीं। निर्धारित समय पर ग्रीन अलर्ट सायरन के साथ "ऑल क्लीयर सिग्नल" जारी किया गया और सभी रोशनियाँ पुनः चालू कर दी गईं। इस दौरान नागरिकों ने अनुशासन और जिम्मेदारी का परिचय देते हुए प्रशासन के निर्देशों का पूर्णतः पालन किया।

तय समय पर पूरी हों सभी वृहद परियोजनाएं : मुख्यमंत्री डॉ यादव

दो वृहद परियोजनाओं को मिली मंजूरी,बी.पी.सी.एल. पेट्रोकेमिकल परियोजना के लिए महुता घाट के डाउनस्ट्रीम में बनेगा बैराज,गोठड़ा से शनि मंदिर तक कान्ह नदी के दोनों तटों पर बनेंगे घाट एवं क्षिप्रा नदी के बाएं एवं दाएं तट पर शनि मंदिर से नागदा बायपास तक होगा घाटों का निर्माण,मुख्यमंत्री ने जल संसाधन विभाग की वृहद परियोजना नियंत्रण मंडल की 126 वीं बैठक की अध्यक्षता कर परियोजनाओं को दी मंजूरी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य की सभी विकास परियोजनाओं में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित किया जाए तथा उन्हें समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं के लक्ष्यों की प्राप्ति में गति लायी जाए और हर स्तर पर नियोजन की स्पष्टता हो। मुख्यमंत्री डॉ. ने कहा कि परियोजनाओं की सफलता का मूल मंत्र समर्पण, पारदर्शिता और समय प्रबंधन है। उन्होंने कहा कि अधूरी अथवा लंबित परियोजनाओं पर विशेष ध्यान देते हुए कार्य में तेजी लायी जाए, जिससे जनहित में समय रहते लाभ पहुंचाया जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में जल संसाधन विभाग की वृहद परियोजना नियंत्रण मंडल की 126 वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। बैठक में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय एवं जल संसाधन डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी सहित जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में प्रदेश में चल रही विभिन्न वृहद परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और अधिकारियों को समुचित दिशा निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के समग्र विकास के हर पहलू को प्राथमिकता दे रही है। सरकार के प्रयासों का जनता को प्रत्यक्ष लाभ मिले, यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

इन 2 वृहद परियोजनाओं को मिली मंजूरी

इसके तहत वृहद परियोजना नियंत्रण मंडल की बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 2 वृहद परियोजनाओं को मंजूरी दी। टर्न की पद्धति पर भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) पेट्रोकेमिकल परियाजना के लिए महुता घाट के डाउनस्ट्रीम में बैराज एवं संबंधित कार्यों का निर्माण कराया जाएगा। विदिशा एवं सागर जिले में इस परियोजना के तहत 42.94 मिलियन घन मीटर जल संग्रहण क्षमता वाला बांध निर्माण किया जाएगा। कुल 229.78 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली इस वृहद परियोजना में 6.6 कि.मी. लम्बाई की पाइप लाइन बिछाने का काम, पम्प हाउस एवं इंटेकवेल के निर्माण सहित 1.25 मेगावाट के पम्प हाउस का निर्माण कार्य भी कराया जाएगा। यह सम्पूर्ण कार्य अगले 33 माह में पूरा किया जाएगा। उज्जैन जिले के गोठड़ा से शनि मंदिर तक कान्ह नदी के दोनों ओर तटों पर घाटों का निर्माण (कुल लम्बाई लगभग 29.21 किमी) एवं क्षिप्रा नदी के बाएं एवं दाएं तट पर शनि मंदिर से नागदा बायपास तक घाट निर्माण कार्य एवं कान्ह नदी पर पंथ पिपलई, जमालपुरा, गोठड़ा स्टॉप डेम, पिपलिया राधौ बैराज नम, रामवासा बैराज नं. 2 का स्टॉप डेम का निर्माण कार्य एवं क्षिप्रा नदी पर किथोदाराव बैराज का निर्माण कार्य एवं उन्डासा और जस्ताखेड़ी तालाब का मरम्मत कार्य तथा दुर्गादास की छतरी के पास सीसी रोड का निर्माण कार्य किया जाएगा। कुल 593.62 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली यह वृहद परियोजना अगले 30 माह में पूरी की जाएगी।

सार्वजनिक उपयोग के स्थायी प्रकृति के ठोस काम कराए जाएं : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जिला खनिज प्रतिष्ठान के तहत अर्जित फंड एक रिजर्व फंड है। इस फंड से जिलों के खनन प्रभावित क्षेत्रों में सार्वजनिक हित और सबके उपयोग के लिए स्थायी प्रकृति के ठोस काम ही कराए जाएं। काम ऐसे हों, जिसका लाभ अधिकतम लोगों को मिले। इस (डीएमएफ) मद से स्कूल भवन, अस्पताल, सामुदायिक भवन, औषधालय भवन, पशु चिकित्सालय/औषधालय, खेल मैदान सहित विशेष पिछड़े एवं कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) की बसाहट क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार स्थायी श्रेणी के काम कराए जाएं। उन्होंने कहा कि अस्थायी प्रकृति के एवं मरम्मत आदि के काम संबंधित विभागों के विभागीय बजट से कराए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में जिला खनिज प्रतिष्ठान के भाग-ख के तहत हो सकने वाले विकास कार्यों की मंजूरी के लिए आयोजित बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे।

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के खनन क्षेत्रों वाले जिलों में जिला खनिज प्रतिष्ठान से प्राप्त राशि में से 502 करोड़ रूपए की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों को सैद्धांतिक स्वीकृति दी। इस निर्णय से खनन प्रभावित क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के विकास एवं उन्नयन कार्य किए जा सकेंगें। सैद्धांतिक मंजूरी मिलने के बाद अब जिला खनिज प्रतिष्ठान से प्रदेश के डिण्डौरी, शहडोल, अनूपपुर, बड़वानी, दमोह, छिंदवाड़ा, सिवनी, अलीराजपुर, शिवपुरी, सागर, रीवा, बैतूल आदि जिलों में विभिन्न श्रेणी के विकास कार्य कराए जाएंगे। इनमें डिण्डौरी जिले में आयुर्वेदिक महाविद्यालय का निर्माण, शहडोल जिले की सोन नदी पर बैराज/एनिकट का निर्माण, अनूपपुर जिले के कोतमा के चिकित्सालय में 100 बिस्तरीय अधोसंरचना का निर्माण प्रमुख रूप से किया जाएगा। इसके अतिरिक्त बड़वानी जिले में भीलटदेव मंदिर नागलवाड़ी के तलहटी से मंदिर तक पहुंच मार्ग का निर्माण भी डीएमएफ मद से किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन कामों को जल्द से जल्द पूरा कराया जा सकता हो, वे काम पहले कराए जाएं। स्कूलों में आवश्यकतानुसार पेयजल व्यवस्था के लिए टंकी निर्माण, बाउंड्री वॉल निर्माण जैसे काम तत्काल कराए जाएं, ताकि विद्यार्थियों को इनका शीघ्र लाभ मिले। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव खनिज साधन श्री उमाकांत उमराव तथा संचालक प्रशासन एवं खनिकर्म श्री फ्रेंक नोबल.ए. सहित अन्य विभागीय अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

प्रमुख सचिव खनिज साधन श्री उमराव ने बैठक में बताया कि जिला खनिज प्रतिष्ठान निधि (भाग-ख) में वर्तमान में 1681 करोड़ रुपए उपलब्ध हैं। इस राशि से छोटे बड़े सभी श्रेणी के काम कराए जा सकते हैं। इस राशि से उच्च प्राथमिकता क्षेत्र (60 प्रतिशत) के तहत 1008.6 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि शासन द्वारा खर्च की जा सकती है। उच्च प्राथमिकता क्षेत्र में शिक्षा, पेयजल प्रदाय, पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण उपाय, स्वास्थ्य की देखभाल, स्वच्छता सुधार, कौशल विकास, वृद्धजन एवं निःशक्तजन कल्याण तथा महिला एवं बाल कल्याण संबंधी कार्य विशेष रूप से चिन्हित किए गए हैं। अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्र (40 प्रतिशत) में सिंचाई सुविधा, भौतिक अवसंरचना तथा ऊर्जा एवं वॉटरशेड विकास जैसे काम कराए जाते हैं। इस क्षेत्र के लिए भी डीएमएफ (संचित निधि) से करीब 672.4 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि खर्च की जा सकती है। नोडल विभाग द्वारा कुल 1015 कार्य अनुमोदित किए गए हैं, इनमें से 317 कार्य उच्च प्राथमिकता वाले हैं। इन कार्यों को पहले पूरा कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि अनुमोदन उपरांत डीएमएफ फंड से सभी विकास कार्य जल्द ही प्रारंभ करा दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रमुख सचिव श्री उमराव ने बैठक में प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना (पीएमकेकेकेवाई) की नवीन गाइडलाइन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना में केंद्र सरकार द्वारा यह प्रावधान किया गया है कि मुख्य खनिज की खदान अथवा खदानों के समूह से 15 किलोमीटर परिधि क्षेत्र प्रत्यक्ष खनन प्रभावित क्षेत्र होगा तथा जहां स्थानीय जनसंख्या खनन संबंधी प्रक्रिया के कारण आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय परिणामों के कारण प्रतिकूल रूप से प्रभावित है, वहां जिले में स्थित मुख्य खदान अथवा खदानों से 25 किलोमीटर का क्षेत्र अप्रत्यक्ष खनन प्रभावित क्षेत्र होगा। इसके अलावा डीएमएफ (संचित निधि) की 70 प्रतिशत राशि उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में व्यय करने का प्रावधान किया गया है। इस क्षेत्र में केंद्र सरकार ने आवास, कृषि एवं पशुपालन को भी जोड़ दिया है।

नागरिकों की सुरक्षा प्राथमिकता है, प्रदेश में सफलतापूर्वक हुआ मॉक ड्रिल और ब्लैक आउट का पूर्वाभ्यास : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

मुख्यमंत्री डॉ ने प्रदेश के 5 नगरों में मॉक ड्रिल और ब्लैक आउट की जानकारी कलेक्टर्स से की प्राप्त संकटकाल से निपटने के लिए किए गए अभ्यास की हुई सराहना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की राजधानी भोपाल सहित जबलपुर, इंदौर, ग्वालियर और कटनी में केंद्र सरकार के निर्देशों के पालन में निर्धारित समय पर किए गए ब्लैक आउट और मॉक ड्रिल गतिविधियों की जानकारी संबंधित जिलों के कलेक्टर्स से प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिलों के कलेक्टर्स के नेतृत्व में किए गए कार्य की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में आवश्यक प्रबंधन की तैयारी के लिए यह मॉक ड्रिल की गई। नागरिक सुरक्षा की प्राथमिकता और संकटकालीन परिस्थिति की चुनौती को देखते हुए इस तरह की मॉक ड्रिल के माध्यम से न सिर्फ आपदा प्रबंधन के अमले बल्कि नागरिकों को भी सजग और सतर्क करने के प्रयास आवश्यक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार शाम पुलिस मुख्यालय पहुंच कर सिविल डिफेंस कंट्रोल रूम से प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर आपातकालीन स्थिति के लिए की गई मॉक ड्रिल की विस्तार से जानकारी प्राप्त की। जानकारी दी गई कि सभी जिलों में निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार कार्यवाही संपन्न हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा आज संपन्न मॉक ड्रिल और उसकी पूर्व की तैयारियों का विस्तृत विवरण दिया गया। पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव गृह श्री जे एन कंसोटिया, एडीजीपी श्री ए. साई मनोहर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। पुलिस मुख्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिलेवार जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर्स ने बताया कि नागरिकों को आपातकालीन परिस्थितियों में जरूरी उपाय अपनाने के लिए जिलों के शिक्षित और सजग किया गया है। कलेक्टर भोपाल ने बताया कि निर्धारित समय पर समूचे शहर में प्रकाश व्यवस्था बंद करने की कार्रवाई की गई। ड्रोन द्वारा शूटिंग भी करवाई गई है। कलेक्टर जबलपुर ने बताया कि एक पुरानी बिल्डिंग से लोगों को बचाने की रेस्क्यू की कार्रवाई की गई। ब्लैक आउट की कार्यवाही भी सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इंदौर कलेक्टर ने जानकारी दी कि मेडिकल कॉलेज के नजदीक एक भवन में अग्निकांड से बचाव की मॉकड्रिल की गई। आकस्मिक चिकित्सा केंद्र भी बनाया गया। ब्लैक आउट की कार्रवाई भी की गई। ग्वालियर कलेक्टर ने भी ब्लैक आउट और अन्य बचाव गतिविधियों के अभ्यास की जानकारी दी। कटनी कलेक्टर ने बताया कि निर्धारित 12 मिनट अवधि के लिए ब्लैक आउट किया गया। इसके अलावा रेस्क्यू कार्य का अभ्यास भी किया गया।

सड़क निर्माण में गुणवत्ता और दीर्घकालिक जरूरतों पर दें विशेष ध्यान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मप्र सड़क विकास निगम की 46वीं संचालक मंडल बैठक में मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य में सड़कों का निर्माण पूर्ण गुणवत्ता के साथ किया जाए और उसमें दीर्घकालिक जरूरतों को विशेष रूप से ध्यान में रखा जाएं। उन्होंने कहा कि सड़कें प्रदेश के आर्थिक और सामाजिक विकास की रीढ़ हैं। उनका निर्माण टिकाऊ, सुरक्षित और आधुनिक मानकों के अनुरूप हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और तकनीकी दक्षता सुनिश्चित की जाएं। साथ ही सड़क परियोजनाओं के निर्माण में तय समय-सीमा का पालन किया जाए, ताकि जनता को जल्द से जल्द बेहतर आवागमन सुविधाएं मिल सकें। बैठक में प्रदेश में चल रही प्रमुख सड़क परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई एवं आगामी कार्य योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सड़क निर्माण में नवीन तकनीकों को अपनाया जाए और पर्यावरणीय मानकों का पालन कर पारिस्थितिकीय संतुलन का भी ध्यान रखा जाए। बैठक में लोक निर्माण मंत्री एवं मप्र सड़क विकास निगम के उपाध्यक्ष श्री राकेश सिंह, मुख्य सचिव एवं मप्र सड़क विकास निगम के उपाध्यक्ष श्री अनुराग जैन, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव वन श्री अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव लोक निर्माण श्री नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री संजय कुमार शुक्ल, प्रमुख सचिव श्री मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव खनिज साधन श्री उमाकांत उमराव, प्रबंध संचालक मप्र सड़क विकास निगम श्री भरत यादव, निगम में स्वतंत्र संचालक एवं संचालक मंडल के विशेष सदस्य श्री वेंकटेश बालासुब्रमण्यम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में निगम के प्रबंध संचालक श्री यादव ने बताया कि निगम द्वारा गत वित्त वर्ष 2024-25 में कुल 1586 करोड रुपए की लागत से 1127 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण कराया गया। इसी दौरान सड़क विकास के पूंजीगत कार्यों पर 2761.47 करोड रुपए एवं संधारण व मरम्मत कार्यों पर 280.79 करोड रुपए इस प्रकार कुल 3042.29 करोड रुपए व्यय किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जारी वित्त वर्ष के लिए 1425 किमी सड़क निर्माण का लक्ष्य लिया गया है। इस पर 3134 करोड़ रुपए खर्च किए जायेंगे। उन्होंने बताया कि निगम द्वारा चिन्हित मार्गों के पुनर्निर्माण, संधारण, डामरीकृत नवीनीकरण, सुदृढ़ीकरण, रेगुलर कॉन्ट्रैक्ट एवं उपभोक्ता शुल्क संग्रहण के लिए निविदा आमंत्रित की गयीं। निविदा समिति के अनुमोदन उपरांत 35 प्रकार के सड़क निर्माण कार्यों के लिए 3443.72 करोड रुपए की निविदाएं स्वीकृत कर न्यूनतम दर वाले निविदाकारों को निविदा स्वीकृति पत्र जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि भोपाल-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 46 में नवीन प्रस्तावित एकरेखण (एलाईनमेंट) के लिए कार्यवाही की जा रही है। इससे भोपाल-जबलपुर मार्ग की दूरी कम हो जाएगी।

राधिका मर्चेंट से लेकर अदिति राव हैदरी तक, इस साल ट्रेंड में रहे ये ब्राइडल लुक

एंटरटेनमेंट जगत में कई सारी शादियां हुई, इस साल कई एक्ट्रेसेस ने अपना जीवन साथी चुना, जिसमें रकुल प्रीत से लेकर अदिति राव हैदरी और शोभित तक रहीं. वहीं अंबानी परिवार में भी छोटे बेटे अनंत अंबानी की शादी राधिका मर्चेंट के साथ हुई, इन्होंने अपनी शादी में एक से बढ़कर एक डिजाइनर ड्रेस पहनें, तो चलिए आज हम आपको बताते हैं साल 2024 में किस सेलिब्रिटी का ब्राइडल लुक सबसे बेहतरीन रहा.

शोभिता धुलिपालाः हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला ने साउथ एक्टर नागा चैतन्य के साथ 4 दिसंबर को शादी की, उनका ब्राइडल लुक साउथ इंडियन कल्चर से इंस्पायर्ड था. उन्होंने गोल्डन कलर की कांजीवरम साड़ी पहनी और उसके साथ गोल्ड ट्रेडिशनल ज्वेलरी पेयर की, जैसा तेलुगू दुल्हन पहनती हैं.

अदिति राव हैदरी का रॉयल हैदराबादी लुक : अदिति राव हैदरी ने भी कुछ समय पहले एक्टर सिद्धार्थ के साथ शादी रचाई. उनके दो ब्राइडल लुक चर्चा में रहे, एक में उन्होंने गोल्डन और आइवरी कलर का साउथ इंडियन स्टाइल का लहंगा कैरी किया था और वहीं दूसरे फंक्शन में उन्होंने सब्यसाची मुखर्जी का रेड कलर का लहंगा पहना, जिसके साथ कुंदन की ज्वेलरी पेयर की थी.

सोनाक्षी सिन्हा का ब्राइडल लुक : सोनाक्षी सिन्हा ने अपने ब्राइडल लुक को एकदम मिनिमल रखा, उन्होंने हैवी लहंगे की जगह लाल कलर की बनारसी साड़ी पहनी, जिसमें गोल्डन कलर का जरी वर्क किया हुआ था, उसके साथ उन्होंने एमराल्ड ज्वेलरी पेयर की.

रकुल प्रीत सिंह का ब्राइडल लुकः बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने 21 फरवरी को एक्टर जैकी भगनानी के साथ 7 फेर लिए, उन्होंने अपनी शादी में पेस्टल कलर का फ्लोरल प्रिंट 3D डिजाइन का लहंगा पहना. इसके साथ उन्होंने फुल स्लीव्स ब्लाउज और हैवी कुंदन की ज्वेलरी पहन कर अपने लुक को पूरा किया.

राधिका मर्चेंट का ब्राइडल लुक : मुकेश अंबानी और नीता अंबानी की छोटी बहू राधिका मर्चेंट भी किसी एक्ट्रेस से कम नहीं लगीं. अपनी शादी में उन्होंने एक से बढ़कर एक डिजाइनर ड्रेस पहनी. शादी में उन्होंने व्हाइट और गोल्डन कलर का खूबसूरत लहंगा पहना, जिसमें रेड कलर का बॉर्डर दिया हुआ था. इसके साथ उन्होंने एक रेड कलर की एडिशनल चुन्नी भी पहनीं. उनका ब्राइडल लुक बेहद ही खूबसूरत था और उन्होंने अपनी बहन की शादी की ज्वेलरी कैरी की थी, इस पोलकी ज्वेलरी में वह बेहद ही खूबसूरत लगीं.ये कलर कॉम्बिनेशन आपके लुक को बना देंगे हॉट, महफिल में रंग जमाना हो तो करें ट्राईऐसे बहुत से अलग-अलग तरह के कलर होते हैं जिन्हें कॉम्बों करके आसानी से पहना जा सकता है. यह कलर आपके ऊपर बेहद खूबसूरत और ग्लैमरस नजर दिखाई देंगे. ऐसे बहुत से अलग-अलग तरह के कलर होते हैं जिन्हें कॉम्बों करके आसानी से पहना जा सकता है. यह कलर आपके ऊपर बेहद खूबसूरत और ग्लैमरस नजर दिखाई देंगे.मोनोक्रोम लुक एक ऐसा लुक है जिसमें सभी तत्वों में एक ही रंग के अलग-अलग शेड्स होते हैं. आप एक ही आउटफिट में अलग-अलग लेवल की सैचुरेशन और ब्राइटनेस के साथ एक ही रंग के 2-3 अलग-अलग शेड्स का इस्तेमाल कर सकते हैं. अगर आप शेड्स के बीच ज़्यादा कंट्रास्ट जोड़ते हैं, तो आपका पहनावा ज़्यादा एट्रैक्टिव बना सकता है.मोनोक्रोम लुक में ज़्यादातर रंग अच्छे से मेल खाते हैं, लेकिन कुछ अपवाद भी हैं. उदाहरण के लिए हरे रंग के कुछ शेड्स को मिलाना इतना आसान नहीं है. अगर एक ही आउटफिट में हरे रंग के 2 से ज़्यादा शेड्स हों.

आधुनिकता और फैशन को धार्मिक स्थल, पूजा स्थल और मंदिरों से दूर रखे

धार्मिक स्थलों की मर्यादा और श्रद्धा भाव बनाए रखने के लिए परंपरा गत परिधान साड़ी और सूट का करे उपयोग।

यह बात कही धार्मिक स्थलों पर लेख लिखने वाली विचारक एवं एन जी ओ **सह सचिव _चंचल शर्मा ने संपादक मनोज चतुर्वेदी से विशेष चर्चा मै।**

12वीं के बाद IT सेक्टर में करें ये डिप्लोमा कोर्स, आसानी से मिलेगी नौकरी

आज के समय में जहां कंपटीशन हर सेक्टर में अपने चरम पर है वहीं स्मार्ट वर्कर की डिमांड भी तेजी से बढ़ रही है. ज्यादातर लोग कम समय में ज्यादा डिमांड वाला कोर्स करके जल्द से जल्द प्लेसमेंट पाना चाहते हैं. 12वीं पास के लिए मार्केट में कई सारे डिप्लोमा प्रोग्राम मौजूद हैं. इनमें से बेस्ट 3 डिप्लोमा प्रोग्राम के बारे में यहां बता रहे हैं. इन कोर्स को करने के बाद लाखों की नौकरी आसानी से मिल सकती है.

आईटी सेक्टर और कंप्यूटर के क्षेत्र में डिप्लोमा होल्डर्स को शानदार पैकेज पर आईटी कंपनियां हायरिंग कर रही हैं. ये कोर्स कई टॉप इंस्टीट्यूट द्वारा भी ऑफर किए जाते हैं. आइए इन कोर्सेस के बारे में जानते हैं.

एनीमेशन और VFX

अगर आप 12वीं पास हैं और आपके पास क्रिएटिव माइंड है तो आप शॉर्ट टर्म कोर्स या डिप्लोमा प्रोग्राम के तौर पर Animation and VFX को चुन सकते है. बता दें कि न्यूज चैनल से लेकर बड़ी बजट की फिल्मों तक में एनीमेशन का इस्तेमाल किया जा रहा है. ऐसे में इस फील्ड में बेहतरीन स्किल्स रखने वालों को लाखों की पैकेज पर हायर किया जाता है. यह डिप्लोमा प्रोग्राम 1 साल का होता है.

डेटा साइंस कोर्स

दुनिया भर से डेटा के विशाल उत्पादन के साथ, डेटा एनालिस्ट की डिमांड तेजी से बढ़ी है. डेटा साइंस डिप्लोमा प्रोग्राम कई मशहूर इंस्टीट्यूट द्वारा कराया जाता है. इसमें प्रोग्रामिंग लैंगवेज और Statistics सीखने का मौका मिलता है. इस कोर्स को करने के बाद नीचे दिए पोस्ट पर काम करने का मौका मिलता है-

Data Scientists
Data Analyst
Data Engineer
Business Intelligence Analyst
Marketing Analyst

मोबाइल एप्लीकेशन डेवलपमेंट

यह दौर मोबाइल फोन का है. इन दिनों मोबाइल फोन और उसके एप्लीकेशन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है. ऐप डेवलपमेंट के चलन ने मोबाइल एप्लीकेशन और इसके विकास की भारी मांग पैदा की है. इस क्षेत्र में 12वीं के बाद शॉर्ट टर्म डिप्लोमा कोर्स की अवधि 6 महीने की होती है. इस कोर्स को करने के बाद एप्लीकेशन डिजाइनर, एप्लीकेशन डेवलपर और ऐप टेस्टर जैसे पदों पर काम करने का मौका मिल सकता है.

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) में डिप्लोमा कैसे करें

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (Artificial Intelligence) का कोर्स कंप्यूटर साइंस के अंतर्गत आता है। इसके लिए कई कॉलेज और प्राइवेट संस्थान डिग्री के साथ-साथ डिप्लोमा कोर्स भी कराते हैं। दरअसल, इस कोर्स में आप सीखते हैं कि कैसे एक ऐसी मशीन तैयार की जाए जो इंसानों के लिए लर्निंग और प्रॉब्लम सॉल्विंग हो। इसके साथ-साथ यह मशीन आपकी आवाज के इशारे पर काम करे। जैसे आज के समय में सिरी और एलेक्सा एआई के दो शानदार उदाहरण हैं। यह कोर्स करने के बाद आपको गेम प्रोग्रार, रोबोटिक साइंटिस्ट और कंप्यूटर साइंटिस्ट जैसे पदों पर अच्छी सैलरी के साथ नौकरी मिल सकती है।

साइबर सिक्योरिटी में डिप्लोमा कैसे करें

आज हम डिजिटल युग में जी रहे हैं। इंटरनेट और नई-नई टेक्नॉलजी ने हमारे जीवन को बहुत आसान बना दिया है। आज हम सब कुछ घर बैठे ही कर सकते हैं। हालांकि, इसमें कई खतरे भी हैं। अब अपराधी भी डिजिटल अपराध करने लगे हैं। आप से जरा सी भी गलती हुई नहीं कि वह आपको आर्थिक नुकसान पहुंचाने के लिए घात लगाए बैठे हैं। ऐसे में बड़ी-बड़ी कंपनियां और बड़े लोग साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट को अपने यहां रखते हैं, ताकि इन ऑनलाइन खतरों से निपटा जा सके। अगर आपने साइबर सिक्योरिटी (Cyber Security) में डिप्लोमा कर लिया तो समझिए की एक मोटी सैलरी के साथ एक अच्छी नौकरी कहीं नहीं गई है। साइबर सिक्योरिटी से अगर आप डिप्लोमा करना चाहते हैं तो देश में ऐसे कई सरकारी और गैर-सरकारी संस्थान हैं जहां से आप कम फीस में ये कोर्स कर सकते हैं। साइबर सिक्योरिटी में डिप्लोमा करने के बाद आपको सिक्यॉरिटी ऐडमिनिस्ट्रेटर, सॉफ्टवेयर डिवेलपर और इन्फर्मेशन सिक्यॉरिटी ऐनालिस्ट की नौकरी मिल सकती है।

नैनोटेक्नॉलजी में डिप्लोमा कैसे करें

नैनोटेक्नॉलजी (Nanotechnology) में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करना चाहते हैं, तो आपका 12वीं मैथ से करना जरूरी है। इस कोर्स में सूक्ष्म चीजों पर रिसर्च करना होता है। यह कोर्स करने के बाद आप फूड ऐंड बेवरेज, मेडिसिन, ऐग्रिकल्चर, बायॉटेक्नॉलजी और स्पेस रिसर्च जैसे क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। अगर आपने किसी अच्छे संस्थान से साइबर सिक्योरिटी में डिप्लोमा किया है तो आपको इस सेक्टर में शुरुआती सैलरी ही करीब 35 से 40 हजार की मिलने लगेगी।

क्लाउड कंप्यूटिंग में डिप्लोमा कैसे करें

क्लाउड कंप्यूटिंग (Cloud Computing) से डिप्लोमा ज्यादा लोग नहीं करते, इसकी मुख्य वजह यह है कि ज्यादातर लोगों को इसके बारे में पता ही नहीं है। दरअसल, कंप्यूटर की टेक्नोलॉजी में क्लाउड कंप्यूटिंग का बहुत बड़ा रोल है। क्लाउड कंप्यूटिंग एक नेटवर्क की तरह होता है जिससे डाटा तेजी से प्रोसेस होता है। क्लाउड कंप्यूटिंग के जरिए कंप्यूटर में सेव डाटा को सिक्योर भी किया जा सकता है। अगर आपने किसी अच्छे संस्थान से क्लाउड कंप्यूटिंग में डिप्लोमा कर लिया तो आपको 10 से 15 लाख रुपए सालाना की नौकरी बड़े आराम से मिल जाएगी।

ग्राफिक्स डिजाइनिंग में डिप्लोमा कैसे करें

ग्राफिक्स डिजाइनर की जरूरत आज हर क्षेत्र में पड़ती है। दरअसल, ग्राफिक्स का मतलब होता है कि आप किसी रिपोर्ट को या फिर किसी भी चीज को दिखाने के लिए टेक्सट और तस्वीर दोनों को एक साथ मिला कर प्रदर्शित करते हैं। अगर आपने ग्राफिक्स डिजाइनिंग में डिप्लोमा किया है तो आपके लिए हर क्षेत्र में नौकरी के मौके हैं। आप यह कोर्स नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन, आईआईटी दिल्ली , आईआईटी बॉम्बे, एमआईटी इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन, पुणे, सिंबायॉसिस इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन, पुणे के अलावा किसी प्राइवेट संस्थान से भी कर सकते हैं।

12वीं के बाद करें नैनोटेक्नोलॉजी में डिप्लोमा कोर्स

अगर आपने 12वीं मैथ विषय के साथ पास की हो तो नैनोटेक्नोलॉजी में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं (Nanotechnology Diploma Courses). इस डिप्लोमा कोर्स में सूक्ष्म चीजों पर रिसर्च करना सिखाया जाता है. सर्टिफिकेट मिलने के बाद फूड एंड बेवरेज, मेडिसिन, एग्रिकल्चर, बायोटेक्नोलॉजी और स्पेस रिसर्च जैसे सेक्टर में करियर बना सकते हैं. किसी अच्छे संस्थान से डिप्लोमा करने पर 35 से 40 हजार रुपये की नौकरी आराम से मिलेगी.

आज की जरूरत है साइबर सिक्योरिटी कोर्स

किसी भी सरकारी या निजी संस्थान से साइबर सिक्योरिटी में डिप्लोमा कोर्स करने पर आईटी सेक्टर में अच्छी नौकरी मिल जाएगी. इंटरनेट और मॉडर्न टेक्नोलॉजी ने जिंदगी को काफी आसान बना दिया है लेकिन साइबर क्राइम में बढ़ोतरी भी देखी जा रही है (Cyber Security Course). इसलिए बड़ी कंपनियां और नामी लोग साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट हायर करने लगे हैं. यह एक साल का कोर्स होता है. इसकी फीस भी ज्यादा नहीं होती है.

क्लाउड कंप्यूटिंग में बढ़िया है स्कोप

कंप्यूटर में रुचि है तो क्लाउड कंप्यूटिंग में डिप्लोमा कोर्स एक बेहतर ऑप्शन है. यह कोर्स थोड़ा महंगा है लेकिन कंप्यूटर टेक्नोलॉजी में क्लाउड कंप्यूटिंग का रोल बहुत बड़ा है. क्लाउड कंप्यूटिंग एक नेटवर्क की तरह होता है, जिससे डेटा तेजी से प्रोसेस होता है (Cloud Computing Courses). इसके जरिए कंप्यूटर में सेव डेटा को सिक्योर कर सकते हैं. अअच्छे संस्थान से डिप्लोमा कोर्स करके आईटी सेक्टर में बढ़िया सैलरी के साथ नौकरी मिल जाएगी.

सूचना प्रौद्योगिकी में बी.टेक

अवलोकनः यह डिग्री प्रोग्राम आपको आईटी के प्रमुख क्षेत्रों जैसे आईटी सिस्टम, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, नेटवर्किंग और डेटाबेस प्रबंधन का विस्तृत अध्ययन प्रदान करता है।

कैरियर की संभावनाएँः

नेटवर्क इंजीनियर, डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर और वेब डेवलपर जैसी शीर्ष नौकरियाँ जो आप प्राप्त कर सकते हैं, वे हैं। इनके अलावा, आप सरकारी आईटी विभागों और तकनीकी फर्मों में विभिन्न अन्य संबंधित भूमिकाओं में काम कर सकते हैं।

मध्य प्रदेश के आस- पास घूमने लायक जगहें?

मध्य प्रदेश में तथा मध्य प्रदेश के आस- पास घूमने लायक कई पर्यटन स्थल हैं जो दुनिया भर से लोगों को आकर्षित करते हैं। इनमें बहुत सारे नेशनल पार्क भी सम्मलित हैं यहां पर विभिन्न प्रकार के जीव जन्तु भी पाये जाते हैं, मध्य प्रदेश में अनेक तीर्थ स्थल भी हैं जहां आप दर्शन कर सकते हैं और घूम सकते हैं। मध्य प्रदेश को भारत का हृदय भी कहा जाता है।

1. ग्वालियर फोर्ट मध्य प्रदेश

ग्वालियर मध्य प्रदेश राज्य का एक ऐतिहासिक शहर है जिसकी स्थापना राजा सूरजसेन ने की थी। ग्वालियर अपने किले, स्मारकों, महलों और मंदिरों के लिए जाना जाता है। यह शहर चारों तरफ से खूबसूरत पहाड़ियों और हरियाली से घिरा हुआ है जो इसके गौरवशाली अतीत के बारे में बताता है। ग्वालियर का किला शहर का मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है। जय विलास महल और सूर्य मंदिर ग्वालियर के कुछ ऐसे पर्यटन स्थल हैं जिन्हें देखने के बाद आप कभी नहीं भूल सकते। प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतकार तानसेन की समाधि भी यहाँ एक महत्वपूर्ण स्थान है। यहां हर साल नवंबर,दिसंबर के महीने में शहर में चार दिवसीय तानसेन संगीत समारोह का आयोजन किया जाता है।ग्वालियर का किला एक विशाल पहाड़ की चोटी पर बना एक मजबूत किला है। यह लगभग 3 किलोमीटर तक फैला हुआ है। इसकी संरचना ग्वालियर की शान है। ग्वालियर पहुंचते ही आप इस किले की खूबसूरती किसी भी नुक्कड़ से देख सकते हैं। इस किले के अंदर मान मंदिर, गुजरी महल, पानी की टंकियां आदि मौजूद हैं। अगर आप कभी ग्वालियर घूमने का प्लान करें तो इस किले को देखना न भूलें। इसे भारत का जिब्राल्टर भी कहा जाता है।

2. कान्हा नेशनल पार्क

कान्हा नेशनल पार्क मंडला जिले में स्थित है,कान्हा नेशनल पार्क राजसी बाघ के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के जंगली जानवरों का घर है। पार्क में 300 से अधिक प्रजातियों के साथ कई प्रकार के वन्यजीव और कई पक्षी जीवन हैं। इस उद्यान की सबसे खास बात यह है कि यह मध्य प्रदेश में स्थित मध्य भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है और इस उद्यान का नाम एशिया के सर्वश्रेष्ठ उद्यानों की सूची में शामिल है। पार्क बड़े स्तनधारियों की 22 प्रजातियों का घर है और रॉयल बंगाल टाइगर यहाँ का एक प्रमुख आकर्षण है। तो आप मध्य प्रदेश घूमने आयें तो-कान्हा नेशनल पार्क अवश्य घूमें।

3. भेड़ाघाट पर्यटन स्थल

भेड़ाघाट मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में स्थित एक खूबसूरत पर्यटन स्थल है। भेड़ाघाट धुंआदार झरने के लिए जाना जाता है, जो पानी का एक विशाल झरना है जो 98 फीट की ऊंचाई से गिरता है। भेड़ाघाट मध्य प्रदेश के प्रमुख शहरों में से एक जबलपुर के नजदीक है ,भेड़ाघाट अपनी संगमरमर की चट्टानों और झरनों के लिए प्रसिद्ध है। संगमरमर की चट्टानें लगभग 100 फीट ऊंची है और नर्मदा नदी के किनारे लगभग 3 किमी तक फैली हुई है। आप नदी के किनारे नाव की सवारी कर सकते हैं और संगमरमर की चट्टानों के शानदार दृश्य का आनंद ले सकते हैं।भेड़ाघाट में धुआंधार जलप्रपात एक अन्य लोकप्रिय आकर्षण है। जलप्रपात के उपरी छोर तक पहुँचने के लिए आप केबल कार की सवारी कर सकते हैं और ऊपर से लुभावने दृश्य का आनंद ले सकते हैं। केबल कार की सवारी की कीमत लगभग 90 रु प्रति व्यक्ति है। इसके साथ ही अगर आप मध्य प्रदेश में और भी कई झरनों और संगमरमर की चट्टानों का मजा लेना चाहते हैं तो जबलपुर के पास भेड़ाघाट एक अच्छा विकल्प है भेड़ाघाट नर्मदा नदी के तट पर स्थित अपनी संगमरमरी सुंदरता और शानदार झरनों के लिए ही यह पर्यटकों के बीच पसंद किया जाने वाला सबसे खास स्थान है। माना जाता है जब सूरज की किरणें सफेद संगमरमर की इन चट्टानों पर पड़ती हैं और पानी की परछाई पड़ती है तो यह स्थान और भी खूबसूरत लगता है। फिर काले और गहरे ज्वालामुखीय समुद्रों के साथ इन सफेद चट्टानों को देखना एक सुखद अनुभव है, इतना ही नहीं चांदनी रात में यह और भी जादुई प्रभाव पैदा करता है। नर्मदा नदी इन संगमरमर की चट्टानों के माध्यम से धीरे-धीरे बहती है और थोड़ी दूरी के बाद एक झरने में मिलती है जिसे धुआंधार कहा जाता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए नाव की सवारी भी उपलब्ध है।चांदनी रात में संगमरमरी चट्टान के पहाड़ों के बीच नाव की सवारी पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है। यदि आप मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता और झरनों का आनंद लेना चाहते हैं तो आपको छुट्टियों में भेड़ाघाट की यात्रा अवश्य करनी चाहिए। यहां कई दुकानें हैं जहां आपको संगमरमर के हस्तशिल्प और धार्मिक चिह्न मिल जाएंगे। हर साल कार्तिक के महीने में भेड़ाघाट में एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है। इस मेले में आपको भारतीय मेलों का रंग और कला देखने को मिलेगा।

4. खजुराहो

खजुराहो मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में स्थित एक बहुत ही खूबसूरत छोटा शहर है, जो मध्यकालीन भारतीय वास्तुकला और संस्कृति का अद्भुत उदाहरण है। मध्य प्रदेश में स्थित विश्व प्रसिद्ध खजुराहो अपने मंदिरों के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। यूनेस्को ने यहां के मंदिरों को भी वर्ल्ड हेरिटेज में शामिल किया है। खजुराहो मध्य प्रदेश के अति प्राचीन पर्यटन स्थलों में से एक है। यहां की बारीक नक्काशी और बेहतरीन मूर्तियां बेहद खूबसूरत हैं। मध्य प्रदेश में स्थित कामसूत्र की रहस्यमय भूमि भी अनादि काल से प्रसिद्ध है। जिसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं।यहां आपको दो प्राचीन मंदिर, लक्ष्मण मंदिर और चित्रगुप्त मंदिर भी देखने को मिलेंगे। यहां का नजारा बेहद मनमोहक होता है। इसलिए आप जब भी मध्य प्रदेश जाएं तो खजुराहो के प्रसिद्ध मंदिर और रहस्यमयी भूमि को देखकर जरूर आएं। साथ ही साथ खजुराहो के इन जगहों पर भी अवश्य घूमें, विश्वनाथ मन्दिर, कंदरिया महादेव मन्दिर, वराह मन्दिर आदि।

5. पंचमढ़ी

पचमढ़ी मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले में स्थित एक बहुत ही खूबसूरत हिल स्टेशन है। मध्य प्रदेश का यह एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी सतपुड़ा की खूबसूरत पहाड़ियों के बीच स्थित होने के कारण सतपुड़ा की रानी के रूप में विश्व प्रसिद्ध है। पचमढ़ी के घने जंगलों, बड़े झरनों, शुद्ध स्वच्छ पानी के तालाबों, औपनिवेशिक शैली की वास्तुकला में बने आकर्षक चर्चों को देखने के लिए दुनिया भर से लोग यहां आते हैं।पचमढ़ी में पांडवों के निवास और गुफाओं में प्राचीन शैल चित्रों की उपस्थिति के कारण इन गुफाओं का पौराणिक और पुरातात्विक महत्व है। भगवान शिव के जटा शंकर, गुप्त महादेव, चौरागढ़ और महादेव गुफा में रहने के कारण इसे भगवान शिव का दूसरा घर भी कहा जाता है। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के नवविवाहितों के लिए यह सस्ता, सुंदर और बहुत ही अच्छा हनीमून डेस्टिनेशं है। तथा घूमने के लिये भी बहुत सी जगहें हैं।

6. उदयगिरि की गुफ़ाएँ

उदयगिरी की गुफाओं के बारे में बताया जाता है कि ये 10 वीं शताब्दी में जब उदयगिरी विदिशा धार के परमारों के हाथ में आ गया, तो राजा भोज के पौत्र उदयादित्य ने अपने नाम से इस स्थान का नाम उदयगिरि रख दिया । उदयगिरि में कुल मिला कर 20 गुफाएँ हैं।इन्ही गुफाओं को काटकर छोटे- छोटे कमरों के रूप में बनाया गया है। साथ- ही- साथ मूर्तियाँ भी बनाई गई थी। आज के समय में वहा मुर्तियाँ नही देखी जा सकती, क्योंकि ऐसा यहाँ पाये जाने वाले पत्थर के कारण होता है। यह पत्थर बहुत नरम होते है यह मौसमी प्रभावों को झेलने के लिए उपयुक्त नहीं है।इसलिए मुर्तियाँ खुद ही नष्ट हो कर विलुप्त हो गई हैं। इसके साथ ही उदयगिरि की इन गुफाओं में बेहद खुबसुरत नक्काशी की गई है चंद्रगुप्त द्वितीय के शासन काल में इन गुफाओं पर काम किया गया। ये गुफाएं विदिशा से 6 किमी दूर बेतवा और वैस नदी के बीच में स्थित है। एक एकांत स्थान पर पहाड़ी पर स्थित इन गुफाओं में कई बौद्ध अवशेष भी पाए जाते हैं इस गुफा में पाए जाने वाली अधिकांश मूर्ति भगवान शिव और उनके अवतार को समर्पित है।इस गुफा में भगवान विष्णु के लेटे हुए मुद्रा में एक प्रतिमा है, जिसे जरूर देखना चाहिए। पत्थरों को काट कर बनाई ये गुफाएं गुप्त काल के कारीगरों के कौशल और कल्पनाशीलता का जीता जागता उदाहरण है। गुफा का प्रवेश द्वार को देख कर आप मंत्रमुग्ध हुए बिना नहीं रह सकेंगे। इसलिए आप मध्य प्रदेश जाएं तो उदयगिरि की गुफ़ाएं अवश्य घूमें।

7. ओरछा

ओरछा मध्य प्रदेश में बेतवा नदी के तट पर स्थित एक ऐतिहासिक शहर है, जो अपने भव्य महलों और जटिल नक्काशीदार मंदिरों के लिए जाना जाता है। बुंदेला युग की याद दिलाने वाला मध्यप्रदेश पर्यटन को बढ़ावा देने वाला "ओरछा" भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इतिहास के शौकीनों के घूमने के लिए ओरछा को मध्य प्रदेश की सबसे अच्छी जगहों में से एक माना जाता है। जब भी आप ओरछा जाएंगे तो आपको यहां के विभिन्न ऐतिहासिक स्थान, मंदिर, किले और अन्य पर्यटक आकर्षण देखने को मिलेंगे, जहां हर साल हजारों पर्यटक आते हैं। मध्य प्रदेश का ओरछा एक ऐसा टूरिस्ट प्लेस है, जिसे दोस्तों के साथ टूर, फैमिली वेकेशन और यहां तक कि न्यूली मैरिड कपल्स के लिए हॉलिडे डेस्टिनेशन में से एक माना जाता है। ओरछा के महलों और मंदिरों की मध्ययुगीन वास्तुकला भी फोटोग्राफरों को अपनी तरफ आकर्षित करने का मुख्य केंद्र बनी हुई है। ओरछा का किला अपने आकर्षण के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है, जो यहां आने वाले पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। इसके अलावा चतुर्भुज मंदिर, राज मंदिर और लक्ष्मी मंदिर ओरछा के मुख्य आकर्षण हैं जो यहां आने वाले लोगों के लिए यात्रा को यादगार बनाते हैं।

8. सांची का स्तूप

सांची का स्तूप भारत के मध्य प्रदेश राज्य की राजधानी भोपाल से 46 किमी. की दूरी पर उत्तर-पूर्व में स्थित है, जो रायसेन जिले के साँची नगर में बेतबा नदी के तट पर स्थित है। यह स्थल अपनी आकर्षक कला कृतियों के लिए विश्व प्रसिद्ध है।

गर्मी से बचने के लिए भारत में घूमने के लिए अच्छी जगहें

भारत में गर्मी अप्रैल के महीने में शुरू होती है और जून के अंत तक जारी रहती है। जो लोग भारत में इन गर्मियों की छुट्टियों के दौरान अपने दोस्तों और परिवार के साथ आराम करना चाहते हैं और कुछ यादें बटोरना चाहते हैं, उनके लिए भारत में कुछ अद्भुत ठंडी जगहें हैं। इन पर्वतीय क्षेत्रों के अलावा, गर्मियों में भारत में घूमने के लिए अच्छी जगहें कुछ अन्य ठंडी जगहें भी हैं।

1. मनालीः बर्फ से ढके पहाड़

मनाली गर्मियों में भारत में घूमने के लिए अच्छी जगहें में से एक है मनाली में छुट्टियाँ बिताने से बर्फ से ढकी पर्वतमालाओं के बीच हरे-भरे पहाड़ों, ताजी हवा का झोंका और एक आरामदायक छुट्टी की तस्वीरें सामने आती हैं। मनाली गर्मियों में भारत में घूमने के लिए सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। यह मनमोहक दृश्यों, हरी-भरी हरियाली और चमत्कारी वनस्पतियों और जीवों से सुसज्जित है।

पहुँचने के लिए कैसे करें:

निकटतम हवाई अड्डा भुंतर है, जो मनाली से 50 किमी दूर है निकटतम रेल स्टेशन चंडीगढ़ में है, जो मनाली से 291 किमी दूर है सड़क यात्राः मनाली दिल्ली से 546 किमी दूर है
समय अवधिः 3-4 दिन

मनाली में करने योग्य बातें:

सोलंग वैली में साहसिक खेलों में शामिल होना गर्मियों में भारत में करने के लिए सबसे अच्छी चीजों में से एक है। यहां पैराग्लाइडिंग, ज़ोरबिंग, क्वाड बाइकिंग और कई अन्य चीजें आजमाएं गर्मियों में बर्फ में खेलने के लिए रोहतांग दर्रे की ओर चलें पास के एक पक्षी अभयारण्य में सबसे खूबसूरत प्रवासी पक्षियों को देखें यदि आपके पास अधिक समय है तो कुल्लू का भ्रमण करें
ठहरने के स्थानः हिमालयन, स्नो वैली रिसॉर्ट्स, हिमालयन हाइट्स, हनीमून इन
औसत बजटः 6,000-9,000 प्रति व्यक्ति
खाने के स्थानः कासा बेला विस्टा, चॉपस्टिक्स रेस्तरां, और द जॉनसन कैफे एंड होटल

2. शिमलाः समृद्ध इतिहास

शिमला उत्तरी भारत का एक प्रसिद्ध हिल स्टेशन है शिमला उत्तरी भारत का एक प्रसिद्ध हिल स्टेशन है और गर्मियों में सबसे प्रसिद्ध छुट्टियों के स्थानों में से एक है जो ब्रिटिश सुंदरता के साथ भारतीय भव्यता को पूरी तरह से दर्शाता है। यह एक समृद्ध इतिहास से समृद्ध है और प्राकृतिक सुंदरता से पवित्र है। यदि आप एक आरामदायक लेकिन मनोरंजक स्थान की तलाश में हैं, तो मई और जून में भारत में घूमने के लिए शिमला आपकी सबसे अच्छी जगहों की सूची में होना चाहिए।

पहुँचने के लिए कैसे करें:

निकटतम हवाई अड्डा चंडीगढ़ है, जो 115 किमी दूर है निकटतम रेलवे स्टेशन कालका है
रोड ट्रिपः शिमला दिल्ली से 360 किमी दूर हैमय अवधिः 3-4 दिन

शिमला में करने योग्य बातें:

मॉल रोड जो पर्यटकों को सबसे ज्यादा लुभाती है जाखू हिल शिमला से एक छोटी और खूबसूरत ड्राइव पर है। यहां भगवान हनुमान के मंदिर के दर्शन करें एक अन्य प्रमुख मील का पत्थर वाइसरीगल लॉज है जो ब्रिटिश शासनकाल के दौरान बनाया गया था यदि आपको पोलो का शौक है तो अन्नानडेल में रुकें जो रिज से 4 किमी दूर है ठहरने के स्थानः स्नो वैली रिसॉर्ट्स, द ओबेरॉय सेसिल, वुडविले पैलेस होटल शिमला, रेडिसन जस शिमला औसत बजटः 6,000-10,000 प्रति व्यक्ति खाने के स्थानः कैफे शिमला टाइम्स, हिमाचली रसोई और सेसिल रेस्तरां

3. लद्दाखः बेज हिलस्केप

गर्मियों में भारत में घूमने के लिए अच्छी जगहें में से एक लद्दाख है लद्दाख भारत में गर्मियों की छुट्टियाँ बिताने के लिए समय स्थानों में से एक है, भले ही यह समय न हो। हर बाइकर के लिए छुट्टियाँ बिताने का सपना, लद्दाख की बेज ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी परिदृश्य नीली झीलों और आकाश के साथ एक आकर्षक विरोधाभास स्थापित करता है। गर्मियों को लद्दाख की यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय माना जाता है, जो इसे भारत में गर्मियों की छुट्टियों के लिए सबसे सुंदर स्थानों में से एक बनाता है। भारत में कुछ सबसे प्रसिद्ध बौद्ध मठ जैसे थिकसे मठ परिदृश्य में जीवंत रंग जोड़ते हैं।

पहुँचने के लिए कैसे करें:

लद्दाख में लेह हवाई अड्डा दिल्ली जैसे शहरों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। जम्मू तवी रेलवे स्टेशन लद्दाख के लेह शहर से लगभग 700 किमी दूर स्थित है। यह लद्दाख से निकटतम रेलवे स्टेशन है। सड़क यात्राः लद्दाख से निकटतम प्रमुख शहर दिल्ली है, जो 1300 किमी दूर है। यदि आप दिल्ली से लद्दाख तक सड़क यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो सुनिश्चित करें कि आप रास्ते में पर्याप्त स्टॉपेज लें और खुद को अभ्यस्त होने दें। समय अवधिः 5-7 दिन

लद्दाख में करने योग्य बातें:

एनफ़ील्ड पर लद्दाख के पथरीले रास्तों का अन्वेषण करें। पन्ना पैंगोंग त्सो झील के किनारे अत्यंत शांति का अनुभव करें। नुब्रा घाटी के रेत के टीलों के माध्यम से ऊंट की सवारी करें, जो लद्दाख में घूमने के लिए शीर्ष स्थानों में से एक है। ठहरने के स्थानः द ग्रैंड ड्रैगन लद्दाख, लद्दाख सराय रिज़ॉर्ट, स्पिक एन स्पैन औसत बजटः 11,500-16,500 प्रति व्यक्ति खाने के स्थानः जलसा रेस्तरां, ज़ोम्सा रेस्तरां और वांगचुक की लद्दाखी रसोई

4. औलीः भारत की सबसे ठंडी जगह

औली भारत में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है दुनिया भर से यात्रियों का स्वागत करते हुए, गर्मियों में औली भारत का सबसे ठंडा स्थान है। यह भारतीय सर्दियों के साथ-साथ गर्मियों के लिए भी एक लोकप्रिय स्कीइंग गंतव्य है। गर्मियों के मौसम में हरे-भरे चरागाहों और बर्फ से ढकी चोटियों की पृष्ठभूमि इसे भारत में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक बनाती है। सुहावना मौसम सोने पर सुहागा है और आप निश्चित रूप से भारत में गर्मियों की छुट्टियों के लिए सबसे अच्छी जगहों की सूची में औली को उच्च स्थान पर रखेंगे।

पहुँचने के लिए कैसे करें:

देहरादून का जॉली ग्रांट हवाई अड्डा औली से निकटतम हवाई अड्डा है, जो 280 किमी की दूरी पर स्थित है। औली से निकटतम रेलवे स्टेशन 285 किमी दूर हरिद्वार में स्थित है। सड़क यात्राः औली से निकटतम प्रमुख शहर दिल्ली है, जो 500 किमी दूर स्थित है। समय अवधिः 2-3 दिन

औली में करने योग्य बातें:

रोपवे पर सवार होकर जोशीमठ की यात्रा करें और विहंगम दृश्य का आनंद लें। गोरसन और कुआरी पास जैसी जगहों पर रोमांचक ट्रैकिंग पर जाएं। ठहरने के स्थानः एप्पल फार्म स्टे, कनासर इको लॉज औसत बजटः 8,000-13,000 प्रति व्यक्ति खाने के स्थानः होटल सन माउंट, कैलाश फूड्स और चाइनाटाउन

5. नैनीतालः हरी-भरी पहाड़ियाँ

नैनीताल भारत के सबसे खूबसूरत ग्रीष्मकालीन स्थलों में से एक है हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा, नैनीताल भारत के ग्रीष्मकालीन गंतव्य में से एक है। आसान पहुंच और ढेर सारे आवास विकल्प इसे दिल्ली और चंडीगढ़ जैसे शहरों से पसंदीदा सप्ताहांत पलायन बनाते हैं।

पहुँचने के लिए कैसे करें:

पंतनगर हवाई अड्डा नैनीताल से निकटतम हवाई अड्डा है, जो 60 किमी दूर स्थित है।
नैनीताल से निकटतम रेलवे स्टेशन काठगोदाम रेलवे स्टेशन है, जो 20 किमी की दूरी पर है।
सड़क यात्राः दिल्ली, नैनीताल से निकटतम प्रमुख शहर है। दोनों के बीच की दूरी 300 किलोमीटर है। समय अवधिः 2-3 किमी

नैनीताल में करने योग्य बातें:

नैनी झील में नौकायन का आनंद लें – यह नैनीताल में करने के लिए सबसे अच्छी चीजों में से एक है। सूर्यास्त या सूर्योदय के मनमोहक दृश्य के लिए टिफिन टॉप तक ट्रेक करें। पंगोट और किलबरी पक्षी अभयारण्य में पक्षियों को देखने जाएं। **ठहरने के स्थानः** नैनी रिट्रीट, शेरवानी हिलटॉप नैनीताल, द पैलेस बेल्वेडियर
औसत बजटः 7,500-10,500 प्रति व्यक्ति
खाने के स्थानः सिम्ज़ कैफे, जूबीज़ किचन, और सकलीज़ रेस्तरां

6. रानीखेतः छावनी हिल-टाउन

रानीखेत गर्मियों में भारत में घूमने के लिए अच्छी जगहें में से एक है उत्तराखंड में एक सुंदर छावनी पहाड़ी शहर, रानीखेत को रानी के मैदान के रूप में भी जाना जाता है और यह भारत में शीर्ष ग्रीष्मकालीन स्थलों में से एक है। इसे कुमाऊं की रानी पद्मिनी का निवासी माना जाता है। रानीखेत में प्रतिष्ठित मंदिर, 9-होल गोल्फ कोर्स, समृद्ध बगीचे और लुभावनी प्रकृति यही कारण हैं कि यह भारत के ग्रीष्मकालीन पर्यटन स्थल में से एक है।

TVS के Norton ब्रैंड की सुपरबाइक्स इस साल भारत में होंगी लॉन्च, पावर और परफॉर्मेंस में विदेशी कंपनियों को देगी टक्कर

टीवीएस मोटर कंपनी इस साल अपने नॉर्टन ब्रैंड की सुपरबाइक्स को भारतीय बाजार में पेश करने की तैयारी में है और इसकी झलक कंपनी ने पिछले साल ऑटो एक्सपो में ही दे दिया था। आइए, आपको बताते हैं कि नॉर्टन सुपरबाइक्स की इंडियन मार्केट में कब एंट्री होने वाली है।

टीवीएस मोटर कंपनी जल्द ही भारतीय बाजार में प्रीमियम ब्रैंड नॉर्टन की सुपरबाइक्स को लॉन्च करने जा रही है। नॉर्टन एक ब्रिटिश ब्रैंड है, जिसे टीवीएस ने 2020 में खरीदा था। भारतीय कंपनी टीवीएस अब इस ब्रैंड को फिर से शुरू करके दुनिया भर में फैलाना चाहती है। भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में टीवीएस के पवेलियन में नॉर्टन के वी4 मॉडल ने विजिटर्स को काफी आकर्षित किया था और अब इस सुपरबाइक को भारतीय सड़कों पर दौरान की तैयारी है।

1200 सीसी की सुपरबाइक

ऑटोकार प्रोफेशनल्स में पब्लिश रिशाद मोदी की रिपोर्ट के मुताबिक टीवीएस के प्रवक्ता ने बताया है कि कंपनी भारतीय बाजार के लिए 1200 सीसी की 4-सिलिंडर मोटरसाइकल बना रही है। नॉर्टन ब्रैंड की दो बाइक इस साल 2025 के अंत तक आ सकती है, जिनमें एक फ्लैगशिप बाइक भी है। दिलचस्प बात यह है कि नॉर्टन ब्रैंड के प्रोडक्ट के लिए टीवीएस अलग से सेल्स चैनल बनाएगी। टीवीएस अपने नॉर्टन ब्रैंड को 'डिजाइन, डायनैमिज्म और डिटेल' जैसी 3 फिलॉसफी पर बेस्ड रखेगी।

ऑटोमैटिक कार चाहिए और बजट है 10 लाख रुपये के अंदर तो ये रहे 5 धांसू विकल्प, सिटी में आएगा मजा

भारतीय बाजार में ऑटोमैटिक कारों की बिक्री में काफी तेजी देखने को मिल रही है और खास तौर पर लोग ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन से लैस एसयूवी ढूंढ़ रहे हैं। अब चूंकि मार्केट में ज्यादातर एसयूवी बिक रही हैं तो आपके दिमाग में आता होगा कि 10 लाख रुपये तक की प्राइस रेंज में कौन-कौन सी ऑटोमैटिक एसयूवी फिलहाल उपलब्ध है और इनका ड्राइविंग एक्सपीरियंस भी अच्छा है।आज हम आपको 10 लाख रुपये तक की प्राइस रेंज की 5 ऐसी एसयूवी की कीमतों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनकी ना सिर्फ अच्छी बिक्री होती है, बल्कि ये चलाने में भी अच्छी हैं। आप इन एसयूवी को सिटी ट्रैफिक में तो आसानी से चला ही सकते हैं, साथ ही यह हाइवे पर भी अच्छा परफॉर्म करती हैं। किफायती ऑटोमैटिक एसयूवी में टाटा मोटर्स की पंच और नेक्सॉन जैसी गाड़ियों के अलावा हुंडई की एक्सटर, मारुति सुजुकी की फ्रॉन्क्स और टोयोटा की अर्बन क्रूजर टाइजर जैसी एसयूवी हैं। अब एक-एक करके बताते हैं कि इनके कौन से वेरिएंट आपको 10 लाख रुपये के अंदर मिल जाएंगे।

साइबर स्वच्छता,साइबर सुरक्षा,साइबर अपराधों की रोकथाम

साइबर अपराधों और उनके निवारक उपायों के बारे में जागरूक करने के लिए, देश के सभी तकनीकी संस्थानों को प्रत्येक माह के पहले बुधवार को निम्नलिखित कार्यकलाप आयोजित करते हुए "साइबर जागरूकता दिवस" मनाना चाहिए जैसेः सुझाए गए विषयों पर संस्थानों के स्तर पर साइबर जागरूकता सत्र आयोजित करना

1. साइबर अपराध और सुरक्षा,2. दैनिक जीवन में साइबर स्वच्छता की अवधारणा और उपयोग,3. सामाजिक नेटवर्क का परिचय,4. इलैक्ट्रॉनिक भुगतान और सुरक्षा उपाय,परिसर में जागरूकता/प्रचार पोस्टर/बैनर लगाना इंटरनेट हमारे दैनिक जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है। इसने हमारे आपस में संवाद करने, मित्र बनाने, नई सूचना (अपडेट) साझा करने, खेल (गेम) खेलने और खरीदारी करने के तरीके को बदल दिया है। यह हमारे दैनिक जीवन के अधिकांश पहलुओं को प्रभावित कर रहा है। साइबर अपराधों की रोकथाम पर जानकारी के प्रचार प्रसार के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है और यह बार-बार कहा जा रहा है कि छात्र साइबर सुरक्षा के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और साइबर अपराधों को रोकने के लिए एक सशक्त आधार के रूप में कार्य कर सकते हैं। साइबरस्पेस हमें वस्तुतः विश्व भर के करोड़ों ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं से जोड़ता है। साइबरस्पेस के बढ़ते उपयोग के साथ, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के खिलाफ साइबर अपराध जैसे साइबर स्टाकिंग, साइबर बुलिंग, साइबर उत्पीड़न, बालक अश्लील चलचित्र (चाइल्ड पोर्नोग्राफी), बलात्कार सामग्री आदि भी तेजी से बढ़ रहे हैं। ऑनलाइन दुनिया में सुरक्षित रहने के लिए, साइबर की कुछ सुरक्षित प्रथाओं का पालन करना महत्वपूर्ण है जो हमारे ऑनलाइन अनुभव को और उपयोगी एवं परिणामात्मक बनाने में मदद कर सकते हैंः

साइबर जागरूकता एवं सुरक्षा

आज साइबर जागरूकता के अभाव में लोग बहुत बड़ी संख्या में साइबर अपराधियों के जाल में फंसकर आर्थिक धोखाधड़ी का शिकार हो रहे हैं। साइबर अपराधी इंटरनेट के माध्यम से धोखाधड़ी करके, छद्म तरीके से और अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग कर बच्चों, महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और हमारे देश की सेना के वीर जवानों तक का आर्थिक, मानसिक, सामाजिक व यौन शोषण कर रहे हैं। इस वजह से कई पीड़ित मानसिक तनाव में आकर आत्महत्या कर रहे हैं। साइबर अपराध आधुनिक विश्व की एक बड़ी समस्या बन चुके हैं। लेकिन अगर हम कुछ पूर्व सावधानियां बरतें और समाज में साइबर जागरूकता का प्रसार हो तो इस समस्या से आसानी से निपटा जा सकता है। विज्ञान व तकनीक के इस युग में रोज नई खोज व आविष्कार हो रहे हैं। पिछले एक वर्ष में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एआई के विकास से साइबर क्राइम के कई नए तरीके प्रकाश में आए हैं। इसीलिए साइबर अपराध के नए तरीकों से जनता को आगाह करने के लिए मैंने "साइबर जागरूकता और सुरक्षा" पुस्तक का द्वितीय संस्करण लिखकर प्रकाशित किया है। आशा है कि इससे जनता में साइबर जागरूकता का प्रसार होगा। साइबर क्राइम को रोकने का यही एकमात्र उपाय है। धन्यवाद।

साइबर सुरक्षा के विभिन्न प्रकार

साइबर सुरक्षा एक व्यापक क्षेत्र है जिसमें कई विषय शामिल हैं। इसे सात मुख्य स्तंभों में विभाजित किया जा सकता हैः

1. नेटवर्क सुरक्षा

अधिकांश हमले नेटवर्क पर होते हैं, और नेटवर्क सुरक्षा समाधान इन हमलों की पहचान करने और उन्हें रोकने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। इन समाधानों में डेटा और एक्सेस नियंत्रण जैसे डेटा लॉस प्रिवेंशन (DLP), IAM (आइडेंटिटी एक्सेस मैनेजमेंट), NAC (नेटवर्क एक्सेस कंट्रोल), और NGFW (नेक्स्ट-जेनरेशन फ़ायरवॉल) एप्लिकेशन नियंत्रण शामिल हैं, जो सुरक्षित वेब उपयोग नीतियों को लागू करते हैं। उन्नत और बहुस्तरीय नेटवर्क खतरा रोकथाम तकनीकों में IPS (घुसपैठ रोकथाम प्रणाली), NGAV (नेक्स्ट-जेन एंटीवायरस), सैंडबॉक्सिंग और CDR (कंटेंट डिसआर्म एंड रिकंस्ट्रक्शन) शामिल हैं। नेटवर्क एनालिटिक्स, थ्रेट हंटिंग और ऑटोमेटेड SOAR (सिक्योरिटी ऑर्केस्ट्रेशन एंड रिस्पॉन्स) तकनीकें भी महत्वपूर्ण हैं।

2. क्लाउड सुरक्षा

जैसे-जैसे संगठन तेजी से क्लाउड कंप्यूटिंग को अपना रहे हैं, क्लाउड को सुरक्षित करना एक प्रमुख प्राथमिकता बन गई है। क्लाउड सुरक्षा रणनीति में साइबर सुरक्षा समाधान, नियंत्रण, नीतियाँ और सेवाएँ शामिल हैं जो किसी संगठन के संपूर्ण क्लाउड परिनियोजन (एप्लिकेशन, डेटा, बुनियादी ढाँचा, आदि) को हमले से बचाने में मदद करती हैं। जबकि कई क्लाउड प्रदाता सुरक्षा समाधान प्रदान करते हैं, ये अक्सर क्लाउड में एंटरप्राइज़-ग्रेड सुरक्षा प्राप्त करने के कार्य के लिए अपर्याप्त होते हैं। क्लाउड वातावरण में डेटा उल्लंघनों और लक्षित हमलों से बचाने के लिए पूरक तृतीय-पक्ष समाधान आवश्यक हैं।

3. एंडपॉइंट सुरक्षा

जीरो-ट्रस्ट सुरक्षा मॉडल डेटा के इर्द-गिर्द माइक्रो-सेगमेंट बनाने का सुझाव देता है, चाहे वह कहीं भी हो। मोबाइल वर्कफोर्स के साथ ऐसा करने का एक तरीका एंडपॉइंट सुरक्षा का उपयोग करना है । एंडपॉइंट सुरक्षा के साथ, कंपनियां डेटा और नेटवर्क सुरक्षा नियंत्रण, एंटी-फ़िशिंग और एंटी-रैंसमवेयर जैसे उन्नत खतरे की रोकथाम और एंडपॉइंट डिटेक्शन और रिस्पॉन्स (EDR) समाधान जैसी फोरेंसिक प्रदान करने वाली तकनीकों के साथ डेस्कटॉप और लैपटॉप जैसे एंड-यूज़र डिवाइस को सुरक्षित कर सकती हैं।

4. मोबाइल सुरक्षा

अक्सर अनदेखा किया जाता है कि टैबलेट और स्मार्टफोन जैसे मोबाइल डिवाइस कॉर्पोरेट डेटा तक पहुँच सकते हैं, जिससे व्यवसायों को दुर्भावनापूर्ण ऐप, जीरो-डे, फ़िशिंग और IM (इंस्टेंट मैसेजिंग) हमलों से होने वाले खतरों का सामना करना पड़ता है। मोबाइल सुरक्षा इन हमलों को रोकती है और ऑपरेटिंग सिस्टम और डिवाइस को रूटिंग और जेलब्रेकिंग से सुरक्षित करती है। जब इसे MDM (मोबाइल डिवाइस प्रबंधन) समाधान के साथ शामिल किया जाता है, तो यह उद्यमों को यह सुनिश्चित करने में सक्षम बनाता है कि केवल अनुपालन करने वाले मोबाइल डिवाइस ही कॉर्पोरेट संपत्तियों तक पहुँच सकें।

5. IoT सुरक्षा

इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) डिवाइस का उपयोग करने से निश्चित रूप से उत्पादकता में लाभ मिलता है, लेकिन यह संगठनों को नए साइबर खतरों के प्रति भी उजागर करता है। खतरे पैदा करने वाले लोग अनजाने में इंटरनेट से जुड़े कमजोर डिवाइस को नापाक इस्तेमाल के लिए खोजते हैं, जैसे कि कॉर्पोरेट नेटवर्क में प्रवेश का रास्ता या वैश्विक बॉट नेटवर्क में किसी अन्य बॉट के लिए।IoT सुरक्षा इन डिवाइस को कनेक्टेड डिवाइस की खोज और वर्गीकरण, नेटवर्क गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए ऑटो-सेगमेंटेशन और कमजोर IoT डिवाइस के खिलाफ शोषण को रोकने के लिए वर्चुअल पैच के रूप में IPS का उपयोग करके सुरक्षित रखती है। कुछ मामलों में, शोषण और रनटाइम हमलों को रोकने के लिए डिवाइस के फर्मवेयर को छोटे एजेंटों के साथ भी बढ़ाया जा सकता है।

6. एप्लीकेशन सुरक्षा

वेब एप्लीकेशन, इंटरनेट से सीधे जुड़ी किसी भी अन्य चीज़ की तरह, ख़तरे वाले अभिनेताओं के लिए लक्ष्य हैं। 2007 से, OWASP ने इंजेक्शन, टूटे हुए प्रमाणीकरण, गलत कॉन्फ़िगरेशन और क्रॉस-साइट स्क्रिप्टिंग जैसी महत्वपूर्ण वेब एप्लीकेशन सुरक्षा खामियों के लिए शीर्ष 10 खतरों को ट्रैक किया है।

एप्लिकेशन सुरक्षा के साथ , OWASP टॉप 10 हमलों को रोका जा सकता है। एप्लिकेशन सुरक्षा बॉट हमलों को भी रोकती है और एप्लिकेशन और API के साथ किसी भी दुर्भावनापूर्ण इंटरैक्शन को रोकती है। निरंतर सीखने के साथ, DevOps द्वारा नई सामग्री जारी किए जाने पर भी ऐप्स सुरक्षित रहेंगे।

7. शून्य विश्वास

पारंपरिक सुरक्षा मॉडल परिधि-केंद्रित है, जो संगठन की मूल्यवान संपत्तियों के चारों ओर महल की तरह दीवारें खड़ी करता है। हालाँकि, इस दृष्टिकोण में कई मुद्दे हैं, जैसे कि अंदरूनी खतरों की संभावना और नेटवर्क परिधि का तेजी से विघटन।

चूंकि क्लाउड अपनाने और रिमोट वर्क के हिस्से के रूप में कॉर्पोरेट संपत्तियां ऑफ-प्रिमाइसेस में स्थानांतरित हो रही हैं, इसलिए सुरक्षा के लिए एक नए दृष्टिकोण की आवश्यकता है। ज़ीरो ट्रस्ट सुरक्षा के लिए अधिक विस्तृत दृष्टिकोण अपनाता है, माइक्रो-सेगमेंटेशन, मॉनिटरिंग और भूमिका-आधारित एक्सेस नियंत्रणों के प्रवर्तन के संयोजन के माध्यम से व्यक्तिगत संसाधनों की सुरक्षा करता है।

साइबर सुरक्षा खतरे के परिदृश्य का विकास

आज के साइबर खतरे कुछ साल पहले जैसे नहीं हैं। जैसे-जैसे साइबर खतरे का परिदृश्य बदलता है, संगठनों को बाहरी साइबर जोखिमों से सुरक्षा और साइबर अपराधियों के वर्तमान और भविष्य के उपकरणों और तकनीकों पर नज़र रखने वाली रणनीतिक खुफिया जानकारी की आवश्यकता होती है।

जनरेशन V के हमले

साइबर सुरक्षा खतरे का परिदृश्य लगातार विकसित हो रहा है, और कभी-कभी, ये प्रगति साइबर खतरों की एक नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करती है। आज तक, हमने साइबर खतरों और उन्हें कम करने के लिए डिज़ाइन किए गए समाधानों की पाँच पीढ़ियों का अनुभव किया है, जिनमें शामिल हैंः जनरेशन I (वायरस)ः 1980 के दशक के अंत में, स्टैंडअलोन कंप्यूटरों के विरुद्ध वायरस हमलों ने प्रथम एंटीवायरस समाधानों के निर्माण को प्रेरित किया। जनरेशन II (नेटवर्क)ः जैसे ही साइबर हमले इंटरनेट पर आने लगे, उन्हें पहचानने और रोकने के लिए फायरवॉल विकसित किया गया। जनरेशन III (अनुप्रयोग)ः अनुप्रयोगों के भीतर कमजोरियों के दोहन के कारण घुसपैठ रोकथाम प्रणालियों (आईपीएस) को बड़े पैमाने पर अपनाया गया। जनरेशन IV (पेलोड)ः चूंकि मैलवेयर अधिक लक्षित हो गए तथा हस्ताक्षर-आधारित सुरक्षा से बचने में सक्षम हो गए, इसलिए नए खतरों का पता लगाने के लिए एंटी-बॉट और सैंडबॉक्सिंग समाधान आवश्यक हो गए। जनरेशन V (मेगा)ः साइबर खतरों की नवीनतम पीढ़ी बड़े पैमाने पर, बहु-वेक्टर हमलों का उपयोग करती है, जिससे उन्नत खतरा रोकथाम समाधान एक प्राथमिकता बन जाते हैं। साइबर खतरों की प्रत्येक पीढ़ी ने पिछले साइबर सुरक्षा समाधानों को कम प्रभावी या अनिवार्य रूप से अप्रचलित बना दिया है। आधुनिक साइबर खतरे के परिदृश्य से बचाव के लिए जनरेशन V साइबर सुरक्षा समाधानों की आवश्यकता है ।

आपूर्ति श्रृंखला हमले

ऐतिहासिक रूप से, कई संगठनों के सुरक्षा प्रयास उनके अपने अनुप्रयोगों और प्रणालियों पर केंद्रित रहे हैं। परिधि को सख्त करके और केवल अधिकृत उपयोगकर्ताओं और अनुप्रयोगों को ही पहुँच की अनुमति देकर, वे साइबर खतरे वाले अभिनेताओं को अपने नेटवर्क में सेंध लगाने से रोकने का प्रयास करते हैं। चेक प्वाइंट के साथ व्यापक साइबर सुरक्षा हासिल करना आधुनिक साइबर सुरक्षा बुनियादी ढांचा वह है जो समेकित है और ऐसे समाधानों से बना है जो एक साथ काम करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

एफिलिएट मार्केटिंग क्या है और इसकी शुरुआत कैसे करें

Affiliate Marketing एक दशक से अधिक समय से अस्तित्व में है। तो, ऐसा क्यों है कि 2025 में ही अधिक संख्या में लोग इस उद्योग में शामिल होने लगे हैं? हमारे पास आपके लिए जवाब है। ऑनलाइन खरीदारी के लिए उपयोगकर्ताओं की बढ़ती संख्या जिसके कारण Affiliate marketing पिछले दशक में पैसा बनाने का सबसे अच्छा तरिका बन गया है। Content बनाकर और Affiliate deals को साझा करके कोई भी Affiliate Marketer बन सकता है |

एफिलिएट मार्केटिंग क्या है? Affiliate Marketing किसी और के उत्पादों को ऑनलाइन बढ़ावा देकर कमीशन कमाने की प्रक्रिया है। आमतौर पर, एक ऑनलाइन रिटेलर impressions, leads और sales उत्पन्न करने के लिए विभिन्न content creators के माध्यम से अपने उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देते हैं| Creators को उनके promo links के जरिए की गई हर बिक्री पर कमीशन मिलता है। कोई भी Affiliate marketer बन सकता है। इसमें पेशे, योग्यता, उम्र, या किसी और चीज से संबंधित कोई रोक नहीं है। आप इसे फुल टाइम या पार्ट टाइम भी कर सकते हैं।

Affiliate Marketing कैसे काम करता है?

Affiliate Marketing तब शुरू होती है जब Affiliate Marketer एक Affiliate Program से जुड़ता है। एक मानक प्रक्रिया होती है जिसका आमतौर पर Affiliate उत्पादों के लिए बिक्री शुरू करने के लिए पालन किया जाता है।

1. अपने ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म में Affiliate लिंक जोड़ें

Affiliate program में शामिल होने पर, व्यापारी का सॉफ़्टवेयर आपके उपयोग के लिए एक अद्वितीय Affiliate Link उत्पन्न करेगा। एक बार आपके पास यह लिंक आ जाने के बाद, आप इसे उन जगहों पर जोड़ना शुरू कर सकते हैं जहाँ आप अपनी content का प्रचार करना चाहते हैं। Affiliate उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए सबसे आम स्थान वेबसाइट, ब्लॉग और सोशल मीडिया प्रोफाइल हैं। यदि आपके पास एक ब्लॉग है, तो आप अपने लिंक को अपनी संपूर्ण content में रख सकते हैं। यदि आप सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार करते हैं तो आप एक sponsored पोस्ट बना सकते हैं जिसमें लिंक शामिल हो।

2. ग्राहक आपके Affiliate लिंक पर क्लिक करेगा

जैसे ही आप प्रयोगकर्ता को अपनी content पर लाना शुरू करते हैं, कुछ उपयोगकर्ता आपके Affiliate लिंक पर क्लिक करेंगे। जब वे ऐसा करते हैं, तो आपके Affiliate लिंक उपयोगकर्ता के ब्राउज़र में ट्रैकिंग कुकीज़ बनाएंगे। ये वे हैं जो व्यापारी को यह बताने की अनुमति देते हैं कि कौन सा सहयोगी ग्राहक को लाने में मदद करता है। कुकीज़ एक निर्दिष्ट समय के लिए ब्राउज़र पर संग्रहीत की जाती हैं। आपको बिक्री के लिए क्रेडिट प्राप्त करने के लिए, ग्राहक को इस समयावधि के समाप्त होने से पहले अपनी खरीदारी पूरी करनी होगी। कुकी विंडो 24 घंटे जितनी छोटी या 60 दिन जितनी लंबी हो सकती है।

3. ग्राहक व्यापारी साइट पर जायेगा

ग्राहक द्वारा आपके लिंक पर क्लिक करने के बाद, उन्हें व्यापारी की वेबसाइट पर ले जाया जाएगा। जिस प्रकार के पृष्ठ पर वे उतरते हैं, वह व्यवसाय की विशेष पेशकश पर निर्भर करेगा। इसे आपकी पसंद से भी निर्धारित किया जा सकता है क्योंकि कुछ प्रोग्राम संबद्धों को चुनने के लिए एकाधिक लैंडिंग पृष्ठ देते हैं। जबकि पृष्ठ पर ग्राहक इसके बारे में अधिक जानने के लिए उत्पाद की समीक्षा करेगा।

4. ग्राहक व्यापारी से खरीदारी करेगा

एक बार जब उनके पास अपना निर्णय लेने का समय हो जाता है, तो व्यापारी की वेबसाइट पर आने वाले कुछ लोग अपनी खरीदारी पूरी करने का विकल्प चुनेंगे। ऐसे अन्य लोग भी हो सकते हैं जो तुरंत खरीदारी नहीं करते हैं लेकिन अंततः अपनी खरीदारी पूरी करने के लिए वापस आते हैं।

5. Affiliate ट्रैकिंग सिस्टम खरीद को रिकॉर्ड रखेगा

जब ग्राहक अपना ऑर्डर देता है, तो Affiliate ट्रैकिंग सिस्टम खरीदारी के सभी विवरण रिकॉर्ड करेगा। यह यह भी देखेगा कि किस सहयोगी को बिक्री का श्रेय दिया जाना चाहिए। ऐसी स्थिति में जहां ग्राहक ने केवल एक Affiliate लिंक पर क्लिक किया है, यह निर्धारित करना आसान है। अगर ग्राहक खरीदने से पहले कई लिंक पर क्लिक करता है तो चीजें और मुश्किल हो जाती हैं।

6. खरीद की पुष्टि कंपनी द्वारा वैध बिक्री के रूप में की जाएगी

Affiliate कार्यक्रम यह सुनिश्चित करने के लिए लेन-देन की समीक्षा भी करते हैं कि वे वैध हैं। उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाने की आवश्यकता है कि आप अपने स्वयं के उत्पाद नहीं खरीद रहे हैं या कोई अन्य बेईमानी नहीं कर रहे हैं।

7. आपको लेन-देन का श्रेय दिया जाता है

व्यापारी द्वारा सत्यापित किए जाने के बाद कि योग्य बिक्री वैध है, लेन-देन आपके Affiliate खाते में जमा कर दिया जाएगा। आपके द्वारा अर्जित की जाने वाली राशि आपके Affiliate समझौते की शर्तों पर आधारित होगी।

8. आपको कमीशन मिलता है

एक बार Affiliate व्यापारी आधिकारिक तौर पर आपको बिक्री का श्रेय दे देता है, तो आपको अपना कमीशन भुगतान प्राप्त होगा।

Affiliate Marketing के प्रमुख किरदार

1. विक्रेता

उत्पाद या सेवाएं बनाने वाले लोग या कंपनियां विक्रेता या व्यापारी कहलाते हैं। ये वही लोग होते हैं जो अपनी बिक्री पर एफिलिएट कमीशन देने की जिम्मेदारी लेते हैं। कोई भी व्यक्ति या कंपनी, जो एफिलिएट के जरिए बिक्री करने के लिए तैयार और सक्षम हो, विक्रेता बन सकता है। यह एक व्यक्ति भी हो सकता है या Amazon और Flipkart जैसे बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म भी, जो अपने प्रोडक्ट्स की बिक्री के लिए सहबद्ध कार्यक्रम चलाते हैं।

2. एफिलिएट

एफिलिएट, जिन्हें अक्सर प्रकाशक भी कहा जाता है, व्यक्ति या कंपनियां हो सकती हैं। ये वही लोग होते हैं जो उस उद्योग में विशेषज्ञ होते हैं, जिससे जुड़े उत्पाद या सेवाओं का वे प्रचार कर रहे होते हैं। एफिलिएट लोग ब्लॉग, सोशल मीडिया पोस्ट, वीडियो या अन्य कंटेंट के जरिए प्रोडक्ट्स और सेवाओं का प्रचार करते हैं। उदाहरण के तौर पर, किसी विक्रेता के प्रोडक्ट्स का रिव्यू ब्लॉग चलाना। एफिलिएट अपने प्रचार के लिए प्रायोजित विज्ञापन (Sponsored Ads) का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन ध्यान रखना जरूरी है कि आमतौर पर एफिलिएट को उन कीवर्ड्स के इस्तेमाल पर रोक होती है जो वे प्रोडक्ट्स के प्रचार में उपयोग करते हैं। इसलिए प्रोडक्ट्स के ट्रेड नेम या ब्रांड नेम का उपयोग करने से बचना चाहिए।

3. एफिलिएट नेटवर्क

कई विक्रेता अपने एफिलिएट मार्केटिंग अभियानों को संभालने के लिए एफिलिएट नेटवर्क के साथ काम करते हैं। ये नेटवर्क तीसरे पक्ष के रूप में काम करते हैं, जो एफिलिएट और विक्रेताओं के बीच लेन-देन की देखरेख और प्रबंधन करते हैं।

घर से चलने वाला बिजनेस 11 बेस्ट बिज़नेस आइडियाज 2025

घर से बिजनेस कैसे शुरू करें? घर से बिजनेस शुरू करना आपके entrepreneur बनने के सपने को आगे बढ़ाने का एक टिकाऊ और आसान तरीका हो सकता है। घर से चलने वाला बिजनेस शुरू करने के लिए इन स्टेप्स को फॉलों करें:

1. बिजनेस आइडिया और मार्केट रिसर्च

घर से बिजनेस कैसे शुरू करें इसके लिए सबसे पहले, आपको यह तय करना होगा कि आप किस तरह का बिजनेस करना चाहते है। आप अपनी रुचि, कौशल, अनुभव और बाजार की जरूरतों पर विचार कर सकते है। बिजनेस आइडिया पर अधिक सोच और रिसर्च करके शुरुआत करें। एक ऐसे फील्ड की तलाश करें, जिसे लेकर आप बहुत इंटरेस्टेड हो और जिसे आप कर सकें। अपने टारगेट मार्केट पर रिसर्च करें। अपने potential कस्टमर की जरूरतों और बिहेवियर को समझें। इससे आपको अपने प्रोडक्ट या सर्विस को उनकी जरूरतों के अनुसार ढालने में मदद मिलेगी।

2. बिजनेस प्लान और लीगल प्रोसेस

घर से बिजनेस कैसे शुरू करें इसके लिए आपको सबसे पहले बिज़नेस आईडिया चुनना होता है। एक बार जब आप अपना बिजनेस आइडिया चुन लेते हैं, तो आपको एक बिजनेस प्लान बनाना चाहिए। इसमें आपके बिजनेस के लक्ष्य, रणनीति, मार्केटिंग योजना, और वित्तीय अनुमान शामिल होने चाहिए। ये प्लान आपके रोडमैप के रूप में काम करेगा। अपने बिजनेस का कानूनी फ्रेमवर्क तैयार करें (उदाहरण के लिए, sole proprietorship, एलएलसी, corporation) और इसे लीगल एक्सपर्ट्स की मदद से register करें। लोकल ज़ोनिंग कानूनों और किसी भी जरूरी परमिट या लाइसेंस की जाँच करें।

3. संसाधनों का विश्लेषण करें

घर से चलने वाला बिजनेस को शुरू करने के लिए आपको किन संसाधनों की आवश्यकता होगी, इसका विश्लेषण करे। इसमें धन, उपकरण, सॉफ्टवेयर, नाम और जगह शामिल हो सकते है।

4. बिजनेस फाइनेंस और बिजनेस फंडिंग

घर से चलने वाला बिजनेस के लिए अपने पर्सनल और बिजनेस फाइनेंसेस को अलग रखने के लिए एक अलग बिज़नेस बैंक अकाउंट सेट करें। इनकम और खर्च पर नज़र रखने के लिए अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर में निवेश करें। आप अपने बिजनेस के लिए कैसे लोगों को मिलेंगे और अपना आइडिया बताएंगे ये आप पे निर्भर करता है और आपकी फाइनेंशियल सिचुएशन, सेविंग्स, या कर्ज पर निर्भर करता है।

5. वेबसाइट और ऑनलाइन प्रेसेंस

घर से चलने वाला बिजनेस के लिए आज के डिजिटल ज़माने में, ऑनलाइन प्रेसेंस होना जरूरी है। एक प्रोफेशनल वेबसाइट बनाएं और

अपने बिजनेस से जुड़ी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रेसेंस स्थापित करें।

6. मार्केटिंग और ब्रांडिंग

घर से बिजनेस कैसे शुरू करें इसके लिए एक मार्केटिंग प्लान बनाएं, जिसमें आपके target customers तक पहुंचने के लिए strategies शामिल हों। सोशल मीडिया, कंटेंट मार्केटिंग, ईमेल मार्केटिंग और SEO जैसे अलग अलग मार्केटिंग चैनलों का यूज करें।

7. प्रोडक्ट/सर्विस और अकाउंटिंग/टैक्स

घर से चलने वाला बिजनेस केलिए अपने प्रोडक्ट या सर्विस की offering शुरू करें। ध्यान रखें कि क्वालिटी कस्टमर की उम्मीदों को पूरा करती हो या उससे ज्यादा हो। साथ ही फाइनेंशियल रिकॉर्ड भी रखें और अपनी टैक्स जिम्मेदारियों के लिए जागरूक रहें। इसके लिए किसी एकाउंटेंट या टैक्स प्रोफेशनल से सलाह लेना बेहतर होगा।

8. कानूनी और वित्तीय औपचारिकताएं पूरी करें

कानूनी रूप से घर से बिजनेस कैसे शुरू करें इसके लिए आपको कुछ औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी। इसमें व्यवसाय लाइसेंस प्राप्त करना, कर पंजीकरण करना, और बैंक खाता खोलना शामिल हो सकता है।

9. होममेड प्रोडक्ट

अगर आप खुद ही अपने प्रोडक्ट बनाते हैं (या किसी ऐसे इंसान को जानते हैं जो ऐसा करता है), तो उस शौक को बिजनेस में बदलने पर विचार कर सकते हैं। भले ही आपको अपने प्रोडक्ट्स कहीं और किसी स्टूडियो, commercial kitchen या वर्कस्पेस में बनाने पड़ें – पर आप उन्हें अपने घर में ही स्टोर कर सकते हैं और बेच सकते हैं। जब आप अपने घर से चलने वाला बिजनेस द्वारा बेचे जाने वाले प्रोडक्ट्स को कंट्रोल करते हैं, तो आप उन्हें बनाकर पैसों की बचत कर सकते हैं, उनकी क्वालिटी में सुधार कर सकते हैं, या बाजार के मांग को target करके उन्हें एक खास तरह के कस्टमर्स तक पहुंचा सकते हैं। आप घर से चलने वाला बिजनेस के लिए इन हैंडमेड प्रोडक्ट को बना सकते हैं:

ऑनलाइन मोमबत्तियां बेचना
ऑनलाइन ज्वेलरी बेचना
ऑनलाइन मेकअप प्रोडक्ट्स बेचना
ऑनलाइन आर्ट (पेंटिंग, क्राफ्ट आदि) बेचना

ऑनलाइन खाने पीने की चीजें बेचना

सबसे अच्छी बात यह है कि अपने खुद के प्रोडक्ट्स बनाना कोई भारी काम नहीं है। जब आप बड़े पैमाने पर काम करने के लिए तैयार हों, तो आप एक प्रोसेस तैयार कर सकते हैं और प्रोडक्शन में मदद के लिए नए लोगों को शामिल कर सकते हैं।

10. ड्रॉपशिपिंग स्टोर शुरू करें

ऑनलाइन इन्वेंट्री और शिपिंग एक घर से चलने वाला बिजनेस है, इसे ड्रॉपशिप्पिंग के नाम से भी जाना जाता है। इस बिजनेस में ड्रॉपशिपिंग मॉडल का उपयोग होता है, जिसमें एक तीसरा इंसान आपकी ओर से आपके प्रोडक्ट्स बनाता है, रखता है और शिपमेंट करता है। साथ ही मार्केटिंग और कस्टमर सर्विस को जिम्मेदारी आपकी होती है। इसके लिए रिटेलर सुटल एशियन ट्रीट्स एक बेहतरीन उदाहरण है जो ड्रॉपशिपर का यूज़ करता है।

आपका ड्रॉपशिपिंग सप्लायर लोकल या ओवरसीज हो सकता है। लेकिन आपको एक ऐसा सप्लायर ढूंढना होगा जिस पर आप सामान बेचने के बाद लगातार बेहतरीन कस्टमर एक्सपीरियंस देने के लिए भरोसा कर सकें। हमेशा अपना बेहतरीन परफॉर्मेंस दे वरना आप अपने बिजनेस को खतरे में डाल सकते हैं।

इस काम के लिए डीएसर्स जैसे शॉपिफाई ऐप्स भी हैं, जो ऑर्डर सप्लाई को आसान करते हुए आपको अपने स्टोर में प्रोडक्ट को एक्सपोर्ट करने के लिए suppliers से जोड़ सकते हैं।

11. प्रिंट-ऑन-डिमांड

घर से चलने वाला बिजनेस में आप प्रिंट-ऑन-डिमांड का काम कर सकते है। समान ड्रॉपशिपिंग मॉडल का उपयोग करते हुए, प्रिंट-ऑन-डिमांड बिजनेस के लिए आपको कोई इन्वेंट्री रखने या खुद कुछ भी शिप करने की आवश्यकता नहीं होती है। प्रिंट-ऑन-डिमांड आपको अपने खुद के क्रिएटिव डिजाइन के साथ व्हाइट लेबल प्रोडक्ट को कस्टमाइज करने के लिए ज्यादा आजादी भी देता है। यह घर से चलने वाला बिजनेस आपको अपने घर से और अपने टाइम के हिसाब से काम करने की आज़ादी देता है। बाजार में कई ऐसे प्रिंट-ऑन-डिमांड प्रोडक्ट्स की मांग हैं, जिन्हें आप बेच सकते हैं जैसे किताबें, टोपी, बैकपैक, कंबल, तकिए, मग, जूते, हुडी, फोन केस, घड़ियां वगैरह। कई प्रिंट-ऑन-डिमांड बिजनेस एक specific niche या इससे भी बेहतर, एक shared identity को सर्विस देते हैं।

12. ऑनलाइन सर्विसेज

घर से चलने वाला बिजनेस में आप ऑनलाइन सर्विसेज दे सकते है। घर पर सेलिंग शुरू करने के लिए उत्पाद की तुलना में सर्विसेज देना और भी सरल होता है, लेकिन चुनौती आपके टाइम को मैनेज करने की है। जब आप सर्विस बेस्ड बिजनेस चला रहे हों तो "समय ही पैसा है"। डिज़ाइनर या मार्केटर्स जैसे क्रिएटिव प्रोफेशन कभी-कभार घूमते हुए भी कई clients के साथ मिलकर, अक्सर अपने घर के ऑफिस से दूर, बाकी कंपनियों के साथ फ्रीलांस या कंसल्ट कर सकते हैं। बाकी लोग clients को अपनी सर्विसेस देने के लिए अपॉइंटमेंट और बुकिंग के मुताबिक काम कर सकते हैं।

घर से की जाने वाली सर्विस बेस्ड बिजनेस में ये शामिल हैं:

फ्रीलांस राइटिंग, वर्चुअल असिस्टेंट
मार्केटिंग,डिजाइन बनाना,SEO कंसल्टिंग
वेब डिजाइन और डेवलपमेंट,ग्राफ़िक डिज़ाइन

सर्विस बेस्ड बिजनेस को अक्सर suitable clients को खोजने के लिए बहुत ज्यादा नेटवर्किंग और रेफरल की जरूरत होती है, लेकिन clients की संतुष्टि समय के साथ आपकी सर्विसेस से जुड़े रहेंगे।

13. अपने एक्सपर्टाइज से जुड़ी नॉलेज शेयर करें

सर्विस बेस्ड बिजनेस चलाने का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि आपको आपके समय, स्किल और कोशिश के लिए पैसा मिलता है। आप अपनी नॉलेज को डिजिटल कोर्स में बदल सकते हैं, जो अपने लाइव सेशन की रिकॉर्डिंग और मार्केटिंग कर और उन्हें एक सही रेट पर बेच सकते हैं। आपको ऐसा physical या डिजिटल कोर्स बनाना है, जो आपकी एक्सपर्टीज से जुड़े होते हैं और आपके द्वारा दी जाने वाली सर्विस के साथ फिट बैठते हैं। यह आपके बिजनेस में मुनाफा बढ़ा सकते हैं। आप कस्टमर बनाकर उन्हें बेहतर सर्विस दें, जिससे कि नए कस्टमर बनाने में मदद मिलेगी।

प्राकृतिक खेती करने के गुर सिखाएंगी कृषि सखियां

प्राकृतिक खेती करने के गुर सिखाएंगी कृषि सखियां, रोजाना मिलेंगे 300 रुपये, किसानों को 4 हजार देगी सरकार

प्राकृतिक खेती को बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने अब कमर कस ली है और इसके लिए सरकार ने हाल ही में शुरू किए गए राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (एनएमएनएफ) के लिए दिशा-निर्देश जारी किया है और साथ ही आगामी 7 दिसंबर 2024 तक राज्य सरकारों से प्रतिक्रियाएं आमंत्रित की गई हैं। इस मिशन में 30 हजार कृषि सखियों को भी कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके बाद ये सखियां किसानों को प्राकृतिक खेती के गुर सिखाएंगी। केंद्र सरकार द्वारा इस मिशन को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना है और देश भर के किसानों की रासायनिक निर्भरता को कम करना है। इस मिशन को गत 25 नवंबर 2024 को लांच किया गया था। दिशा-निर्देश में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि विशिष्ट समाधानों के साथ प्राकृतिक खेती के लिए जनभागीदारी या जन आंदोलन की ओर योजनाबद्ध तौर-तरीकों से बदलाव प्रस्तावित हैं। ध्यान देने वाली बात है कि मिशन में दिए गए दिशा-निर्देश वास्तव में कई पहलुओं की ओर इशारा करते हैं। इसमें मुख्यरूप से स्थापित वैज्ञानिक मानक यानी कि किसानों के अनुकूल प्रमाणन प्रक्रियाएं, प्राकृतिक रूप से उगाए गए रसायन-मुक्त उत्पादों के लिए एक एकल राष्ट्रीय ब्रांड, नीति निर्माण और कार्यान्वयन के लिए दो अलग-अलग निकायों का निर्माण और तीस हजार कृषि सखियों (सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों) का प्रशिक्षण कार्य शामिल किया गया है। ध्यान रहे कि मंत्रालय का यह दिशा निर्देश उसकी वेब साइट पर प्रकाशित नहीं किया गया है। लेकिन उसने तमाम राज्य सरकारों के साथ इस दिशा निर्देश को साझा किया है। सवाल उठता है कि आखिर एनएमएनएफ वास्तव में है क्या? तो यह मिशन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वतंत्र और केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित योजना है। इसका बजट 2,481 करोड़ रुपए रखा गया है। इसमें से केंद्र सरकार का हिस्सा 1,584 करोड़ रुपए और राज्यों का 897 करोड़ रुपए का हिस्सा रखा गया है। प्राकृतिक खेती एक रसायन मुक्त खेती पद्धति है, जिसमें पशुधन (देशी नस्ल के मवेशी), एकीकृत प्राकृतिक खेती पद्धतियां और विविध फसल प्रणाली शामिल की गई हैं। इसका उद्देश्य मृदा स्वास्थ्य में सुधार, किसानों की लागत को कम करना और जलवायु लचीलापन को बढ़ाना देना शामिल है। केंद्र सरकार शुरू किए गए इस मिशन का लक्ष्य सात लाख पचास हजार हेक्टेयर में प्राकृतिक खेती शुरू करना है, जिससे इच्छुक ग्राम पंचायतों में 15,000 समूहों के लगभग 1 करोड़ किसान लाभान्वित हो सकेंगे। किसानों का यह समूह प्रमुख रूप चयनित क्षेत्रों में ही कार्य करेंगे और यहां किसानों को एनएफ विधि में पारंगत किया जाएगा साथ ही उन्हें जमीनी सच्चाई से भी अवगत कराया जाएगा। ध्यान रहे कि राज्य के जिले एनएमएनएफ मिशन के क्रियान्वयन के लिए उपयुक्त ब्लॉकों को चिन्हित करेंगे। प्रत्येक चयनित जीपी में 50 हेक्टेयर के कुल क्षेत्र और लगभग 125 किसान (प्रति किसान अधिकतम 1 एकड़) किसानों की एनएफ अपनाने की इच्छा के आधार पर ही समूहों का निर्माण किया जाएगा। इस काम की प्रगति को ट्रैक करने, इसके प्रभाव की निगरानी करने और आवश्यक नीति की पहचान करने के लिए एक आईटी पोर्टल के माध्यम से आधारभूत आंकड़ों को रखा जाएगा। प्राकृतिक खेती में व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए लगभग 2,060 आदर्श खेत स्थापित किए जाएंगे। इस कार्य के लिए 425 कृषि विज्ञान केंद्र और देशभर की 40 केंद्रीय व राज्य सरकारों के कृषि विश्व विद्यालय शामिल होंगे। इसमें "एक खेत पर तीन किसान" की तर्ज पर किसानों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। दिशा-निर्देशों में तीन अलग-अलग निकाय प्रस्तावित किए गए हैं। पहला, राष्ट्रीय संचालन समिति (एनएससी), दूसरा राष्ट्रीय कार्यकारी समिति (एनईसी) और तीसरा एनएफ सेल। जबकि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की अध्यक्षता वाली एनएससी एक नीति निर्धारण निकाय होगी, जो मिशन को समग्र दिशा प्रदान करेगी तथा इसकी प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी व समीक्षा भी करेगी। एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन प्रभाग के लिए एक संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में एनएफ सेल देश भर में एनएमएनएफ के क्रियान्वयन के लिए जिम्मेदार होगा। इसके अलावा इस क्रियान्वयन में राज्यों, केंद्रीय संस्थानों और अन्य लाभार्थियों की मदद करेगा और क्षमता निर्माण, प्रचार, निगरानी, प्रभावों का मूल्यांकन आदि जैसी विभिन्न गतिविधियां भी क्रियान्वयित करेगा। तीस हजार प्रशिक्षित कृषि सखियों की मुख्य भूमिका होगी कि वे प्राकृतिक खेती की विधियों व कृषि ज्ञान को बढ़ाने के लिए व्यापक क्षेत्रों में समुदाय आधारित जागरूकता पैदा करें। साथ ही किसानों को प्राकृतिक खेती को अपनाने के लिए प्रेरित भी करें।ध्यान रहे कि कृषि सखियों को केविके या कृषि विश्वविद्यालयों से जुड़े तमाम वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों से सीधे खेतों पर ही व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। दो कृषि सखियों की एक टीम लगभग 125 किसानों को संगठित कर एक समूह बनाएगी तथा प्रत्येक फसल सीजन की शुरुआत में उन्हें प्राकृतिक उर्वरक विधियों से प्रशिक्षित करेगी।

किसानों की आय बढ़ाने के तरीके

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा 2009 में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, 2050 तक अनुमानित मांग को पूरा करने के लिए कृषि उत्पादन में 70% की वृद्धि करनी होगी। मांग में यह वृद्धि तेजी से बढ़ती आबादी सहित कई कारकों के कारण है।

चूंकि खेती के लिए उपयुक्त अधिकांश भूमि पहले ही कटाई के लिए तैयार हो चुकी है, इसलिए इस वृद्धि के लिए अधिक फसल की पैदावार की आवश्यकता होगी। हालांकि, किसान केवल महत्वपूर्ण नवाचार के माध्यम से ही उच्च पैदावार प्राप्त कर सकते हैं। इन नवाचारों को लागू करने से लागत कम होने और पैदावार बढ़ने से किसानों की आय बढ़ेगी। ऐसा करने से खाद्य सुरक्षा भी बढ़ेगी और उपभोक्ता के लाभ के लिए खाद्य कीमतें कम होंगी। कुछ किसान, जाहिर है, बदलाव के प्रति प्रतिरोधी हैं। फिर भी, जितनी जल्दी व्यक्तिगत किसान इन खाद्य उत्पादन नवाचारों को अपना लेंगे, उतनी ही जल्दी वे दुनिया की भविष्य की फसल की मांग को पूरा करने की दिशा में काम करेंगे। साथ ही, वे अपने मुनाफे को बढ़ा पाएंगे। इस लेख में हम किसानों की आय बढ़ाने के तीन तरीकों पर विचार करेंगे। ये तीन तरीके हैं फसल उत्पादकता में सुधार, जल प्रबंधन और डिजिटल खेती।लाभप्रद रूप से खेती करने के लिए, आपको सबसे वर्तमान और सटीक जानकारी तक पहुँच की आवश्यकता होती है। MyDTN का उपयोग करके , किसान मूल्यवान संसाधनों को बचाते हैं, अपने निर्णय लेने को अनुकूलित करते हैं, और संचालन, पैदावार और बहुत कुछ को अधिकतम करते हैं।

फसल उत्पादकता में सुधार

फसल उत्पादकता में सुधार करने का एक तरीका जीन एडिटिंग है। इस विज्ञान में किसानों को अपनी उपज में सुधार करने का एक बड़ा अवसर देने की क्षमता है। इसका मतलब है कि पौधे को परिपक्व होने तक उगाने की ज़रूरत नहीं है, यह देखने के लिए कि उसमें ज़रूरी आनुवंशिक गुण हैं या नहीं।

किसान बीजों को पहले से संशोधित करने के लिए जीन एडिटिंग का उपयोग कर सकते हैं। इन संशोधित बीजों से फसल उत्पादकता में बड़ी वृद्धि होगी। उदाहरण के लिए, बेयर शॉर्ट स्टैचर कॉर्न नामक एक फसल विकसित कर रहा है; यह पारंपरिक मकई की तुलना में छोटी और अधिक मजबूत संकर है। हालांकि छोटी मक्का का विचार विरोधाभासी लगता है और यह धारणा को खंडित करता है कि बड़ा बेहतर है, इस विशेष फसल के संशोधनों के कारण कुछ आश्चर्यजनक लाभ अपेक्षित हैं: अद्वितीय उत्पादन स्थिरता और सामान्यतः तेज़ हवाओं से होने वाली क्षति को झेलने की क्षमता के कारण फसल की कम हानि भूमि उपयोग अनुकूलन, जो फसल की उच्च घनत्व वाली रोपण क्षमता के कारण नाइट्रोजन, भूमि और पानी जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों के कुशल उपयोग से उत्पन्न होता है

मकई की कम ऊंचाई के कारण बढ़ते मौसम के दौरान फसल की पहुंच में वृद्धि जीन संपादन तकनीकों में अन्य रोमांचक विकासों में CRISPR/Cas9 शामिल है । यह एक जीनोम-संपादन उपकरण है जो डीएनए संपादन के पहले के तरीकों से बेहतर है। ऐसी तकनीकें फसल के चरम मौसम और रोग प्रतिरोधक क्षमता में सुधार सहित कई तरह के लाभ का वादा करती हैं।

जल प्रबंधन

स्पष्ट रूप से कहें तो, पानी कृषि और खेती से जुड़ी सभी चीजों के लिए केंद्रीय है। इसलिए, सिंचाई के लिए सही निर्णय लेना ज़रूरी है। सिंचाई को ज़्यादा सटीक विज्ञान बनाने वाले अभिनव उपकरण होना किसानों के लिए एक वास्तविक वरदान है और निश्चित रूप से दक्षता बढ़ाने और मुनाफ़े को अधिकतम करके किसानों की आय बढ़ाने का एक तरीका हो सकता है।

ऐसे उत्पाद उपलब्ध हैं जो किसानों को सिंचाई प्रक्रिया को पूरी तरह से स्वचालित करने के लिए सेंसर का उपयोग करने की अनुमति दे सकते हैं। ये सिस्टम पानी के प्रवाह और रिसाव के बारे में सटीक जानकारी दे सकते हैं। इसके अलावा, किसान मिट्टी की नमी को मापकर अपनी सिंचाई गतिविधि को नियंत्रित करने के लिए स्मार्ट सिंचाई प्रणालियों का उपयोग कर सकते हैं, जिससे अनावश्यक और अत्यधिक पानी की खपत को रोका जा सकता है। economics.com का एक उदाहरण दिखाता है कि कैसे प्रभावी जल प्रबंधन बहुत बड़ा बदलाव ला सकता है। इसमें माडेरा काउंटी के एक बादाम किसान के बारे में बताया गया है।लेख के अनुसार, एक बादाम उगाने में लगभग एक गैलन पानी लगता है, इसलिए बादाम उत्पादक अब मिट्टी की नमी को ट्रैक करने के लिए नमी सेंसर का उपयोग करते हैं। सेंसर क्लाउड से जुड़े होते हैं, जो खेत की सिंचाई प्रणाली को परिणाम बताते हैं।यह सिस्टम हर 30 मिनट में पानी (और खाद) की एक निश्चित मात्रा प्रदान करता है। यह सिंचाई प्रणाली सप्ताह में एक बार सिंचाई करने की पिछली विधि की जगह लेती है, और इसके परिणामस्वरूप, किसान 20% कम पानी का उपयोग करेगा। प्रौद्योगिकी / डिजिटल खेती का उपयोग करें इसमें कोई संदेह नहीं है कि कृषि और खेती की दुनिया में तकनीकी नवाचार का अपना महत्व है। अगर ऐसा न होता, तो किसान फसल काटने के लिए हाथ से चलने वाले औजारों का इस्तेमाल करते।उच्च तकनीक वाले खेत अब आम बात बनने जा रहे हैं, कई किसान पहले से ही नियमित रूप से कृषि ड्रोन और सेंसर जैसी तकनीक का उपयोग कर रहे हैं। डिजिटल खेती , या हम यह भी कह सकते हैं कि "इंटरनेट ऑफ थिंग्स खेती" (IoT), कई किसानों के लिए अपने काम को अधिक कुशल बनाने, अपनी आय बढ़ाने और भविष्य की खाद्य मांगों को पूरा करने का रास्ता होगा। जल प्रबंधन के अतिरिक्त, जैसा कि पहले चर्चा की गई है, मिट्टी की अम्लता और तापमान जैसी महत्वपूर्ण जानकारी का सटीक माप प्राप्त करने के लिए खेत में सेंसर का उपयोग करने से प्राप्त होने वाले लाभ के बारे में सोचें। किसान अपने सेलफोन का उपयोग करके दूर से ही उपकरणों, फसलों और पशुओं पर नज़र रख सकते हैं। इसके अलावा, ड्रोन भूमि का सर्वेक्षण कर सकते हैं, जिससे किसान वास्तविक समय में डेटा एकत्र कर सकते हैं। स्मार्ट ग्रीनहाउस का नाम इसलिए रखा गया है क्योंकि इन्हें IoT और कनेक्टेड डिवाइस का उपयोग करके स्व-विनियमित माइक्रोक्लाइमेट बनाने के लिए सेट किया जा सकता है। फसल की वृद्धि के लिए आदर्श परिस्थितियाँ बनाने के लिए छिड़काव, पानी, तापमान, आर्द्रता और प्रकाश व्यवस्था सभी को विनियमित किया जा सकता है। साथ ही, वे कीटों और खराब मौसम जैसे प्राकृतिक दुश्मनों के प्रभाव को नकार रहे हैं। हाई-टेक डिजिटल खेती का एक और उदाहरण जॉन डीरे है। कंपनी ने किसानों की फसल की पैदावार के बारे में डेटा प्रदर्शित करने के लिए अपने ट्रैक्टरों को इंटरनेट से जोड़ना शुरू कर दिया है। वे स्व-चालित ट्रैक्टरों में भी अग्रणी हैं। कल्पना कीजिए कि इससे किसान को अन्य गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कितना समय मिलेगा। खेती से जुड़ी अटकलों को दूर करने के लिए उपग्रह इमेजरी और सेंसर जैसे तकनीकी नवाचारों को लागू करना सामूहिक रूप से परिशुद्ध खेती या परिशुद्ध कृषि के रूप में जाना जाता है। बेशक, मौसम के मिजाज का पूर्वानुमान लगाए बिना सटीक खेती नहीं की जा सकती। यही कारण है कि किसान अपने लाभ के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठा सकते हैं, उनमें से एक सबसे महत्वपूर्ण तरीका जलवायु पूर्वानुमान सॉफ्टवेयर में निवेश करना है।इन तरीकों का उपयोग करके किसानों की आय बढ़ाने के लिए डेटा की आवश्यकता है लाभदायक होने के लिए, आपको वर्तमान और सटीक बाजार जानकारी की आवश्यकता है। महत्वपूर्ण बाजार डेटा और सटीक मौसम पूर्वानुमान डेटा दोनों आपको मूल्यवान संसाधनों को बचाने और संचालन और पैदावार को अधिकतम करने की अनुमति देंगे।

टेस्ट रिटायरमेंट के बाद अब विराट कोहली खेलेंगे काउंटी क्रिकेट? किंग के लिए इस टीम ने दिया बड़ा ऑफर

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। उन्होंने अपने इंटरनेशनल करियर में भारतीय टीम के लिए 123 टेस्ट खेले हैं। वहीं अब क्या कोहली एक बार फिर रेड बॉल क्रिकेट खेलते हुए नजर आएंगे?

क्या भारतीय क्रिकेट के महान खिलाड़ी विराट कोहली टेस्ट फॉर्मेट से संन्यास लेने के बावजूद इंग्लैंड में फिर से रेड बॉल क्रिकेट खेल सकते हैं? इंग्लिश टीम मिडलसेक्स को तो इस बात की उम्मीद है। द गार्डियन में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, लंदन स्थित यह काउंटी टीम कोहली को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक क्रिकेट मैदान पर संभावित प्रथम श्रेणी या वनडे मैचों के लिए लाने की इच्छुक है। रिपोर्ट में मिडलसेक्स के क्रिकेट निदेशक एलन कोलमैन के हवाले से कहा गया है, 'विराट कोहली अपनी पीढ़ी के सबसे प्रतिष्ठित खिलाड़ी हैं, तो बेशक हम उस बातचीत में रुचि रखते हैं।' इससे टीम की भारतीय दिग्गज को साइन करने की आधिकारिक रूप से इच्छा स्पष्ट होती है।

विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। लेकिन, उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेलने से इनकार नहीं किया है - जिससे काउंटी चैम्पियनशिप खेलने की संभावना बनी हुई है। वह वन डे कप में भी खेल सकते हैं। कोहली अब सिर्फ भारत के लिए वनडे फॉर्मेट या आईपीएल में खेलते हुए नजर आएंगे।

मिडलसेक्स पहले से ही लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान का इस्तेमाल बड़े विदेशी खिलाड़ियों को आकर्षित करने के लिए करता रहा है। कोहली के पुराने दोस्त, दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स 2019 में टी20 ब्लास्ट में खेल चुके हैं। इस बीच, न्यूजीलैंड के केन विलियमसन ने भी मिडलसेक्स के साथ करार किया है और इस सीजन में द हंड्रेड में लंदन स्पिरिट के लिए भी खेलेंगे।

मिडलसेक्स के लिए एक साथ खेल सकते हैं कोहली और विलियमसन

मिडलसेक्स काउंटी चैम्पियनशिप के दूसरे डिवीजन में है। वे सितंबर में लॉर्ड्स में डर्बीशायर और ग्लूस्टरशायर के खिलाफ खेलेंगे। अगर यह सौदा हो जाता है, तो प्रशंसक कोहली और विलियमसन को प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक साथ बल्लेबाजी करते हुए देख सकते हैं - जिससे लॉर्ड्स के टिकटों की बिक्री आसमान छू जाएगी। इसलिए, रिपोर्ट में कहा गया है कि काउंटी के अधिकारी कोहली को लाने की लागत को आपस में 'बांटने' के लिए भी तैयार हैं।

घर में किचन का इस दिशा में होना बेहद जरूरी

वास्तु दोष से बचने के लिए इन नियमों का करें पालन

वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ चीजों को घर की सही दिशा में होना चाहिए। उनमे से सबसे महत्वपूर्ण स्थान किचन का घर में होता है। जी हां, यदि रसोई घर की सही दिशा में न बनी हो तो उस कारण से घर में बहुत नकारात्मकता आती है। आइए वास्तु शास्त्र के अनुसार जानते हैं कि घर में किचन किस दिशा में होना चाहिए।

वास्तु शास्त्र की परंपरा सदियों पुरानी है। प्राचीन समय में जब भी कहीं राजभवनों या घरों का निर्माण होता था। तो सबसे पहले वास्तु के नियमों को ध्यान में रखा जाता था। आज भी ज्यादातर लोग वास्तु के अनुसार अपने भवनों का निर्माण करवाते हैं। लेकिन कहीं न कहीं उसमें कोई कमी रह जाती है, जिस कारण घर में निगेटिविटि पैदा होने लगती है। घर के वास्तु में जो सबसे महत्वपूर्ण बात होती है, वह सही चीज का सही दिशा में होना। तो आज हम वास्तु शास्त्र के अनुसार यह बात जानेंगे कि घर में किचन किस दिशा में होना चाहिए।

वास्तु के अनुसार रसोई की सही दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर का किचन हमेशा अग्नि कोण में होना चाहिए, यानी पूर्व-दक्षिण दिशा में। किचन में खाना बनाने के लिए अग्नि का प्रयोग होता है। जिसकी सही दिशा अग्नि कोण है। माना जाता है कि इस दिशा में खाना बनाने से घर में सुख-समृद्धि आति है। वास्तु दोष नहीं लगता है और घर में अन्न का भंडार भरा रहता है। ऐसे घर के सदस्य सदा सुखी रहते हैं।

वास्तु के साथ इन बातों का भी रखें ध्यान

किचन के वास्तु में मुख्य तौर पर चूल्हा अग्नि कोण की दिशा में होना चाहिए, क्योंकि वह अग्नि देव की सर्वश्रेष्ठ दिशा मानी गई है।

किचन में पानी का नल ईशान कोण में होना चाहिए। यानी उत्तर-पूर्व दिशा में यह जल के देवता वरुण देव का स्थान भी माना जाता है।

वास्तु के अनुसार किचन में लगी खिड़की पूर्व दिशा में होनी चाहिए और किचन का चूल्हा खिड़की के बाहर की तरफ नहीं दिखना चाहिए।

बात करें रंग कि, तो माना जाता है कि किचन में रंग का उतना ही महत्व है जितनी दिशा का होता है। वास्तु के अनुसार घर की रसोई में पीला रंग, हल्का लाल रंग या गुलाबी रंग करवाना चाहिए। क्योंकि यह अग्नि देव से संबंधित रंग हैं। घर की रसोई में कभी भी काला या नीला और डार्क शेड रंग नहीं करवाना चाहिए। ऐसा करना अशुभता को दर्शाता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में किचन से कभी भी सटा हुआ बाथरूम नहीं होना चाहिए। जहां ऐसा होता है, तो उस घर में परिवार के सदस्य रोग से घिरे रहते हैं।

रसोई घर में भोजन बनाएं, तो रोटी का पहला हिस्सा गाय को सबसे पहले खिलाएं। माना जाता है इससे घर में अन्न की बरकत होती है।

वास्तु के अनुसार यदि रसोई घर सही दिशा में नहीं बना है और उसे फिर से दिशा अनुसार नहीं बनाया जा सकता। तो वहां एक तुलसी का पौधा गमले में लेकर रख दें। ऐसा करने से वास्तु दोष समाप्त हो जाता है।

इन चीजों को आग्नेय कोण में ही रखें

किचन में जितनी भी अग्नि से जुड़ी वस्तुएं हैं उन सभी चीजों को आग्नेय कोण में ही रखें और अगर ऐसा संभव ना हो तो फिर हमें उन वस्तुओं को पूर्व दिशा में रखना चाहिए। ऐसा करने से भोजन पकाने वाले का मुख पूर्व दिशा की ओर ही होगा इससे भोजन की महत्वता दोगुनी हो जाएगी। वास्तु शास्त्र में अग्नि से जुड़ी वस्तुओं को आग्नेय कोण में रखने के अनेक फायदे बताए गए हैं। इससे पॉजिटिव एनर्जी भी घर में फैलती है।

किचन में हो हल्के रंग का दरवाजा

वास्तु शास्त्र के अनुसार किचन का दरवाजा हमेशा लकड़ी का ही होना चाहिए। इसके साथ ही रंग में हल्का होना चाहिए। कोई भी हल्के रंग का दरवाजा आप किचन में लगा सकते हैं। हल्के हरे रंग को लकड़ी का सूचक माना गया है इसलिए आप दरवाजे के पेंट के लिए हल्के हरे रंग का इस्तेमाल कर सकते हैं।

रसोई/भोजन क्षेत्र बनाने के लिए रसोई क्षेत्र को खोलें

अगर आपके पास एक छोटी सी गैली रसोई है जो आपके रहने की जगह से अलग है, तो उसे खोलने पर विचार करें। यह आपकी रसोई का विस्तार करने और अपने घर को आधुनिक बनाने का एक शानदार तरीका है। अपने रहने की जगह और रसोई के बीच की दीवार में एक बड़ा उद्घाटन बनाएं, या पूरी दीवार को गिरा दें। शुरू करने से पहले किसी प्रमाणित ठेकेदार से सलाह ज़रूर लें। एक बार जब आप उद्घाटन बना लेते हैं, तो कमरे की तरफ काउंटरटॉप को बढ़ाकर एक प्रायद्वीप बनाएं। फिर, इसे एक आमंत्रित और मज़ेदार जगह बनाने के लिए कुछ बैठने की जगह जोड़ें।

एक द्वीप तालिका जोड़ें

खुले रहने वाले स्थानों के अपने फायदे हैं - बढ़िया रोशनी और विशालता का एहसास। हालाँकि, एक खुले रहने वाले स्थान को भी अच्छी तरह से काम करने के लिए थोड़े से संगठन की आवश्यकता होती है। अपने किचन को बंद किए बिना अपने किचन और लिविंग एरिया के बीच परिभाषा बनाने के लिए किचन आइलैंड जोड़ें। यह किचन आइडिया कैबिनेट के बजाय आइलैंड बनाने के लिए टेबल का उपयोग करता है।

वास्तु के अनुसार, किचन को घर के दक्षिण-पूर्व दिशा में बनाना सबसे अच्छा माना जाता है. यह दिशा अग्नि तत्व से जुड़ी है, जो खाना पकाने के लिए उपयुक्त है. इसके अलावा, किचन में चूल्हा (गैस स्टोव) भी दक्षिण-पूर्व दिशा में ही रखना चाहिए.

यहां कुछ अन्य वास्तु टिप्स दिए गए हैं जो किचन के लिए उपयोगी हो सकते हैं:

सिंक:

सिंक को उत्तर-पश्चिम दिशा में रखना चाहिए.

अलमारियाँ:

अलमारियों को दक्षिण या पश्चिम दिशा में रखना चाहिए.

इलेक्ट्रिक उपकरण:

सभी इलेक्ट्रिक उपकरणों को दक्षिण दिशा में रखना चाहिए.

खिड़कियां:

किचन में खिड़कियां होनी चाहिए ताकि हवा का संचार हो सके.

रंग:

किचन में हल्के और चमकदार रंग जैसे सफेद, क्रीम, या हल्के पीले रंग का उपयोग करना चाहिए.

साफ-सफाई:

किचन को हमेशा साफ और व्यवस्थित रखना चाहिए.

डस्टबिन:

डस्टबिन को ऐसी जगह पर रखें जहाँ आपकी नजर न पड़े.

अग्नि और जल का संतुलन:

चूल्हा और सिंक को एक ही प्लेटफॉर्म पर या एक दूसरे के सामने नहीं रखना चाहिए.

खाना बनाते समय मुख:

खाना बनाते समय पूर्व दिशा की ओर मुख करना चाहिए.

इन वास्तु टिप्स को ध्यान में रखकर आप अपने घर में एक सकारात्मक और खुशहाल रसोई बना सकते हैं.

हेयर फॉल को रोकने के लिए होम रेसिपीज़

- उड़द की दाल को उबालकर लगाएं, कुछ ही दिनों में बालों का झड़ना रुक जाएगा.
- नींबू के रस में बड़ (बरगद) की जटा पीसकर उससे बाल धोएं और फिर नारियल के तेल से मसाज करें. इससे बाल झड़ने बंद हो जाएंगे.
- नीम के तेल की 4-4 बूंदें नाक के दोनों छेदों में नियमित एक माह तक डालें. भोजन में नियमित रूप से दूध का सेवन करें.
- हरसिंगार के बीजों को पीसकर हेयर पैक तैयार करें. इसे नियमित रूप से सिर पर लगाएं. यह बालों के झड़ने और गंजेपन में इफेक्टिव है. यह प्रयोग 3-4 महीने तक करें.
- एक चम्मच साबूत काले तिल और एक चम्मच भांगरे के पंचाग (फूल, फल, पत्ती, तना, जड़) को बारीक पीसकर पानी के साथ सेवन करें.
- रात को आंवले का चूर्ण भिगो दें. सुबह उन्हें मसलकर पानी निथार लें. इस पानी में एक-दो कागज़ी नींबू निचोड़ लें. अब जिस तरह शैंपू करते हैं, वैसे ही इससे बाल धोएं.
- नारियल या बादाम के तेल से रोज़ाना बालों के जड़ों में 10-15 मिनट तक मसाज करें.
- नीम की पत्तियों को पानी में उबालें. ठंडा होने पर छानकर रख दें. इससे बालों को रिंस करें.
- हेयर कलर ब्रश से नारियल का दूध बालों में लगाएं. आधे घंटे तक तौलिए से ढंककर रखें. हेयर वॉश कर लें.
- प्याज़ के रस में शहद और गुलाबजल मिलाकर लगाएं. आधे घंटे बाद बाल धो लें.
- दो ग्रीन टी बैग को गर्म पानी में डालकर रखें. जब ये ठंडा हो जाए, तो इससे बालों को फाइनल रिंस करें.
- एक कप नारियल तेल में 4-5 आंवले को तब तक उबालें जब तक कि तेल का रंग काला न हो जाए. इससे हेयर मसाज करें. आधे घंटे बाद हेयर वॉश कर लें.
- सूखे आंवले को सुपारी की तरह थोड़ा-थोडा करके खाते रहें. निश्चय ही गंजेपन की शिकायत धीरे-धीरे दूर हो जाएगी.
- अनार के दानों, पत्तों और छिलकों को पीस कर लुगदी बना लें. फिर उसे सरसों के तेल में मिलाकर हल्की आंच पर पकाएं. जब सब चीजें पक जाएं और तेल बच जाए, तो उसे छान कर रख लें और नियमित रूप से बालों में लगाएं.

जिस तरह मॉइश्चराइज़र त्वचा को नर्म-मुलायम और हेल्दी बनाता है, ठीक उसी तरह तेल भी बालों को नमी प्रदान करने के साथ ही उसे स्वस्थ और मज़बूत भी बनाए रखते हैं. तो आइए, आपको बताते हैं कि काली, घनी, ख़ूबसूरत ज़ुल्फों के लिए कौन-से तेल बेस्ट हैं और किस तेल को लगाने के क्या फायदे हैं.

कोकोनट ऑयल यानी नारियल के तेल में मैग्नीशियम, कैल्शियम, आयरन और पोटैशियम जैसे तत्व पाए जाते हैं.

ये बालों को मज़बूत बनाने के साथ ही उसे नर्म-मुलायम भी बनाते हैं.

रोज़ाना नारियल का तेल लगाने से बाल तेज़ी से बढ़ते हैं.

बालों के लिए ऑलिव ऑयल भी बेस्ट है.

ये न सिर्फ बालों को मॉइश्चराइज़ करते हैं, बल्कि इसमें पाए जाने वाले कंडीशनर के गुण रूखे बालों को नमी प्रदान करते हैं और रूसी आदि की समस्या से भी निजात दिलाते हैं.

ऑलिव ऑयल में शहद मिलाकर लगाने से बाल शाइनी नज़र आते हैं.

विटामिन ई से भरपूर आल्मंड ऑयल यानी बादाम का तेल त्वचा के साथ-साथ बालों के लिए भी फ़ायदेमंद है.

रोज़ाना बालों में बादाम का तेल लगाने से बाल हेल्दी, सॉफ्ट और शाइनी बने रहते हैं.

आल्मंड ऑयल में नारियल तेल मिलाकर लगाने से भी बालों को मज़बूती मिलती है.

एवोकेडो ऑयल से बालों को कुदरती चमक मिलती है.

अच्छे रिज़ल्ट के लिए एक टेबलस्पून ऑयल में आधा टेबलस्पून कोकोनट ऑयल और 10-12 बूंद रोज़मैरी ऑयल मिलाएं और बालों में लगाएं. आधे घंटे बाद बाल धो लें.

घने बालों की चाहत को पूरा करने के लिए बालों में लगाएं कैस्टर ऑयल.

स्काल्प की मालिश करते हुए बालों में कैस्टर ऑयल लगाकर कॉटन के टॉवेल से बालों को कवर कर लें. बीस मिनट बाद कुनकुने पानी से बाल धो लें. रोज़ाना ऐसा करने से बाल घने हो जाएंगे. उम्र से पहले बालों को सफेद होने से रोकना चाहती हैं, तो लगाएं रोज़मैरी ऑयल.

आयरन, कैल्शियम और विटामिन बी से भरपूर रोज़मैरी ऑयल बालों को लॉन्ग एंड स्ट्रॉन्ग बनाते हैं.

डेली ब्यूटी डोज़ः अब हर दिन लगें ख़ूबसूरत

फेशियल, स्किन केयर और हेयर केयर रूटीन डेवलप करें, जिसमें सीटीएम आता है- क्लेंज़िंग, टोनिंग और मॉइश्चराइज़िंग. स्किन को नियमित रूप से क्लींज़ करें. नेचुरल क्लेंज़र यूज़ करें. बेहतर होगा कि कच्चे दूध में थोड़ा-सा नमक डालकर कॉटनबॉल से फेस और नेक क्लीन करें. नहाने के पानी में थोड़ा दूध या गुलाब जल मिला सकती हैं या आधा नींबू कट करके डालें. ध्यान रहे नहाने का पानी बहुत ज़्यादा गर्म न हो, वरना स्किन ड्राई लगेगी. नहाने के लिए साबुन की बजाय बेसन, दही और हल्दी का पेस्ट यूज़ कर सकती हैं. नहाने के फ़ौरन बाद जब स्किन हल्की गीली हो तो मॉइश्चराइज़र अप्लाई करें.इससे नमी लॉक हो जाएगी. हफ़्ते में एक बार नियमित रूप से स्किन को एक्सफोलिएट करें, ताकि डेड स्किन निकल जाए. इसी तरह महीने में एक बार स्पा या फेशियल कराएं सन स्क्रीन ज़रूर अप्लाई करें चाहे मौसम जो भी हो इन सबके बीच आपको अपनी स्किन टाइप भी पता होनी चाहिए. अगर आपकी स्किन बेहद ड्राई है तो आप ऑयल या हेवी क्रीमबेस्ड लोशन या क्रीम्स यूज़ करें.अगर आपको एक्ने या पिम्पल की समस्या है तो आप हायलूरोनिक एसिड युक्त सिरम्स यूज़ करें. इसी तरह बॉडी स्किन की भी केयर करें. फटी एड़ियां, कोहनी और घुटनों की रफ़, ड्राई व ब्लैक स्किन और फटे होंठों को ट्रीट करें. पेट्रोलियम जेली अप्लाई करें. नींबू को रगड़ें, लिप्स को भी स्क्रब करें और मलाई, देसी घी या लिप बाम लगाएं. खाने के सोड़ा में थोड़ा पानी मिक्स करके घुटनों व कोहनियों को स्क्रब करें.

आप घुटने व कोहनियों पर सोने से पहले नारियल तेल से नियमित मसाज करें. ये नेचुरल मॉइश्चराइज़र है और इससे कालापनभी दूर होता है. फटी एड़ियां आपको हंसी का पात्र बना सकती हैं.

सेहत के लिए लाभदायक अनन्नास कई बीमारियों से भी राहत देता है

अनन्नास का स्वाद अन्य फलों से थोड़ा अलग होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह एक औषधि के रूप में भी काफ़ी फ़ायदेमंद है. अनन्नास के सेवन से कई बीमारियों को ठीक किया जा सकता है. अनन्नास में ब्रोमेलैन एंजाइम होता है, जो पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करने में सहायता करता है. इसमें अधिक मात्रा में मौजूद फाइबर शरीर में कब्ज़ की समस्या को दूर करती है. यह आंतों को भी स्वस्थ रखता है. अनन्नास शक्तिवर्धक, भूख को बढ़ाने के साथ रक्त-पित्त विकार की समस्या से निजात दिलाता है. यह बुखार, पेटदर्द, एसिडिटी, रक्त स्त्राव से जुड़ी बीमारी, शारीरिक कमज़ोरी आदि को दूर करता है.

घरेलू नुस्ख़े

एसिडिटी की परेशानी हो, तो पके हुए अनन्नास के जूस में भुनी हुई हींग, सेंधा नमक और अदरक का रस मिलाकर रोज़ सुबह और शाम पीने से एसिडिटी की समस्या दूर होती है.

अनन्नास से डायबिटीज़ को भी कंट्रोल किया जा सकता है. 100 मिलीग्राम अनन्नास के रस में 10-10 ग्राम तिल, आंवला, हरड़, बहेड़ा, गोखरू और जामुन के बीज मिलाएं. इसके सूखने पर पाउडर बनाकर रख लें. हर रोज़ एक टीस्पून पाउडर का सेवन करें.

10 मिलीग्राम पके हुए अनन्नास के रस में भुनी हुई हींग और अदरक का रस मिलाकर रोज़ पीने से पेटदर्द में राहत मिलती है.

दस्त की समस्या होने पर अनन्नास के पत्तों का काढ़ा बनाकर इसमें बहेड़ा और छोटी हरड़ का चूर्ण मिलाकर लें.

अनन्नास के रस में मुलेठी, बहेड़ा और मिश्री को मिलाकर सेवन करने से सांसों से संबंधित बीमारियों में लाभ होता है.

भोजन के बाद यदि पेट फूल जाए और बैचेनी होने लगे, तो 50-100 मिलीग्राम अनन्नास का जूस पीएं. खांसी से परेशान हैं, तो 100 मिलीग्राम पके अनन्नास के रस में 2-2 ग्राम पिप्पली का जड़, सोंठ, बहेड़े का चूर्ण, भुना हुआ सुहागा और शहद मिलाकर लें.

बच्चों के पेट में कीड़े की समस्या होने पर पके हुए अनन्नास के रस में अजवायन, छुहारा, खुरासानी और वायविडंग का चूर्ण बराबर मात्रा में लेकर उसमें थोड़ा-सा शहद मिलाएं. इसे 1-2 ग्राम की मात्रा में चटाने से पेट में कीड़े की समस्या ख़त्म हो जाती है.

बुखार होने पर अनन्नास के जूस में शहद मिलाकर पीने से बुखार ठीक होता है.

पीरियड्स यानी माहवारी की समस्या में 50 मिलीग्राम कच्चे अनन्नास के रस में 1-1 मिलीग्राम पीपल की छाल का पाउडर और गुड मिलाकर लें.शरीर में सूजन की समस्या हो, तो अनन्नास के रस का लेप लगाने से सूजन ठीक हो जाती है. इसके अलावा अनन्नास के पत्तों पर एरंड का तेल लगाकर थोड़ गर्म करके सूजनवाले हिस्से पर बांधने से भी सूजन दूर होती है.

यूरिन से संबंधित समस्या हो, तो अनन्नास के जूस में गुड़ मिलाकर पीएं.

सुपर टिप

पके हुए अनन्नास के टुकड़े में सेंधा नमक और काली मिर्च पाउडर मिलाकर खाने से अपच की समस्या दूर होती है.

स्वास्थ्य के लिए अनानास के फायदे

अनानास एक उष्णकटिबंधीय फल है जो ब्राजील से आता है। अनानास अपने स्वादिष्ट स्वाद और खेती में आसानी के कारण लोगों के बीच लोकप्रिय है। अनानास में लाभकारी पोषक तत्व होते हैं और यह समुदाय के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। अनानास का सेवन वयस्कों और किशोरों दोनों के लिए अत्यधिक फायदेमंद है।

अनानास की पोषण सामग्री

अनानास में कई तरह के उपयोगी पोषक तत्व होते हैं। वेबसाइट helloschat.com पर बताया गया है कि अनानास के 100 ग्राम में कितने फ़ायदे होते हैं:

- पानी: 88.9 ग्राम (जी)- प्रोटीन: 0.6 ग्राम - वसा: 0.3 ग्राम - फाइबर: 0.6 ग्राम - कैल्शियम: 22 मिलीग्राम (एमजी) - फास्फोरस: 14 मिलीग्राम - आयरन: 0.9 मिलीग्राम - सोडियम: 18 मिलीग्राम - पोटेशियम: 111.0 मिलीग्राम - तांबा: 0.03 मिलीग्राम - जिंक: 0.1 मिलीग्राम - बीटा-कैरोटीन: 17 माइक्रोग्राम - कुल कैरोटीनॉयड: 90 माइक्रोग्राम - थायमिन (विटामिन बी1): 0.02 मिलीग्राम - राइबोफ्लेविन (विटामिन बी2): 0.04 मिलीग्राम - नियासिन (विटामिन बी3): 0.2 मिलीग्राम - एस्कॉर्बिक एसिड (विटामिन सी): 22 मिलीग्राम

समर केयर होम रेमेडीज, जो बचाएंगे आपको गर्मियों में होनेवाली हेल्थ प्रॉब्लम्स से

बदलते मौसम का असर शरीर और सेहत पर भी पड़ता है और कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम्स होने लगती हैं. अगर समर में हेल्थ प्रॉब्लम्स से बचना है और हेल्दी रहना है, तो इससे बचाव के तरीके जानना बेहद ज़रूरी है.

डीहाइड्रेशन

गर्मियों में अत्यधिक और बार-बार पसीना आने से शरीर में पानी की कमी और डीहाइड्रेशन की समस्या होने लगती है और जो लोग एक्सरसाइज़ करते हैं या जिम जाते हैं, उन्हें तो डीहाइड्रेशन की समस्या होने की संभावना ज़्यादा होती है. शरीर में पानी की कमी के लक्षण - अत्यधिक प्यास लगना - सामान्य से कम पेशाब होना - पेशाब का रंग गहरा होना - बेवजह थकान महसूस होना - रोने पर आंखों से आंसू न आना

सिरदर्द और चक्कर आना

- ज़्यादा-से-ज़्यादा पानी पीएं.
- नमक की कमी को दूर करने के लिए स्पोर्ट्स ड्रिंक पीएं.
- ज़्यादा लिक्विड पीने के लिए पानी में ऑरेंज जूस, पुदीने की पत्तियां या नींबू निचोड़ें. इससे आप ज़्यादा पानी पी पाएंगी.
- चाय या कॉफी का सेवन कम करें.
- हल्के-फुल्के कपड़े पहनें.

एसिडिटी

गर्मियों में एसिडिटी की प्रॉब्लम ज़्यादा होती है, जिससे शरीर में भारीपन, खट्टी डकारें, पेटदर्द, जी मिचलाना आदि शिकायतें होती हैं. ऐसी स्थिति में- - बार-बार थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पानी पीएं. इससे खाना जल्दी पच जाता है और एसिडिटी से राहत मिलती है. - हरड़, सोंठ और सेंधा नमक तीनों को मिलाकर रख लें. एसिडिटी की शिकायत होने पर एक टीस्पून की मात्रा में ये चूर्ण ठंडे पानी के साथ लें. बार-बार प्यास लगना - छुहारे की गुठली मुंह में रखें. - आलूबुखारा चूसने से भी लाभ होता है. - धनिया को पानी में भिगो दें. दो घंटे बाद उसे मसलकर छान लें. इस पानी में शहद और शक्कर मिलाकर पीने से फ़ायदा होता है.

गर्मी में सिर चकराए तो

-गर्मी के दिनों में सिर चकराता हो या जी घबराता हो, तो आंवले का शर्बत पीएं. तुरंत राहत मिलेगी. लू लगने पर

- लू लगने पर प्याज़ के रस से कनपटियों और छाती पर मालिश करें. - नारियल के दूध के साथ काला जीरा पीसकर शरीर पर मलने से लू की जलन कम होती है. - धनिया के पानी में शक्कर मिलाकर पीने से लू का असर कम हो जाता है. - तुलसी के पत्तों के रस में शक्कर मिलाकर पीने से लू नहीं लगती.फूड पॉयज़निंग गर्मियों में बासी या बाहर का खाना खाने, खाने-पीने में गड़बड़ी होने या अधिक गर्मी के कारण फूड पॉयज़निंग की प्रॉब्लम हो सकती है, जिसके कारण उल्टी, पेटदर्द, दस्त, तेज़ बुख़ार व डीहाइड्रेशन की शिकायत हो सकती है. - खाना बनाने से पहले, वॉशरूम इस्तेमाल करने के बाद व पालतू जानवर को छूने के बाद मेडिकेटेड साबुन से हाथ धोएं. खाने से पहले भी हाथों को अच्छी तरह धोएं.

40 की उम्र के बाद स्वस्थ रहने के लिए कुछ आदतें

वयस्कता की शुरुआत में, हममें से कई लोगों को ऐसा लगता है कि हमारा स्वास्थ्य ऑटोपायलट पर है। अगर हम इतने भाग्यशाली हैं कि हमें कोई पुरानी बीमारी या गंभीर बीमारी नहीं है, तो स्वास्थ्य के बारे में चिंता करना मुश्किल है।

लेकिन अचानक-अक्सर 40 की उम्र के आसपास-यह बदलना शुरू हो सकता है। हेनरी फ़ोर्ड हेल्थ में फैमिली मेडिसिन प्रोवाइडर सुमैया इस्लाम, एमडी कहती हैं , "मध्य आयु में, अपनी स्वास्थ्य आदतों का पुनर्मूल्यांकन करना और बीमारी को रोकने के तरीकों पर अधिक ध्यान केंद्रित करना महत्वपूर्ण है।" "हम जानते हैं कि अपनी जीवनशैली की आदतों को संशोधित करने से हृदय रोग, कैंसर, मधुमेह और अन्य बीमारियों का खतरा कम हो सकता है जो उम्र बढ़ने के साथ आम हो जाती हैं।"

निवारक देखभाल पर ध्यान केंद्रित करें

मध्य आयु में आप जो भी स्वास्थ्य संबंधी आदतें अपनाते हैं, उनमें से नियमित निवारक देखभाल का समय निर्धारित करना सबसे महत्वपूर्ण हो सकता है। अपनी वार्षिक दिनचर्या में वार्षिक शारीरिक जांच को शामिल करें। प्रत्येक अपॉइंटमेंट पर, अपने डॉक्टर से चर्चा करें कि आपको कौन सी स्क्रीनिंग , लैब टेस्ट और टीके लगवाने की आवश्यकता है। उन सभी सिफारिशों का पालन करने से कई बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है और यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि आप अन्य बीमारियों को शुरुआती (और सबसे अधिक उपचार योग्य) चरण में पहचान सकें।

दीर्घायु के लिए खाएं

डॉ. इस्लाम कहते हैं, "एक स्वस्थ आहार कैंसर और हृदय रोग को रोकने में मदद कर सकता है और आपके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।" "पूरे खाद्य पदार्थ खाने पर ध्यान दें और हर दिन कम से कम पाँच सर्विंग फल और सब्जियाँ ज़रूर लें।" फास्ट फूड और प्रोसेस्ड फूड का सेवन सीमित करें , जिनमें वसा, अतिरिक्त चीनी और नमक अधिक होता है और पोषक तत्व कम होते हैं।

स्वस्थ वजन बनाए रखें

जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हमारा मेटाबॉलिज्म अक्सर धीमा हो जाता है। इसका नतीजा यह हो सकता है कि जब तक आप अपनी खाने की आदतों में बदलाव नहीं करते, तब तक आपके वजन का पैमाना धीरे-धीरे ऊपर की ओर बढ़ता रहेगा। डॉ. इस्लाम कहते हैं, "अपने वजन को स्वस्थ सीमा में रखने के लिए आपको कैलोरी की मात्रा में बदलाव करने की जरूरत हो सकती है।" अपने मध्य भाग के आसपास ज़्यादा वज़न जमा होने से विशेष रूप से सावधान रहें। पेट की चर्बी बढ़ने से हृदय रोग और मधुमेह का जोखिम बढ़ जाता है ।

नियमित रूप से व्यायाम करें

आदर्श रूप से, गतिविधि हमेशा आपकी दिनचर्या का हिस्सा रही है, लेकिन आगे बढ़ने में कभी देर नहीं होती। हर हफ़्ते कम से कम 150 मिनट की मध्यम तीव्रता वाली कसरत करना महत्वपूर्ण है। बस इससे आपको स्वस्थ वजन बनाए रखने, कैंसर और हृदय रोग के जोखिम को कम करने, रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल को कम करने, तनाव को प्रबंधित करने और अच्छे मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद मिल सकती है। अपनी हड्डियों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और अपनी मांसपेशियों को बनाए रखने के लिए कुछ शक्ति प्रशिक्षण शामिल करें ।

अच्छी नींद लें

डॉ. इस्लाम कहते हैं, " नींद तब होती है जब शरीर खुद को पुनर्स्थापित और ठीक कर रहा होता है।" "वयस्क होने के बाद भी, हमें रात में सात से नौ घंटे की नींद की ज़रूरत होती है।" सेलुलर स्तर पर उपचार को बढ़ावा देने के अलावा, पर्याप्त नींद लेने से कोर्टिसोल के स्तर को कम करने में भी मदद मिलती है। डॉ. इस्लाम कहते हैं, "तनाव के क्षणों के दौरान, आपका शरीर कोर्टिसोल छोड़ता है।" "आपके शरीर में इसका बहुत अधिक संचार उच्च रक्तचाप और उच्च रक्त शर्करा के जोखिम को बढ़ा सकता है।"

तनाव का प्रबंधन करें

कोर्टिसोल के स्तर को नियंत्रित रखने का सबसे अच्छा तरीका तनाव के स्तर को कम रखना है। लेकिन चूंकि आपके जीवन से तनाव को खत्म करना असंभव हो सकता है, इसलिए महत्वपूर्ण बात यह है कि इसे बेहतर तरीके से संभालने के तरीके खोजें। यहां तक कि माइंडफुलनेस के छोटे-छोटे पल भी मदद कर सकते हैं। डॉ. इस्लाम कहते हैं, "मुझे बॉक्स ब्रीदिंग नामक एक तकनीक पसंद है, जिसमें आप 4 की गिनती तक सांस अंदर लेते हैं, 4 तक रोकते हैं, फिर 4 तक सांस छोड़ते हैं।" "यह तनाव के क्षणों में खुद को रीसेट करने और स्थिर करने का एक त्वरित और आसान तरीका है।" हेनरी फोर्ड में प्राथमिक देखभाल

आज ही प्राथमिक देखभाल विशेषज्ञ से अपॉइंटमेंट का अनुरोध करें।

धूम्रपान न करें

यदि आप धूम्रपान करते हैं, तो आप धूम्रपान छोड़कर अपने स्वास्थ्य पर बहुत बड़ा उपकार करेंगे। धूम्रपान करने से आपके फेफड़ों के कैंसर, वातस्फीति और सीओपीडी का जोखिम बहुत बढ़ जाता है। यह आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को भी कमजोर करता है , जिससे आप संक्रामक रोगों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं। अच्छी खबर यह है कि जिस क्षण आप धूम्रपान छोड़ते हैं, उसी क्षण से आपका शरीर फिर से स्वस्थ होने लगता है। कुछ महीनों के भीतर, आप बेहतर साँस ले सकते हैं, कम खाँस सकते हैं और आपका रक्तचाप कम हो सकता है।

हर दिन सनस्क्रीन लगाएँ

लगभग 90% त्वचा कैंसर सीधे सूर्य के संपर्क से संबंधित हैं। त्वचा कैंसर से खुद को बचाने का सबसे अच्छा तरीका है कि जितना संभव हो सके अपनी त्वचा को सूरज से बचाएं। सूर्य से बचाव की रणनीतियों में टोपी और कपड़ों से ढके रहना, छाया में रहना और दिन के मध्य में बाहरी गतिविधियों से बचना शामिल हो सकता है जब सूर्य की किरणें सबसे तेज़ होती हैं। लेकिन आपको किसी भी खुली त्वचा पर सनस्क्रीन का उपयोग करने के बारे में भी सावधान रहने की आवश्यकता है। डॉ. इस्लाम कहते हैं, "मैं त्वचा के रंग की परवाह किए बिना सभी लोगों को इसकी सलाह देता हूं।" "हर दिन इसे लगाने की आदत डालें, भले ही बादल छाए हों । यूवी किरणें अभी भी बादलों को भेद सकती हैं और आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती हैं।"

शराब का सेवन कम करें

इस बात के प्रमाण बढ़ रहे हैं कि मध्यम मात्रा में शराब पीने से भी कुछ कैंसर और हृदय रोग से मृत्यु का जोखिम बढ़ जाता है। यह आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी संभावित रूप से हानिकारक हो सकता है। डॉ. इस्लाम कहते हैं, "लोग अक्सर तनाव और चिंता से निपटने के लिए शराब का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन यह स्वस्थ तरीका नहीं है।"

जुड़े रहो

इस देश में अकेलापन एक महामारी बन गया है, लगभग 3 में से 1 वयस्क रिपोर्ट करता है कि वे अकेलापन महसूस करते हैं। दोस्तों, परिवार और समुदाय का समर्थन न मिलने से आपकी मानसिक सेहत पर असर पड़ता है। लेकिन यह आपके शारीरिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकता है।

ट्रंप ने एपल से कहा भारत छोड़ो लेकिन क्या अपने पैर जमा चुकी कंपनी ऐसा कर पायेगी?

श्रीपेरंबदूर का प्लांट भारत में आईफ़ोन उत्पादन का सबसे बड़ा प्लांट है. ये चेन्नई से क़रीब पचास किलोमीटर दूर है

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले कुछ दिनों में कई चौंकाने वाले बयान दिए हैं. अब उनका ताज़ा बयान एपल के भारत में आईफ़ोन उत्पादन को लेकर आया है.

दो दिन पहले दोहा में एक बिज़नेस इवेंट में ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने एपल के सीईओ टिम कुक से कहा कि 'वो नहीं चाहते हैं कि एपल भारत में आईफ़ोन बनाए क्योंकि भारत सबसे ज़्यादा टैरिफ़ लगाने वाले देशों में शामिल है.'

एपल के भारत में आईफ़ोन बनाने के बारे में बात करते हुए ट्रंप ने अपनी मध्य पूर्व यात्रा के दौरान दोहा में कहा- "उन्होंने (भारत ने) हमें एक समझौते की पेशकश की है जिसमें वो हम पर कोई टैरिफ़ ना लगाने के लिए सहमत हो गए हैं. मैंने कहा, टिम, हम तुम्हारे साथ बहुत अच्छा व्यवहार कर रहे हैं. तुमने चीन में कारखाने बनाए, हमने सालों तक इसे सहा. लेकिन तुम भारत में उत्पादन करो, इसमें हमारी कोई दिलचस्पी नहीं है. भारत अपना ख़्याल ख़ुद रख सकता है."

यही नहीं, ट्रंप ने ये दावा भी किया कि भारत ने अमेरिका के साथ ज़ीरो टैरिफ़ समझौते की पेशकश की है.ट्रंप ने ये भी कहा कि मैंने टिम से कहा कि अगर तुम भारत के बाज़ार के लिए भारत में उत्पादन करना चाहते हो तो करे लेकिन अमेरिका के लिए तुम्हें यहां आकर उत्पादन करना होगा.हालांकि ये पहली बार नहीं है जब ट्रंप प्रशासन ने एपल से अमेरिका में उत्पादन शुरू करने के लिए कहा हो.एपल के सीईओ टिम कुक ने हाल ही में एक बयान में कहा है कि कंपनी अगले चार सालों के दौरान अमेरिका में पांच सौ अरब डॉलर निवेश करेगी.ट्रंप ने अपने कई सार्वजनिक बयानों में कहा है कि वो कूटनीति में कारोबार को एक टूल की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं.अमेरिका और भारत के बीच द्वपक्षीय कारोबार समझौते के लिए वार्ता चल रही है.ऐसे में माना जा रहा है कि इसी कड़ी में ट्रंप ने भारत में अमेरिका की प्रतिष्ठित कंपनी एपल के स्मार्टफ़ोन आइफ़ोन के उत्पादन को लेकर ये बयान दिया है.

एपल ने साल 2017 में भारत में उत्पादन शुरू किया था. पिछले कुछ सालों के भीतर भारत में आईफ़ोन के उत्पादन में भारी बढ़ोतरी हुई है.

पिछले वित्तीय वर्ष में एपल ने भारत में 22 अरब डॉलर क़ीमत के आईफ़ोन का उत्पादन किया. ये इससे पिछले साल के मुक़ाबले में 60 प्रतिशत अधिक है. एपल ने भारत से वित्त वर्ष 2024-25 में 17.4 अरब डॉलर के आईफ़ोन का निर्यात किया.

इसी महीने एपल ने बताया था कि वह अमेरिकी बाज़ार में बिकने के लिए बनने वाले अधिकतर आईफ़ोन और अन्य उत्पादों के उत्पादन को चीन से बाहर ले जा रही है.

कंपनी के सीईओ टिम कुक ने कुछ दिन पहले निवेशकों के साथ कॉल पर कहा था कि अमेरिकी बाज़ार में बिकने वाले अधिकतर आईफ़ोन भारत में बनेंगे जबकि आई पैड और आईवॉच जैसे उत्पाद वियतनाम में बनाए जाएंगे.

टिम कुक ने कहा था, "हम ये उम्मीद कर

रहे हैं कि अमेरिका में बिकने वाले अधिकतर आईफ़ोन के उत्पादन का देश भारत होगा."

इस समय कुल आईफ़ोन में से बीस प्रतिशत भारत में उत्पादित होते हैं और एपल की योजना इसे और अधिक बढ़ाने की है.

भारत में मोबाइल फ़ोन उत्पादन की कहानी 2006 में शुरू हुई जब नोकिया ने यहां बेसिक फ़ोन का उत्पादन शुरू किया.कई और कंपनियों ने भारत में फ़ोन का उत्पादन शुरू किया. लेकिन 2014 तक स्मार्टफ़ोन की भारत में सिर्फ़ असेंबलिंग ही होती थी.साल 2014 में भारत सरकार ने 'मेक इन इंडिया अभियान' शुरू किया और कंपनियों को भारत में स्थानीय स्तर पर असेंबलिंग यानी बाहर से कंपोनेंट (अलग-अलग पुर्ज़े) लाकर भारत में फ़ोन असेंबल करने के लिए प्रोत्साहित किया.2017 में भारत ने स्थानीय स्तर पर कंपोनेंट बनाने के लिए कंपनियों को प्रोत्साहित करने के लिए फ़ेज़्ड मैन्युफ़ैक्चरिंग प्रोग्राम (चरणबद्ध उत्पादन कार्यक्रम) लागू किया और यहां फ़ोन के उत्पादन के लिए एक सप्लाई चेन स्थापित होनी शुरू हुई.

2018 में सैमसंग ने नोएडा में एक विशाल फ़ोन उत्पादन यूनिट शुरू की. यहां भारत में बिकने वाले सैमसंग के अधिकतर फ़ोन का निर्माण होता है.2020 में भारत ने प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेटिव (पीएलआई) यानी उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना शुरू की थी जिसके तहत उत्पादन की कुछ तय शर्तें पूरी करने कंपनियों को सीधा फ़ायदा पहुंचता है. टेलिकॉम इक्विपमेंट मैन्युफ़ैक्चरिंग एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया (टेमा) के चेयरमैन एमिरिटस प्रोफ़ेसर एनके गोयल मानते हैं कि पीएलआई के अलावा भारत सरकार की कई नीतियों ने बड़ी कंपनियों को भारत आकर्षित किया. एनके गोयल कहते हैं, "पिछले कुछ सालों में भारत में उत्पादनकर्ताओं के लिए एक इको सिस्टम स्थापित हुआ है. हाईवे बेहतर बनें, सप्लायर चेन विकसित हुई है और सरकार भी उत्पादन को बढ़ावा देने कि लिए नीतियां लाई हैं. भारत के मुक़ाबले चीन में फ़ोन बनाना सस्ता है लेकिन पीएलआई के ज़रिए कंपनियों को सीधा फ़ायदा पहुंचा है और भारत एक प्रतिस्पर्धी के रूप में उभरा है."

विश्लेषक ये भी मानते हैं कि कोविड के बाद कंपनियों में ये समझ बनीं कि सिर्फ़ चीन या किसी एक देश पर उत्पादन के लिए निर्भर नहीं रहा जा सकता. टेक्नोलॉजी मार्केट रिसर्च फ़र्म काउंटरप्वाइंट रिसर्च में शोध निदेशक तरुण पाठक मानते हैं कि कोविड के बाद सप्लाई चेन में विविधता लाने की ज़रूरत भी महसूस हुई.

तरुण पाठक कहते हैं, "कोविड के समय सभी को ये बात समझ आई कि वैश्विक सप्लाई चेन सिर्फ़ किसी एक देश पर निर्भर नहीं रह सकती है. 2020 तक भारत ने दिखा दिया था कि भारत में भी फ़ोन बनाए जा सकते हैं. इसी साल भारत ने प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेन्टिव (उत्पादन आधारित प्रोत्साहन) योजना लागू हुई. इससे बड़ा बदलाव आया और एपल ने भारत में उत्पादन बढ़ाने पर ज़ोर दिया." विश्लेषक ये भी मानते हैं कि भारत का एक बड़े बाज़ार के रूप में उभरना भी एपल के भारत में उत्पादन बढ़ाने का अहम कारण बना. भारत में पिछले कुछ सालों में आईफ़ोन की बिक्री लगातार बढ़ी है, वहीं चीन के घरेलू बाज़ार में आईफ़ोन की बिक्री में गिरावट आई है.

केपीएमजी इंडिया इन्डायरेक्ट टैक्स मामलों के पार्टनर और नेशनल हेड अभिषेक जैन कहते हैं, "कुछ साल पहले भारत ने बाहर से आने वाले फ़ोन पर बीस प्रतिशत कस्टम ड्यूटी लगा दी थी जो अब पंद्रह प्रतिशत है. लेकिन अगर आप भारत में उत्पादन करते हैं तो फ़ोन के कंपोनेंट पर ये ड्यूटी काफ़ी कम है, यानी भारत में उत्पादन करने पर फ़ोन की क़ीमत कम हो जाती है. भारत आईफ़ोन के लिए बड़ा बाज़ार भी बन रहा है. इसलिए ही एपल जैसी कंपनियों के लिए भारत में उत्पादन बढ़ाना फ़ायदे का सौदा है."

चीन एपल के उत्पादन का सबसे बड़ा हब रहा है. लेकिन हाल के सालों में एपल सहित कई कंपनियों ने भारत का रुख़ किया है. विश्लेषक मानते हैं कि इसका सबसे बड़ा कारण ये है कि बदलते वैश्विक परिवेश में एपल कंपनी अपने उत्पादन के लिए सिर्फ़ चीन पर ही निर्भर नहीं रहना चाहती थी. दरअसल, पिछले कुछ सालों में अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर और गंभीर हुआ है. इस दौरान भारत भी एक ऐसे उत्पादन हब के रूप में उभरा जहां फ़ोन जैसे जटिल उत्पाद को बनाने का इंफ़्रास्ट्रक्चर खड़ा हो रहा था और सरकार इसे प्रोत्साहित कर रही थी. अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के फिर से राष्ट्रपति बनने के बाद चीन के साथ ट्रेड वॉर और गंभीर हुआ है. ट्रंप ने चीन पर टैरिफ़ बढ़ाकर 145 प्रतिशत कर दिया था. चीन ने भी अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ़ बढ़ाकर पलटवार किया था.

कुछ दिन पहले ही अमेरिका और चीन 90 दिनों के लिए टैरिफ़ कम करने पर राज़ी हुए हैं और आगे भी वार्ता के लिए सहमति बनीं है. लेकिन फिलहाल भी चीन के उत्पादों पर तीस प्रतिशत टैक्स रहेगा.केपीएमजी इंडिया में सलाहकार अभिषेक जैन कहते हैं, "अभी टैरिफ़ को लेकर अनिश्चितता है. अमेरिका टैरिफ़ वॉर में आगे क्या करेगा ये स्पष्ट नहीं है. लेकिन फ़िलहाल भारत की ओर से लगने वाला टैरिफ़ चीन के मुक़ाबले बहुत कम है. ऐसे में एपल की प्राथमिकता भारत में उत्पादन बढ़ाना है क्योंकि भारत के साथ अमेरिका का कारोबारी समझौता होने की संभावना है जबकि चीन को लेकर आशंकाएँ हैं."

स्थानीय स्तर पर उत्पादन से नई नौकरियां पैदा होती हैं. एपल के भारत में उत्पादन बढ़ाने से नई नौकरियों के मौक़े भी पैदा किए हैं.

एक रिपोर्ट के मुताबिक़ पिछले साल अगस्त तक एपल के फ़ोन का उत्पादन कर रहीं और उनसे जुड़ी कंपनियों में 1 लाख 64 हज़ार से अधिक लोग सीधे तौर पर काम कर रहे थे.

भारत में आईफ़ोन का उत्पादन तीन कंपनियां करती हैं, फॉक्सकॉन, पेगाट्रॉन और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स. ताइवानी निर्माता विस्ट्रॉन ग्रुप का भी कर्नाटक में आईफ़ोन असेंबली प्लांट था लेकिन इसका अधिग्रहण टाटा ने कर लिया.

ताइवान की फॉक्सकॉन भारत में आईफ़ोन की सबसे बड़ी निर्माता कंपनी है और लगभग 67 प्रतिशत उत्पादन यही कंपनी करती है. इसके दो प्लांट है, एक तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में और दूसरा कर्नाटक के बेंगलुरु में.

श्रीपेरंबदूर का प्लांट भारत में आईफ़ोन उत्पादन का सबसे बड़ा प्लांट है. ये चेन्नई से क़रीब पचास किलोमीटर दूर है और यहां लगभग चालीस हज़ार कर्मचारी काम करते हैं जिनमें से अधिकतर राज्यभर से आईं युवा महिलाएं हैं. यहां नौकरी ने इन महिलाओं के जीवन को बदला है.

पर्सनल लोन लेते समय क्यों जरूरी होता है हाई क्रेडिट स्कोर? यहां बताए गए हैं इसके फायदे

एक अच्छा क्रेडिट स्कोर न केवल अच्छी फाइनेंशियल स्थिति की तरफ इशारा करता है, बल्कि ये आपकी लोन एप्लीकेशन के अप्रूव होने की संभावनाओं को भी बढ़ाता है. इसके अलावा भी हाई क्रेडिट स्कोर के कई फायदे हैं.

किसे एक अच्छा क्रेडिट स्कोर माना जा सकता?

भारत में चार क्रेडिट ब्यूरो या क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां (CRAs) क्रेडिट स्कोर जारी करती हैं. इनमें TransUnion CIBIL, Equifax, Experian और CRIF High Mark शामिल हैं. TransUnion CIBIL भारत की एक प्रमुख क्रेडिट जानकारी रखने वाली कंपनी है.

आमतौर पर, एक अच्छा CIBIL स्कोर या क्रेडिट स्कोर 750 से 900 के बीच होता है. क्रेडिट रेटिंग एजेंसी की वेबसाइट या ऐप का इस्तेमाल करके आप ऑनलाइन क्रेडिट स्कोर चेक कर सकते हैं. इस बीच मनीकंट्रोल भी अपनी ऐप और वेबसाइट के जरिए क्रेडिट स्कोर चेक करने की सुविधा प्रदान करता है. यहां आप अपनी क्रेडिट प्रोफाइल के आधार पर 50 लाख रुपए तक का पर्सनल लोन ले सकते हैं.

हाई CIBIL स्कोर के फायदे

कम इंटरेस्ट रेट

जिन लोन लेने वाले यूजर्स का क्रेडिट स्कोर ज्यादा होता है, उन्हें कम ब्याज पर लोन मिलता है. एक हाई क्रेडिट स्कोर बहुत ही अच्छा माना जाता है और यह आपके लोन को समय पर चुकाने की क्षमता की तरफ इशारा करता है.

आसान रिपेमेंट फ्लेक्सिबिलिटी

हाई CIBIL स्कोर वाले लोगों को फ्लेक्सिबल रीपेमेंट टेन्योर का ऑप्शन मिलता है. आपके फाइनेंस प्लान के मुताबिक समय चुनने की सुविधा आपको लोन समय पर चुकाने में मदद कर सकती है.

अप्रूवल की संभावना का बढ़ना

जिनका CIBIL स्कोर 750 या उससे ज्यादा होता है, उनके लोन मंजूर होने की संभावना ज्यादा होती है. हाई क्रेडिट स्कोर आपको सबसे अच्छी शर्तों पर लोन दिलाने में भी मदद कर सकता है और एप्लीकेशन प्रोसेस को आसान बना सकता है, जिसमें कम कागजी कार्रवाई होती है.

प्री-अप्रूव्ड लोन और क्रेडिट कार्ड की एलीजिबिलिटी

हाई क्रेडिट स्कोर होने से आपको प्री-अप्रूव्ड लोन और क्रेडिट कार्ड मिलना आसान हो जाता है. इसके अलावा प्री-अप्रूव्ड लोन ऑफर के साथ आपको बहुत ज्यादा डॉक्यूमेंट की जरूरत नहीं होती.

हाई क्रेडिट लिमिट

हाई क्रेडिट स्कोर वालों को आम तौर पर अपनी क्रेडिट लाइन पर हाई क्रेडिट लिमिट का फायदा मिलता है.

प्रीमियम क्रेडिट कार्ड तक आसान पहुंच

हाई क्रेडिट स्कोर का एक फायदा यह है कि आप प्रमुख क्रेडिट कार्ड कंपनियों के प्रीमियम क्रेडिट कार्ड पा सकते हैं. आजकल, प्रीमियम क्रेडिट कार्ड ग्राहकों को कई तरह के फायदे दे रहे हैं, जैसे इनमें एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस और ई-कॉमर्स शॉपिंग पर छूट शामिल है.

CIBIL स्कोर को प्रभावित करने वाली बातें

कई ऐसे फैक्टर्स हैं, जो आपके क्रेडिट स्कोर को बिगाड़ सकते हैं, यहां कुछ ऐसे ही खास बातें बताई गई हैं जिनको हमेशा ध्यान में रखना चाहिए.

समय पर बिल पेमेंट

क्रेडिट कार्ड बिलों और मंथली किस्तों (EMIs) का समय पर पेमेंट करने से आपके क्रेडिट स्कोर बढ़ सकता है. दूसरी ओर, देर से पेमेंट करने से क्रेडिट स्कोर में गिरावट आ सकती है.

क्रेडिट यूटिलाइजेशन रेशियो

क्रेडिट यूटिलाइजेशन रेश्यो का मतलब है कि आपके क्रेडिट कार्ड की जो क्रेडिट लिमिट है, आप उसका एक महीने में कितना इस्तेमाल करते हैं. हाई क्रेडिट यूटिलाइजेशन रेशियो का आपके क्रेडिट स्कोर पर निगेटिव असर पड़ सकता है.

मिनिमम अमाउंट का पेमेंट

लोगों को इस्तेमाल की गई क्रेडिट लिमिट का पूरा या मिनिमम अमाउंट का पेमेंट करने का ऑप्शन दिया जाता है. केवल मिनिमम अमाउंट का पेमेंट करना आपके क्रेडिट स्कोर को समय के साथ घटा सकता है और आपके बचे लोन पर इंटरेस्ट भी बढ़ सकता है.

हाई CIBIL स्कोर पाने के टिप्स

अपने EMI समय पर चुकता करें

क्रेडिट स्कोर सुधारने के लिए आपको सभी EMI समय पर चुकाने चाहिए. EMI लोन्स का सेटलमेंट आपके क्रेडिट स्कोर पर पॉजिटिव असर डाल सकता है. आप समय पर लोन चुकाने के लिए ऑटोमेट सर्विस का सहारा ले सकते हैं.

क्रेडिट यूटिलाइजेशन

एक्सपर्ट्स सलाह देते हैं कि लोन लेते समय आपको सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि यह भविष्य में नए क्रेडिट फैसिलिटीज के लिए परेशानी का सबब भी बन सकता है. इसके अलावा एक निश्चित समय के भीतर लोनों की संख्या कम रखना बेहतर होता है. नए लोन लेने से पहले मौजूदा लोन्स को चुकाना भी एक अच्छा तरीका है.

अपना CIBIL स्कोर मॉनिटर करें

अपना CIBIL स्कोर और क्रेडिट रिपोर्ट नियमित रूप से मॉनिटर करना आपको अपनी फाइनेंशियल स्थिति को बेहतर समझने में मदद कर सकता है. इसके अलावा किसी भी गलती का समय पर पता लगाकर उसे सुधारा भी जा सकता है. कभी-कभी लोन पेमेंट डिटेल आपके क्रेडिट रिपोर्ट में नहीं जोड़े जाते हैं. ऐसे में इन गलतियों को पहचानकर सही करना आपके क्रेडिट स्कोर को सुधार सकता है.

निष्कर्ष

कभी-कभी लोन लेना जरूरी होता है. हालांकि, फाइनेंशियल डिसिप्लिन बनाए रखते हुए और अपने क्रेडिट स्कोर को लगातार सुधारते हुए, आप लोन प्राप्त करने के प्रोसेस को ज्यादा आसान और लागत प्रभावी बना सकते हैं.

डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे मनीकंट्रोल फ्री में क्रेडिट स्कोर चेक करने की सुविधा देते हैं. आप मनीकंट्रोल ऐप और वेबसाइट के माध्यम से अपनी क्रेडिट रिपोर्ट फ्री में देख सकते हैं. मनीकंट्रोल 8 लेंडर्स के साथ पार्टनरशिप में 100% डिजिटल, इंस्टेंट पर्सनल लोन भी प्रदान करता है. आप सिर्फ तीन स्टेप्स में लोन प्राप्त कर सकते हैं - अपनी जानकारी दर्ज करें, KYC पूरी करें और EMI रीपेमेंट सेट करें.

अपने और अपने परिवार के भविष्य के लक्ष्यों के लिए धन बनाएँ

निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान, भविष्य के लिए स्थायी संपत्ति बनाने में मदद करने वाला एक वित्तीय साधन हैं। अपने वित्तीय उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए विभिन्न मुद्रा-बाजार उत्पादों में अनुशासित और आवधिक तरीके से अपनी बचत का निवेश करने में देश के विभिन्न निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान्स हमें सक्षम बनाते हैं।

कुल मिलाकर, निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान हमारी बचत को बढ़ाने और व्यवस्थित, दीर्घकालिक निवेश के माध्यम से भविष्य के लिए धन बनाने के लिए आवश्यक लाभ प्रदान करती हैं। भारत में निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान बनाने की दिशा में पहला कदम अपनी रिस्क प्रोफ़ाइल और वित्तीय जरूरतों का मूल्यांकन करना है और फिर अपनी आवश्यकताओं से मेल खाने वाली निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान का चयन करना है। भारत में उपलब्ध निवेश के कुछ विकल्पों में शामिल हैं:

यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप)

मंथली इनकम प्लान,पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) म्यूचुअल फंड्स

सुकन्या समृद्धि खाता

सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (एससीएसएस),टैक्स सेविंग फिक्स्ड डिपॉजिट इन निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान और कई अन्य के लिए आपको विस्तृत रूप से शोध करने की आवश्यकता है और फिर उन निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान का चयन करना चाहिए जो दीर्घकालिक स्थायी लाभ, कर-बचत लाभ और पूंजी मूल्यवृद्धि प्रदान करें। भारत में ऐसी कई निवेश योजनाएं हैं जो आपके काम आ सकती हैं।

निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान चुनते समय ध्यान देने योग्य बातें

वित्तीय उद्देश्य निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान चुनने से पहले आपके वित्तीय लक्ष्य के बारे में सोचना चाहिए कि वह दीर्घकालिक और अल्पकालिक दोनों हैं। ये लक्ष्य शादी और शिक्षा से लेकर अंतर्राष्ट्रीय यात्रा और नए स्मार्टफोन तक कुछ भी हो सकते हैं और ऐसे वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करने से आपको सोच-समझकर निर्णय लेने में मदद मिलेगी। उदाहरण के लिए, यदि आप अपने पसंदीदा आगामी विदेश यात्रा के लिए बचत करना चाहते हैं, तो आवर्ती जमा (आरडी) या डाकघर जमा (पोस्ट ऑफिस डिपॉजिट) आपके लिए सर्वोत्तम निवेश योजनाओं में से एक हो सकता है।

नियोजित आगामी खर्च

यदि आप भारत में निवेश योजना की तलाश कर रहे हैं, तो अपने नियोजित भविष्य के खर्चों, जैसे कि आपके बच्चे की शादी और शिक्षा या घर खरीदना, का अनुमान लगाना एक महत्वपूर्ण कदम होगा। ऐसा करने से आपको इस बात का बेहतर अंदाजा होगा कि भविष्य के किसी भी खर्च को कवर करने के लिए पर्याप्त रिटर्न पाने के लिए आपको अभी कितना निवेश करने की जरूरत है।

वर्तमान खर्च

सर्वोत्तम निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान खोजने के लिये अपने वर्तमान खर्चों का मूल्यांकन करना बहुत जरूरी है। उदाहरण स्वरुप यदि आपके पास किराए जैसा कोई बड़ा खर्च नहीं है, तो आप लंबे समय तक बचत करके अधिक निवेश कर सकते हैं। और यदि आपके पास कुछ वित्तीय दायित्व हैं जिससे आप अधिक बचत नहीं कर पाते हैं, तो उच्च रिटर्न वाले निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान में निवेश करना अधिक लाभदायक सिद्ध होगा।

वित्तीय निर्भरता

भारत में निवेश (इन्वेस्टमेंट) प्लान खरीदते समय ज्यादातर लोग अपनी वित्तीय निर्भरता के बारे में सोचते नहीं हैं। जबकि, ऐसा करना महत्वपूर्ण रहता हैं जिससे आपके पास एक ऐसा निवेश (इन्वेस्टमेंट) या बचत पूल होना चाहिए जो आपके उपर निर्भर लोगों के वित्तीय उद्देश्यों के लिए भी पर्याप्त हो। उदाहरण के लिए, जिनके माता-पिता, भाई-बहन और बच्चे हैं उनकी तुलना में यदि आपके केवल दो बच्चे हैं जो आप पर निर्भर हैं, तो आपको अधिक निवेश (इन्वेस्टमेंट) करने की आवश्यकता नहीं होगी।

साउथ की इस एक्ट्रेस की खूबसूरती के आगे बॉलीवुड हीरोइन फेल, इन फिल्मों में आने वाली हैं नजर

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की एक्ट्रेसेस आज खूबसूरती के मामले में बॉलीवुड की एक्ट्रेसेस को बराबर की टक्कर दे रही हैं। वहीं इन दिनों साउथ की एक एक्ट्रेस अन्नु एमानुएल अपनी खूबसूरती के चलते चर्चा में बनी हुई है। महज 21 साल की अन्नु भारत नहीं बल्कि अमेरिका की रहने वाली हैं। अमेरिका के टेक्सास में पली बड़ी हैं। अन्नु ने 2011 में मलयालम फिल्म 'स्वप्ना संचारी' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी।इस फिल्म में उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर काम किया था। इस साल अन्नु की दो तेलुगू फिल्में 'शेलजा रेड्डी अलेडू' और 'अमर अकबर एंथनी' रिलीज होंगी।

साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अपनी सुंदरता से तहलका मचा रखा है। अन्नु ने बचपन में ही फिल्मी दुनिया में कदम रखा दिया था। फिलहाल वह बतौर एक्ट्रेस फिल्मों में नजर आ रही हैं। वह तेलुगू, मलयालम और तमिल में अबतक 8 फिल्मों में काम कर चुकी हैं। अन्नु ने साल 2011 में मलयालम फिल्म स्वप्ना संचारी से की थी। इसमें उन्होंने एक चाइल्ड एक्ट्रेस का रोल प्ले किया था। इस साल अन्नु की दो तेलुगू फिल्में शेलजा रेड्डी अलेडू और अमर अकबर एंथनी रिलीज होंगी। अन्नु को प्रोड्यूसर्स गिल्ड अवार्ड की ओर से तेलुगू में बेस्ट एक्ट्रेस अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है। इसी महीने अन्नु की फिल्म ना पेरू सूर्या विश्व भर में 4 मई को रिलीज हुई हैं। फिल्म में लीड एक्टर के तौर पर साउथ के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन हैं। अन्नु मूल रुप से केरला की रहने वाली हैं, लेकिन उनका जन्म अमेरिका में हुआ था।

साउथ फिल्म इंडस्ट्री का डंका बॉलीवुड में जोरों से बज रहा है। बड़े-बड़े स्टार्स साउथ की फिल्मों का रीमेक बनाकर बॉक्स ऑफिस पर मोटी कमाई कर रहे हैं। यहां तक कि साउथ की एक्ट्रेस ने भी बॉलीवुड में अपनी खूबसूरती से आग लगा रखी है। ऐसे में बात करेंगे एक और साउथ एक्ट्रेस की जिसकी खूबसूरती के आगे कोई एक्ट्रेस टिक ही नहीं पा रही हैं.... जिस अभिनेत्री के बारे में बता रहे हैं वह भारत नहीं बल्कि अमेरिका की रहने वाली हैं। अमेरिका के टेक्सास में पली बड़ी यह एक्ट्रेस साउथ की कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं। केवल 21 साल की इस एक्ट्रेस ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अपनी सुंदरता से तहलका मचा रखा है। बता दें कि इस एक्ट्रेस का नाम अन्नु एमानुएल है। भले ही अन्नु 21 साल की हो लेकिन उनकी गजब की खूबसूरती देखकर को तो यही लगता है कि, वह अभी सिर्फ 16 साल की हैं। अन्नु ने बचपन में ही फिल्मी दुनिया में कदम रखा दिया था और अब वह बतौर एक्ट्रेस फिल्मों में नजर आ रही हैं। वह तेलुगू, मलयालम और तमिल में अबतक 8 फिल्मों में अभिनय कर चुकी हैं। बता दें कि अन्नु ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 2011 में मलयालम फिल्म स्वप्ना संचारी से की थी। इसमें उन्होंने एक चाइल्ड एक्ट्रेस का रोल प्ले किया था। इस साल अन्नु की दो तेलुगू फिल्में शेलजा रेड्डी अलेडू और अमर अकबर एंथनी रिलीज होंगी। अन्नु को प्रोड्यूसर्स गिल्ड अवार्ड की ओर से तेलुगू में बेस्ट एक्ट्रेस अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है। इसी महीने अन्नु की फिल्म ना पेरू सूर्या विश्व भर में 4 मई को रिलीज हुई हैं। फिल्म में लीड एक्टर के तौर पर साउथ के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन हैं। अन्नु मूल रुप से केरला की रहने वाली हैं, लेकिन उनका जन्म अमेरिका में हुआ था।

साउथ सिनेमा और बॉलीवुड के बीच का अंतर

साउथ सिनेमा और बॉलीवुड के बीच का अंतर काफी गहरा है। साउथ की फिल्में अक्सर अपनी कहानियों, दृश्यों और सांस्कृतिक संदर्भों पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जबकि बॉलीवुड की फिल्में अक्सर स्टार पावर, संगीत और मसाला-शैली पर ध्यान केंद्रित करती हैं.

साउथ की फिल्में, खासकर तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ सिनेमा, अपनी अनूठी शैली और सामग्री के लिए जानी जाती हैं। तेलुगु फिल्में अक्सर लार्जर-देन-लाइफ एक्शन और सिने-मसालों से भरी होती हैं, जबकि तमिल फिल्में सामाजिक और पारिवारिक विषयों पर केंद्रित होती हैं. मलयालम फिल्में अपनी संवेदनशील और प्रयोगात्मक कहानियों के लिए जानी जाती हैं, और कन्नड़ फिल्में भी एक मजबूत आधार बना रही हैं.बॉलीवुड की फिल्में, खासकर हिंदी भाषा में, अक्सर एक व्यापक दर्शकों के लिए होती हैं और स्टार पावर और संगीत पर अधिक ध्यान केंद्रित करती हैं.

कुछ लोगों का मानना है कि साउथ की फिल्में बॉलीवुड की तुलना में अधिक कलात्मक और बेहतर हैं, जबकि अन्य लोग बॉलीवुड की फिल्मों के बड़े पैमाने पर व्यावसायिक सफलता को महत्व देते हैं.

कुल मिलाकर, साउथ सिनेमा और बॉलीवुड दोनों ही भारतीय सिनेमा के महत्वपूर्ण अंग हैं और अपने-अपने दर्शकों के लिए अद्वितीय अनुभव प्रदान करते हैं.

यहां कुछ मुख्य अंतर दिए गए हैं:

कहानी:

साउथ की फिल्में अक्सर जटिल और अच्छी तरह से लिखी गई कहानियों पर आधारित होती हैं, जबकि बॉलीवुड की फिल्में अक्सर मसाला और मनोरंजन पर ध्यान केंद्रित करती हैं.

कलात्मकता:

साउथ की फिल्में अक्सर अपनी कलात्मकता और तकनीकी उत्कृष्टता के लिए जानी जाती हैं, जबकि बॉलीवुड की फिल्में अक्सर स्टार पावर और संगीत पर अधिक ध्यान केंद्रित करती हैं.

सांस्कृतिक संदर्भ:

साउथ की फिल्में अक्सर अपने क्षेत्रीय सांस्कृतिक संदर्भों को दर्शाती हैं, जबकि बॉलीवुड की फिल्में अक्सर एक व्यापक दर्शकों के लिए होती हैं.

दर्शकों की पसंद:

कुछ लोगों का मानना है कि साउथ की फिल्में बॉलीवुड की तुलना में अधिक अच्छी हैं, जबकि अन्य लोग बॉलीवुड की फिल्मों के बड़े पैमाने पर व्यावसायिक सफलता को महत्व देते हैं.

गर्मी के मौसम में धूप से बचना है तो इस तरह के पहने कपड़ें

दिन का तापमान दिन पर दिन बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में गर्मी और हीट वेव की वजह से लोग बेहाल हैं। साथ ही इस गर्मी से बचने की भी सलाह दी जा रही है शरीर को अंदर से कूल और तरोताजा रखने की कोशिश करनी चाहिए। लेकिन केवल शरीर को अंदर से हाइड्रेट करने से काम नहीं चलेगा। जरूरी है कि अंदर के साथ-साथ बाहर से भी शरीर को बचाकर रखा जाए।

धूप से बचने के लिए जरूरी है कि कपड़ों का भी ध्यान रखा जाए। सही फैब्रिक और सही रंगों के कपड़े पहनकर ही घर से निकलें। जिससे कि सूरज की तेज किरणों का असर शरीर पर ज्यादा ना पड़े। तो चलिए जानें कौन से तरह के कपड़े इस मौसम में पहनने जरूरी है।

पहने हल्का रंग

गर्मी और तेज धूप की किरणों से शरीर को बचाने के लिए हल्के रंगों के कपड़ों का चयन करें। जैसे कि सफेद, गुलाबी, हल्का हरा, पीच। ये सारे रंग शरीर को ठंडक पहुंचाएंगे। और बॉडी को ज्यादा गर्म नहीं होने देंगे। क्योंकि काले, नीले और पर्पल जैसे गाढ़े रंग के कपड़े सूरज की किरणों को अवशोषित कर लेते हैं। जिससे शरीर में गर्माहट पैदा होने लगती है। साथ ही बैचेनी और घबराहट जैसी दिक्कत हो सकती है।

पहनें सूती कपड़े

भयंकर गर्मी और धूप में शरीर को कुछ ऐसे कपड़े से ढंके जो त्वचा को सांस लेने में मदद करें। इसलिए कॉटन और लिनेन जैसे फैब्रिक के कपड़े पहने। हीट वेव से बचने के लिए ये कपड़े सबसे ज्यादा सही होते हैं। इनसे बने कपड़े हवादार होते हैं जिससे गर्मी कम लगती है।

ना पहनें टाइट कपड़े

गर्मी और हीट वेव से बचने के लिए जरूरी है कि बहुत ज्यादा टाइट कपड़ें ना पहनें। बल्कि ऐसे कपड़े पहने जो आपको सांस लेने में आराम महसूस कराए। जैसे कि इन दिनों ओवरसाइज टॉप और शर्ट का चलन है। इन्हें पहन ना केवल आप स्टाइलिश दिखेंगी बल्कि गर्मी से भी बची रहेगी। वहीं साथ में इसके स्कर्ट या फिर पलाजो जैसे ढीले कपड़े ट्राई करें।गर्मियों के मौसम में जींस पहनने से पूरी तरह से बचें। आप जींस के विकल्प के रूप में पैंट पहन सकती हैं। ये काफी आरामदायक और कॉटन फैब्रिक के मार्केट में आसानी से मिल जाएंगे। वहीं पैंट की भी अलग-अलग डिजाइन है। जिन्हें पहन आप स्टाइलिश भी दिखेंगी और कंफर्टेबल भी रहेंगी। क्योंकि इतनी गर्मी में जींस पहनने से स्किन पर रैशेज भी हो सकते हैं। घर से बाहर निकल रही हैं तो पूरी तरह से शरीर को ढंककर रखने वाले कपड़े पहनें। साथ ही ये कपड़े बिल्कुल ही ढीले-ढाले हों। इसके साथ ही चेहरे और सिर को बचाने के लिए धूप से टोपी का इस्तेमाल करें। या फिर आप स्कार्फ का भी प्रयोग कर सकती हैं।

गर्मियों में इन 5 रंगों के कपड़े जरूर रखें वार्डरोब में, चिलचिलाती धूप में भी आपको रखेंगे कूलगर्मी (Summer) में चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं के थपेड़े जीना मुश्किल कर देते हैं. फिर दफ्तर जाना हो, कॉलेज पहुंचना हो या किसी काम से ट्रैवल करना हो, हर काम जैसे सजा लगती है. खासतौर पर जब तापमान 40 डिग्री पार करने लगा हो, तो बाहर की तीखी धूप से खुद को बचाए रखना बहुत मुश्किल लगता है. ऐसे में अगर आपने सिंथेटिक कपड़े या गहरे रंग के कपड़े पहने रखे हैं, तो सूरज की किरणों को ये अधिक अवशोषित करते हैं और इससे बनने वाली हीट स्किन पर घमौरियां, रैशेज जैसे कई दिक्कतें पैदा करने लगते हैं. आमतौर पर गर्मी के मौसम में सफेद रंग (Colour) हर किसी की पहली पसंद होती है. सफेद रंग के कपड़े बॉडी को कूल रखने और तापमान को मेंटेन करने में मदद करते हैं. लेकिन, ऐसे ही कुछ और भी रंग हैं, जो आपको चिलचिलाती धूप में कूलिंग इफेक्ट दे सकती हैं. यहां हम आपको समर फैशन (Fashion) के मुताबिक कुछ ऐसे रंगों की जानकारी दे रहे हैं, जिन्हें पहनकर आप खुद को लंबे समय तक कूल और फ्रेश रख सकते हैं.

गर्मियों में पहने इन रंगों को कपड़े

आसमानी रंग

आसमानी रंग के फैब्रिक वाले कपड़े गर्मी की चिलचिलाती धूप में काफी सुकून देती है. ऐसे में अगर आप आसमानी, नीला रंग अपने समर ड्रेस कलेक्शन में एड करें, तो ये आपको गर्मी से राहत दिलाने में मदद कर सकता है.

सफेद रंग

गर्मी के मौसम में सफेद रंग एवरग्रीन कलर है. दरअसल सफेद रंग गर्मी को सोखता नहीं और गर्मी को रिफ्लेक्ट करने का काम करता है. आप सफेद रंग का कॉटन शर्ट, फ्रॉक, स्कार्फ, कैप आदि कैरी कर गर्मी के असर को दूर कर सकते हैं.

पीच यलो

पीच यल्लो यानी हल्का पीला रंग नेचुरल कलर है, जो धूप या गर्मी में आंखों में चुभता नहीं है. ऐसे में आप हल्का पीला रंग का टीशर्ट, ड्रेस, साड़ी, स्कार्फ आदि आसानी से कैरी कर सकते हैं.

बेबी पिंक

आमतौर पर बेबी पिंक कलर को लड़कियों का कलर माना जाता है, लेकिन गर्मी में लड़के भी इस रंग को आसानी से कैरी कर सकते हैं. बेबी पिंक कलर भी आंखों में सूदिंग इफेक्ट देता है और चिलचिलाती धूप में रिलीफ पहुंचाता है.

लाइट ग्रे कलर

लड़कों के लिए लाइट ग्रे कलर गर्मी में पहनने के लिए परफेक्ट है. हालांकि, इस रंग की ड्रेस लड़कियां भी खूब पसंद करती हैं. तो इस मौसम में अगर आप गर्मी से बचाने वाले रंगों को ढूंढ रहे हैं, तो इन रंगों को अपने वार्डरोब में जरूर शामिल करें.

साड़ी में नहीं लगेगी गर्मी, अपनाएं ये टिप्स

समर सीजन में केवल फैब्रिक का लाइटवेट होना ही जरूरी नहीं है, बल्कि आपको लाइटवेट वर्क का चुनाव भी करना चाहिए। खासतौर पर बात जब साड़ी की हो तो और भी ज्यादा आपको सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि वर्क जितना हैवी होगा आपके लिए साड़ी को कैरी करना उतना मुश्किल होगा। इसलिए आपको इन टिप्स को जरूर ध्यान में रखना चाहिए-

गर्मियों के मौसम में आप लाइट एम्ब्रॉयडरी जैसे चिकनकारी, फुलकारी वर्क, कश्मीरी कढ़ाई आदि वाली साड़ी कैरी कर सकती हैं।

इस मौसम में जरी वर्क, सीक्वेंस वर्क या फिर हैवी आरी जरदोजी वर्क वाली साड़ी का चुनाव न करें। अगर आपको हैवी लुक वाली साड़ी पहननी ही है, तो कॉटन सिल्क सबसे बेहतर विकल्प रहेगा।

गर्मियों के मौसम में वेल्वेट फैब्रिक और वर्क वाली साड़ी भी न पहनें। इस तरह की साड़ी विंटर सीजन के लिए बेस्ट रहती हैं।

समर साड़ी ड्रेपिंग स्टाइल

गर्मियों में साड़ी को ड्रेप करने का स्टाइल भी आप बदल सकती हैं। यदि आप सही ड्रेपिंग स्टाइल का चुनाव करती हैं, तो आपको साड़ी में गर्मी महसूस नहीं होगी-

शोल्डर प्लेट्स- गर्मियों के मौसम में अगर आप साड़ी में ईजी फील करना चाहती हैं, तो आपको साड़ी की बेसिक लोअर प्लेट्स बनाने के बाद पल्लू की शोल्डर प्लेट्स बनानी चाहिए। इस तरह से साड़ी को संभालना आसान हो जाता है।

ओपन पल्लू स्टाइल- अगर आप शिफॉन, नेट, सुपर नेट, जॉर्जेट या फिर ऑर्गेंजा फैब्रिक की साड़ी पहन रही हैं, तो आप ऐसी साड़ी में ओपन फॉल पल्लू भी कैरी कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी में ओपन फॉल स्टाइल पल्लू आपको स्टाइलिश लुक देता है।

साड़ी विद बेल्ट- अगर आप और भी ज्यादा स्टाइलिश लुक की तलाश में हैं, तो आपको साड़ी के साथ मैचिंग की बेल्ट कैरी करनी चाहिए। बाजार में आपको कई वैरायटी में बेल्ट मिल जाएंगी। उन्हें कैरी करने से आपको बहुत ही स्टाइलिश लुक मिल सकता है।

साड़ी विद ब्रालेट ब्लाउज- गर्मियों के मौसम में आप साड़ी के साथ ट्यूब स्टाइल ब्लाउज, ब्रालेट ब्लाउज, कॉरसेट स्टाइल ब्लाउज भी कैरी कर सकती हैं। इस तरह के ब्लाउज के साथ भी आप ओपन फॉल स्टाइल पल्लू ड्रेप कर सकती हैं।

साड़ी को इस तरह से न करें ड्रेप

गर्मियों के मौसम में मफलर स्टाइल पल्लू ड्रेपिंग न करें, इससे आपको गर्मी लग सकती है, इसकी जगह आप काउल स्टाइल (Cowl Style) में पल्लू को ड्रेप कर सकती हैं।

इसके साथ ही आपको समर सीजन में साड़ी के साथ दुपट्टा ड्रेपिंग भी नहीं करनी चाहिए, इसे आपकी साड़ी और भी हैवी हो जाती है।

. लिनेन

गर्मियों के लिए सबसे ठंडा रहा है फैब्रिक है लिनेन. यह आपके पसीने को सोखकर शरीर को कूल रखता है. इस फैब्रिक में रिंकल बहुत जल्दी पड़ते है, लेकिन आप इन्हें हैंगर में टांग पानी स्प्रे कर ठीक कर सकते हैं. गर्मियों में इस फैब्रिक की शर्ट, कुर्ता, सूट, साड़ी और टी-शर्ट बहुत अच्छा लुक देंगी.

2. शॉम्ब्रे

डेनिम की तरह दिखने वाला ये फैब्रिक गर्मियों में आपको कूल लुक देने के साथ-साथ एयर कंडीशनर की तरह काम करता है. यह बहुत लाइटवेट फैब्रिक है, जो धुलाई के साथ और सॉफ्ट होता जाता है. गर्मियों में इस फैब्रिक की शर्ट, कुर्ता, स्कर्ट और पैंट ट्राय करें.

3. जॉर्जेट

शिफॉन की तरह दिखने वाला ये फैब्रिक महिलाओं के लिए ज्यादा सूटेबल है. वो गर्मी के मौसम में इस फैब्रिक से बनी साड़ियां, सूट, कुर्ते, ड्रेस और शर्ट पहन सकती हैं. ये लाइटवेट फैब्रिक गर्मियों में सुंदर लगने के साथ-साथ काफी सुकून देता है.

4. रेयॉन

कॉटन, सिल्क, लिनेन और कुछ ऊनी फैब्रिक का मिक्स है रेयॉन. सस्ते सिल्क के रूप में इसकी खोज हुई, इसी वजह से यह गर्मियों के लिए परफेक्ट फैब्रिक बना. गर्मियों में इस लाइटवेट फैब्रिक की ड्रेसेस या टी-शर्ट्स पहनें.

5. खादी

कहा जाता है खादी सर्दियों और गर्मियों दोनों मौसम के लिए परफेक्ट है. यह फैब्रिक मौसम के मुताबिक खुद को ढाल लेता है. गर्मियों में यह फैब्रिक पसीने को सोखकर शरीर को ठंडक देता है. पहले सिर्फ खादी के कुर्ते ही मिला करते थे, लेकिन अब इस फैब्रिक की साड़ियां, सूट, कुर्ते, शर्ट, स्कर्ट सबकुछ अवेलेबल है.

वनीला आइसक्रीम रेसिपी

छोटों से लेकर बड़ों तक को आइसक्रीम खाना पसंद होता है। तो आइए हम आपको बताते हैं कि आप बिना आइसक्रीम मेकर के अपने घर कैसे बना सकते हैं वनीला आइसक्रीम। इसे बनाना बेहद ही आसान है और यह खाने में भी उतनी मजेदार है।वनीला आइसक्रीम बनाने के लिए सामग्रीः वनीला आइसक्रीम बनाने के लिए कस्टर्ड, फुल क्रीम दूध, चीनी, वनीला एसेंस और क्रीम की जरूरत होती है। अंत में इसे नट्स और ड्राई फ्रूटस से गार्निश करके सर्व कर सकते हैं।

वनीला आइसक्रीम की सामग्री

2.5 कप दूध, full cream1 टेबल स्पून कस्टर्ड3/4 टी स्पून चीनी2 टी स्पून वनीला एसेंस1 * कप क्रीम(गार्निशिंग के लिए) नट्स और चैरी

वनीला आइसक्रीम बनाने की विधि

1.सबसे पहले कस्टर्ड को दूध और चीनी में मिक्स करें।2.इसके बाद बाकी बचे दूध में चीनी मिलाकर उबाल लें। फिर इसमें बनाया हुआ कस्टर्ड मिलाएं और दोबारा उबालें।3.ठंडा होने के लिए रख दें। फिर इसमें वनीला एसेंस और क्रीम को डालकर मिक्स करें। कंटेनर में भर कर फ्रिज में रख दें।4.हल्का जम जाने के बाद इसे निकालकर हल्का ब्लैंड करें और दोबारा फ्रिज में रखकर छोड़ दें।5.याद रहे अगर कंटेनर टाइट बंद नहीं होगा तो इसमें गाठे बन जाएंगी। इस क्रिया को दोबारा दोहराएं।6. आखिर में फ्रिज में इसे दो घंटे जमने के लिए रख दें। गार्निशिंग के लिए चैरी और नट्स का इस्तेमाल कर सर्व करें।

घर पर बनानी है बाज़ार जैसी आइसक्रीम तो ये 3 टिप्स हमेशा रखें याद

अगर आपको घर पर बाज़ार जैसी आइसक्रीम बनानी है तो इन तीन टिप्स को हमेशा ध्यान रखें जिससे आपकी आइसक्रीम खराब न हो।

घर पर आइसक्रीम बनाना बहुत ही अच्छा लगता है और ये बहुत ही आसान सा काम लगता है, लेकिन कई लोगों की ये दिक्कत होती है कि हमेशा उनकी आइसक्रीम बिगड़ जाती है। आइसक्रीम के बिगड़ने के कई कारण हो सकते हैं, लेकिन उसे ठीक से बनाने के कुछ एक कारण ही होंगे। अगर आपकी आइसक्रीम भी ठीक तरह से नहीं जमती है तो क्यों न हम आपको कुछ ऐसी टिप्स बताएं जिससे आपकी आइसक्रीम ठीक से बनने लगे।

आज हम आपको कुछ ऐसी टिप्स बताने जा रहे हैं जिनकी मदद से आप अपने घर के फ्रिज में बाज़ार जैसी आइसक्रीम जमा सकती हैं और चाहें किसी भी फ्लेवर की आइसक्रीम बना रही हों आपको ये टिप्स जरूर याद रखनी चाहिए।

1. ऐसे बचाएं आइसक्रीम में बर्फ जमने से-

घर पर आइसक्रीम बनाने की सबसे बड़ी दिक्कत ये होती है कि अधिकतर लोगों की आइसक्रीम में बर्फ जम जाती है और छोटे-छोटे आइसक्रिस्टल्स टेस्ट को खराब करते हैं। इससे बचने के लिए आप तीन खास टिप्स अपना सकती हैं-

आइसक्रीम को क्लिंग फिल्म या बटर पेपर से कवर करके फ्रिज में रखें

हर दो-तीन घंटे में थोड़ा चलाते रहें ताकि आइसक्रिस्टल्स न जम पाएं

कस्टर्ड बेस को अच्छे से ठंडा कर ही फ्रिज में रखें

2. कोई भी फ्लेवर मिलाने से पहले ध्यान रखें ये बात-

अगर आप कोई भी फ्लेवर आइसक्रीम में मिलाना चाहती हैं तो ये तभी करें जब दूध का बैटर ठंडा हो जाए। कई लोग इसके गर्म रहते में ही वनीला एसेंस, बादाम, चॉकलेट चिप्स आदि डाल देते हैं जिससे आइसक्रीम का टेक्सचर खराब हो जाता है। आइसक्रीम बैटर को ठंडा कर उसे फेंटने से पहले इसे न मिलाएं। साथ ही इसे फ्रीजर में सीधे न डालें बल्कि पहले इसे 1 घंटे तक नॉर्मल फ्रिज में रखें ताकि इसमें ठंडक आ जाए और फिर इसे फ्रीजर में डालें।

3. आइसक्रीम को जमाने के लिए इस तरह के कंटेनर्स का करें इस्तेमाल-

आइसक्रीम को जमाने के लिए आपको इस तरह के कंटेनर्स का इस्तेमाल करना चाहिए जो फ्लैट हों और ज्यादा गहरे न हों। कई लोग कटोरे आदि में आइसक्रीम को जमा देते हैं जो सही नहीं होता। इससे आइसक्रीम की कंसिस्टेंसी सही नहीं रह जाती है और ये खराब दिखती है और टेस्ट भी अलग कंसिस्टेंसी के कारण अलग आता है।

इस तरह से घर पर बनाएं चॉकलेट आइसक्रीम-

सामग्री-

2.5 कप फुल क्रीम दूध
1 चम्मच कस्टर्ड पाउडर
2 चम्मच कोको पाउडर
1 कप शक्कर
1/2 चम्मच वनीला एसेंस
1.5 कप क्रीम
गार्निश के लिए चेरी और नट्स

सबसे पहले आधे कप दूध में कस्टर्ड पाउडर, कोको, शक्कर आदि मिलाएं।

बचे हुए दूध को अच्छे से गर्म कर लें और जब वो उबलने लगे तो कस्टर्ड मिक्सचर एड करें और अच्छे से फिर से उबालते रहें और इसे हर समय चलाते रहना है।

जब ये मात्रा में थोड़ा कम हो तो गैस को धीमा करें और फिर आधे मिनट बाद बंद कर दें।

जब इसका तापमान रूम टेम्प्रेचर पर आ जाए तो इसमें क्रीम और वनीला एसेंस डालें और इसे किसी एयर टाइट कंटेनर में बंद कर दें।

इसे थोड़ी देर फ्रीज करें फिर इसे निकाल कर ब्लेंडर में पेस्ट बनाएं ताकि अगर कोई आइसक्रिस्टल जमा हो तो हट जाए और फिर उसी कंटेनर में स्टोर करें।

इसका ढक्कन हमेशा अच्छे से बंद करना चाहिए।

इसे एक बार और निकालकर ब्लेंड करें।

अब इसे दो घंटों तक जमाएं और सर्व करते समय चेरी और नट्स से गार्निश करें।तो अब आप भी अपने घर में आइसक्रीम बनाएं और इसका स्वाद चखें। अगर आपको ये स्टोरी अच्छी लगी तो इसे शेयर जरूर करें। ऐसी ही अन्य स्टोरी पढ़ने के लिए जुड़े रहें हरजिंदगी से।

ये हैं भारत की सबसे कठिन धार्मिक यात्राएं

देश में ऐसे कई धार्मिक स्थल हैं जिनकी यात्रा लोग दूर-दूर से करने आते हैं. इनमें से कुछ धार्मिक यात्राएं (Religious Tours) काफी मुश्किल है बावजूद इसके यहां हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं. हम आपको भारत के सबसे खतरनाक और कठिन धार्मिक यात्राओं (Toughest Religious Tours) के बारे में बताने जा रहे हैं. आइए जानें भारत की सबसे मुश्किल धार्मिक यात्राएं कौन सी हैं.

पंच केदार उत्तराखंड के गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में लगभग 170 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पांच मंदिरों का एक समूह है. इसके लिए आपको जंगली घने जंगलों से गुजरना पड़ता है और 12000 फीट तक की ऊंचाई वाले खड़े पहाड़ों पर चढ़ना पड़ता है. अगर आपके पास गाइड नहीं है तो खो जाना भी बहुत आसान है, जो इसे बहुत चुनौतीपूर्ण बना सकता है.

कैलाश मानसरोवर

कैलाश मानसरोवर भारत और चीन के विभिन्न समुदायों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण धार्मिक महत्व रखता है. चीन के दक्षिण पश्चिम क्षेत्र में स्थित इस पर्वत पर पहुंचना थोड़ा कठिन हो सकता है. यात्रा करने का खर्च थोड़ा महंगा पड़ सकता है. साथ ही बेस कैंप तक पहुंचने के लिए बहुत अधिक मेहनत करनी पड़ती है. लेकिन सभी बाधाओं के बावजूद, बड़ी संख्या में तीर्थयात्री दर्शन करने के लिए पूरे रास्ते चलते हैं.

श्रीखंड महादेव

ये भारत में सबसे कठिन ट्रेक में से एक माना जाता है. श्रीखंड महादेव उन लोगों के लिए एक एडवेंचर हैं जो अपनी लिमिट को पुश करना पसंद करते हैं. जंगली जानवरों से भरे घने जंगलों में घूमने से लेकर खड़े पहाड़ों पर चढ़ने से लेकर लगभग 14000 फीट की ऊंचाई तक, 6 फीट बर्फ से ढके विशाल ग्लेशियरों के माध्यम से चलना थोड़ा मुश्किल होता है. संसाधनों की कमी वाले हिमालय की बंजर भूमि में खुद का हौसला बांधे रखना थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है.

हेमकुंड साहिब

हेमकुंड साहिब उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित एक गुरुद्वारा है. ये गढ़वाल क्षेत्र के 7 प्रसिद्ध हिमालयी चोटियों से ढके लगभग 16000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है, नंदा देवी उनमें से एक है. कई तीर्थयात्री ग्लेशियर के माध्यम से अपना रास्ता बनाते हैं लेकिन ये काफी मुश्किल होता है. अधिकतर लोगों को ऑक्सीजन की कमी का सामना करना पड़ता है. यहां जाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है.

अमरनाथ

अमरनाथ यात्रा भारत में सबसे प्रसिद्ध धार्मिक यात्राओं में से एक है जो हर साल बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों को आकर्षित करती है. एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण और दुर्गम स्थल होने के बावजूद, भगवान शिव के भक्त भव्य मंदिर के दर्शन करने के लिए यहां आते हैं.

अमरनाथ तीर्थयात्रा 2025 के बारे में पूरी जानकारी जो आपके लिए जानना बेहद जरूरी है।

अमरनाथ तीर्थयात्रा 2025 का आयोजन 03 जुलाई 2025 से शुरू हो रहा है और 09 अगस्त 2025 को समाप्त होगा। इस पवित्र तीर्थयात्रा के लिए कुल अवधि 38 दिन निर्धारित की गई है।

तीर्थयात्रा की तारीखों के संबंध में आधिकारिक घोषणा 5 मार्च 2025 को जम्मू में होने वाले श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड की 48 वीं बैठक में की जाएगी। अमरनाथ तीर्थयात्रा 2025 के पंजीकरण का आरंभ 14 अप्रैल 2025 से जम्मू कश्मीर बैंक, येस बैंक, पीएनबी बैंक और एसबीआई के 562 शाखाओं में ऑफलाइन के लिए होगा, और ऑनलाइन पंजीकरण अमरनाथ श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट JKSASB.nic.in से शुरू होगा। 8 अप्रैल 2025 के बाद बने सारे मेडिकल मान्य होंगे। अमरनाथ पंजीकरण तिथियों के संबंध में आधिकारिक घोषणा 5 मार्च 2025 को जम्मू में होने वाले श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड की 48वीं बैठक में की जाएगी।

अमरनाथ तीर्थयात्रा के बारे में

शांत और शिवालिक पर्वतों के बीच एक पवित्र तीर्थस्थल में मिले हुए हैं लाखों भक्तों की आवाज, जो प्रति वर्ष विश्वास, भक्ति, और आध्यात्मिक जोश के बुनियादी मंज़र को रचते हैं। स्वागत है अमरनाथ तीर्थयात्रा के मोहक क्षेत्र में, एक स्वर्गीय यात्रा जो पृथ्वीय सीमाओं को तार्किक रूप से पार करती है और यात्रियों को अद्वितीय अमरनाथ गुफा की दिव्य ओड़ीसी पर ले जाती है। 14,000 फीट की आश्चर्यजनक ऊंचाई पर स्थित, जम्मू-कश्मीर की कठिन सुंदरता में, अमरनाथ गुफा शताब्दियों पुराने भक्ति और श्रद्धा का प्रमाण है। यहाँ पर मात्र श्रावणी मेला के पवित्र समय में ही पहुंचा जा सकता है, यात्री पिक्चर पर्फेक्ट प्राकृतिक दृश्यों के माध्यम से आत्मा को चितान करते हुए, भगवान शिव के स्वर्गीय पुकार के मार्गदर्शन में, एक आत्मा को चुहलबाज करने वाली यात्रा करते हैं।

पहलगाम शहर की रहस्यमय आकर्षण से गले मिलने वाला यात्रा पवित्र गुफा की ओर एक पवित्र कथा की तरह खुलता है, प्राचीन मंत्रों और उत्कट प्रार्थनाओं की गूंज से प्रत्येक कदम असर करता है। यहाँ, प्राकृतिक सौंदर्य की अमूल्य वरदान के बीच, भक्तों को आत्मिक यात्रा पर निकलने का समय मिलता है, जो बाबा अमरनाथ की दिव्य और महिमा में लीन होते हैं।

अमरनाथ तीर्थयात्रा का सार न केवल इसकी भौगोलिक महिमा में है, बल्कि यह हिंदू धर्म में रखी गई गहरी आध्यात्मिक महत्वपूर्णता में है। यह केवल एक भौतिक यात्रा नहीं है; यह आत्मा की यात्रा है, एक दिव्य संवाद जो मानव सीमाओं को पार करता है और खोजकर्ता को अनंत से जोड़ता है। गुफा के दिल में एक पवित्र 'लिंगम' लेटा है, भगवान शिव की ब्रह्माण्डीय उपस्थिति का प्रतीक, जो आकाश से बरसती हुई शान्तिमय जल से बनाया गया है। जैसे ही बर्फ की रचना आकाशीय नृत्य की रहमानी के साथ बढ़ती और कम होती है, उसी तरह यात्रियों का जोश भी बढ़ता है, जो गर्मियों के त्योहार के दिव्य दृश्य के दौरान अपने चरम पर पहुंचता है।

वास्तव में, अमरनाथ तीर्थयात्रा केवल एक तीर्थयात्रा नहीं है; यह विश्वास की अद्वितीय शक्ति का गहन प्रमाण है, एक पवित्र यात्रा जो आत्मा को पोषण करती है और जो भी इसके पवित्र पथ पर चलते हैं, उनके हृदय में भक्ति की ज्वाला को जलाती है। हमारे साथ इस स्वर्गीय ओड़ीसी पर निकलें, जहां सामान्य चीजें गूँजती हैं, और नास्तिक दिव्य में बदल जाती हैं।

महत्वपूर्ण विवरण अमरनाथ तीर्थयात्रा 2025 के लिए:

यात्रा के लिए जाने से पहले, अमरनाथ श्राइन बोर्ड से आरएफआईडी कार्ड प्राप्त करना अनिवार्य है।

आपकी स्थानीय या क्षेत्रीय मान्यता प्राप्त अस्पताल या चिकित्सक से मान्यता प्राप्त मेडिकल प्रमाणपत्र अनिवार्य है।

सुनिश्चित करें कि सभी फोटोग्राफ जेपेग या जेपीजी फॉर्मेट में हैं, और फ़ाइल का आकार 1 एमबी से अधिक नहीं होना चाहिए।

पंजीकरण के दौरान अपना मेडिकल प्रमाणपत्र पीडीएफ फॉर्मेट में जमा करते समय, इसे 1 एमबी से अधिक नहीं होना चाहिए।

आयु पात्रता मानदंड 13 से 70 वर्ष के बीच निर्धारित किया गया है; इस सीमा के बाहर आने वाले व्यक्तियों को भाग लेने की अनुमति नहीं होगी।

6 सप्ताह से अधिक गर्भवती महिलाओं को तीर्थयात्रा को संभालने से रोका गया है।

यात्रा के दौरान अपनी मूल फोटो आईडी और मेडिकल प्रमाणपत्र की मौजूदगी को सुनिश्चित करना न भूलें।

अमरनाथ तीर्थयात्रा 2025 की आधिकारिक शुरुआत

अमरनाथ तीर्थयात्रा 2025 की आधिकारिक शुरुआत का अभियान, भगवान की कृपा से, 03 जुलाई 2025 को तय किया गया है। यह पवित्र आरंभ पवित्र पूजा के पवित्र उत्सव के पीछे है, जो 10 जून 2025 को होने वाली है। भक्ति और आध्यात्मिकता की रहस्यमय धरोहर में डूबने के लिए तैयार हो जाएं, क्योंकि दूर-दूर से आने वाले यात्री अमरनाथ के पवित्र स्थलों की इस बदलावशील तीर्थयात्रा पर निकलने के लिए इकट्ठा होते हैं। श्रेष्ठ दिन पवित्र दर्शन के लिए सावन महीने का है जो 10जुलाई 2025 को शुरू होने का अनुसूचित है।

25 जून – 19 अगस्त 2025. कुल अवधि 47 दिन।

अमरनाथ तीर्थयात्रा 2025 के पंजीकरण की तिथि अमरनाथ तीर्थयात्रा 2025 का पंजीकरण 14 अप्रैल, 2025 को आरंभ होगा। ऑफ़लाइन पंजीकरण जम्मू-कश्मीर बैंक, येस बैंक, पीएनबी बैंक, और एसबीआई के 562 शाखाओं में उपलब्ध होगा। ऑनलाइन पंजीकरण अमरनाथ श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट jksasb.nic.in पर उपलब्ध होगा।

अमरनाथ तीर्थयात्रा 2025 के लिए पंजीकरण शुल्क

जीवन की एक अनोखी यात्रा पर निकलें अमरनाथ तीर्थयात्रा 2025 के साथ, जहां हर कदम आपके अटल भक्ति का प्रमाण है। इस पवित्र ओड़िसी में अपनी जगह सुनिश्चित करें, एक आध्यात्मिक जागरूकता और दिव्य संगम का एक द्वार। पारंपरिक छूट की तलाश में, J&K बैंक, येस बैंक, एसबीआई बैंक, या पीएनबी बैंक की 562 पंजीकरण शाखाओं में कदम रखें, जहां पंजीकरण शुल्क मामूली 150 रुपये है। या, डिजिटल युग के सुविधाओं को अपनाएं और श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड की प्रतिष्ठित वेबसाइट jksasb.nic.in के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण करें, जिसका पंजीकरण शुल्क 150 रुपये है।

।। हर हर महादेव ।।

हमारा देश हमारा अभिमान

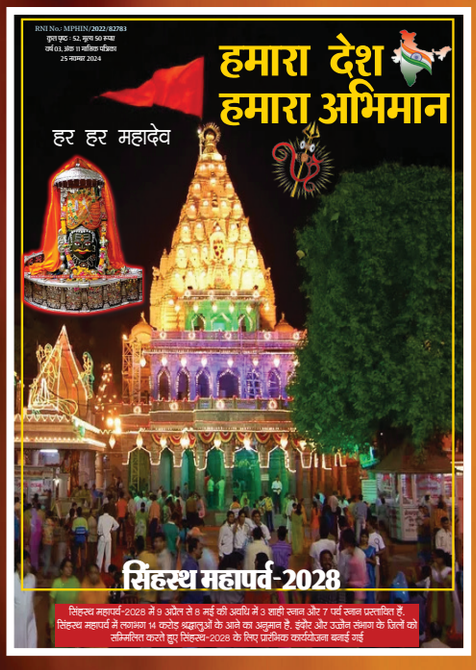

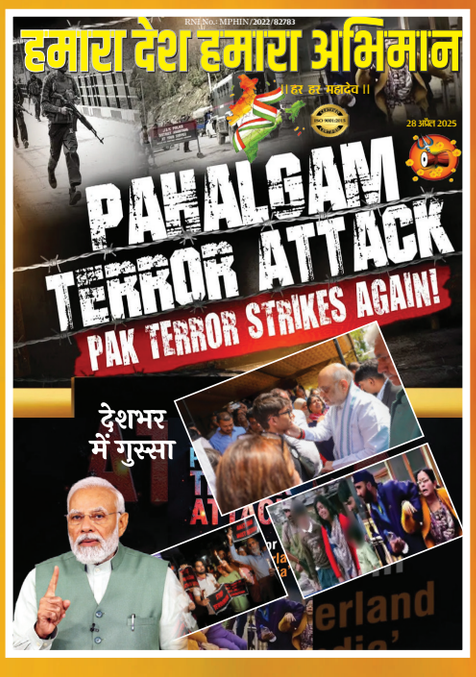

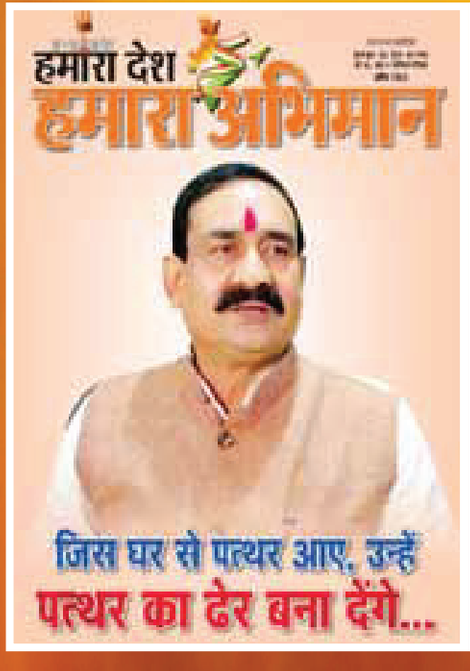

हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका की प्रति बुक करने के लिए सम्पर्क करें......

मनोज चतुर्वेदी : 9826636922, 8839259136